वर्ष-14 - अंक 142
पृष्ट-08 मूल्य : 02 रुपया

सीतापुर
मंगलवार ,01 सितम्बर 2026

RNI.No. UHIN/2012/43078

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

swatantraprabhat.com

epaper.swatantraprabhat.com

जो लिखेगा, वही टिकेगा

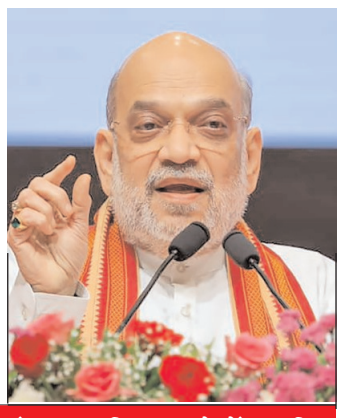

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून गाजियाबाद , दिल्ली ,पंजाब , हरियाणा ,चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

सवर्ण आर्मी ने राष्ट्रपति के नाम एसडीएम को सौंपा 3

नेपाल की त्रासदी से भारत को सबक लेने की जरूरत..... 4

श्रीभूमि जिले के चामटिल्ला में बिजली संकट ने मचाई तबाही, लाखों के 08

25 साल पुराना सोन जल विवाद खत्म, बिहार-झारखंड में समझौता

इस अवसर पर झारखंड के मुयमंत्री हेमंत सोरेन, बिहार के मुयमंत्री सम्राट चौधरी, केंद्रीय जलशति मंत्री सीआर पाटिल, बिहार के उपमुयमंत्री सहित केंद्र और दोनों राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। अमित शाह ने समझौते को पूर्वी भारत के लंबे समय से लंबित जल विवाद के समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि इससे बिहार और झारखंड के बड़े ग्रामीण क्षेत्रों में लाखों किसानों को सिंचाई के लिए पानी उपलध होगा। साथ ही कई इलाकों में पेयजल की समस्या का भी समाधान होगा। शाह ने कहा कि सोन नदी जल बंटवारे पर हुआ समझौता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'टीम इंडिया' और सहकारी सं

नई दिल्ली(एजेंसी)। बिहार और झारखंड के बीच करीब 25 वर्षों से चले आ रहे सोन नदी के जल बंटवारे का विवाद सोमवार को समाप्त हो गया। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में नई दिल्ली में दोनों राज्यों के बीच सोन नदी के जल बंटवारे को लेकर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सीआर पाटिल, बिहार के उपमुख्यमंत्री सहित केंद्र और दोनों राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। अमित शाह ने समझौते को पूर्वी भारत के लंबे समय से लंबित जल विवाद के समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि इससे बिहार और झारखंड के बड़े ग्रामीण क्षेत्रों में लाखों किसानों को सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध होगा। साथ ही कई इलाकों में पेयजल की समस्या का भी समाधान होगा। शाह ने कहा कि सोन नदी जल बंटवारे पर हुआ समझौता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'टीम इंडिया' और सहकारी संघवाद की भावना का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने कहा कि राज्यों के बीच संवाद और सहयोग से लंबे समय से लंबित समस्याओं का समाधान संभव है। समझौते से बिहार के भोजपुर, बक्सर, रोहतास, कैमूर, औरंगाबाद, अरवल, गया और पटना सहित कई जिलों में सिंचाई और पेयजल के लिए पानी उपलब्ध होगा। वहीं झारखंड के पलामू, गढ़वा और आसपास के क्षेत्रों को भी इसका लाभ मिलेगा। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोन नदी जल विवाद के समाधान के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के प्रति आभार जताया। अमित शाह ने कहा कि इस वर्ष अब तक विभिन्न राज्यों के बीच चार महत्वपूर्ण जल समझौते हुए हैं। इन समझौतों का उद्देश्य सिंचाई, पेयजल और ग्रामीण विकास के लिए जल की उपलब्धता बढ़ाना है। इससे पहले 7 जुलाई को नर्मदा परियोजना से जुड़े लंबित भुगतान के निपटारे के लिए मध्य प्रदेश, गुजरात, राजस्थान और महाराष्ट्र के बीच समझौता हुआ था। वहीं 29 जून को राजस्थान और हरियाणा के बीच यमुना जल परियोजना के निर्माण और क्रियान्वयन को लेकर महत्वपूर्ण समझौता हुआ। इसके अलावा 16 जून को वर्षों से लंबित किशाऊ बहुउद्देशीय बांध परियोजना को लेकर हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान के बीच सहमति बनी थी। केंद्र सरकार के अनुसार, इन समझौतों से विभिन्न राज्यों में सिंचाई, पेयजल और विकास परियोजनाओं को गति मिलने की उम्मीद है।

चेतावनी मिली थी, लेकिन तबाही का अंदाजा नहीं था; नेपाल बाढ़ पीड़ितों का छलका दर्द

त्रिशूली(एजेंसी)। नेपाल में आई भयानक बाढ़ के बाद चारों तरफ मलबा और तबाही का मंजर है। मलबे के बीच कुछ घर अभी भी खड़े हैं। प्रभावित इलाकों के लोगों ने सोमवार को बताया कि उन्हें बाढ़ आने की चेतावनी तो मिली थी, लेकिन उन्हें अंदाजा नहीं था कि पानी का स्तर इतना खतरनाक हो जाएगा। लोगों ने आईएएनएस से ??बात करते हुए तबाही को अकल्पनीय बताया और कहा कि इस आपदा में उन्होंने अपने घर, दुकानें, कारोबार और सारा सामान खो दिया। एक निवासी ने कहा, 'मैंने अपनी जिंदगी के 40 साल यहीं बिताए हैं। बाढ़ आने से पहले हमें जानकारी मिली थी। सरकार की तरफ से हमारे मोबाइल फोन पर मैसेज भेजा गया था और हमें चीन से भी कुछ मैसेज मिले थे। ऊपर की तरफ रहने वाले हमारे दोस्तों ने भी हमें फोन किया था, लेकिन हमें लगा कि हमारा घर नदी से काफी दूर है और पानी यहां तक नहीं पहुंचेगा। हमने कभी नहीं सोचा था कि इतना सारा पानी आएगा और पूरे बाजार को बहा ले जाएगा।' एक अन्य स्थानीय निवासी ने कहा, 'यहां चार-पांच गोदाम थे। मेरी किराने की दुकान थी। हमें आधा घंटा पहले जानकारी मिली थी, लेकिन हमने उसे गंभीरता से नहीं लिया क्योंकि हमें लगा कि पानी इतना ऊपर नहीं चढ़ेगा। जब पानी त्रिशूली पुल तक पहुंचा, तो हम भागने लगे। नुकसान बहुत बड़ा है करीब 1 से 1.5 करोड़ रुपए का। मेरी पत्नी, तीन बच्चे और मैं वहां थे।' आलू, प्याज और अनाज का कारोबार करने वाले ?व्यक्ति ने बताया कि बाढ़ का पानी इलाके तक पहुंचने से कुछ ही मिनट पहले उन्हें चेतावनी मिली थी। उन्होंने कहा, 'हम बाहर से आए थे और ठीक पांच मिनट पहले ही खबर मिली कि सब लोग भाग रहे हैं और बाढ़ आ रही है। हमारी सारी संपत्ति चली गई। हमारे परिवार में छह सदस्य थे और शुक्र है कि हम सब सुरक्षित हैं।' कारोबारी ने कहा, 'हमने सब कुछ खो दिया है। मैं 5 रुपए भी नहीं निकाल पाया। कपड़े, गहने, पैसे, सब कुछ चला गया। दुकान में 20 से 25 टन सामान था। हमारी बोरी (गनी बैग) की दुकान और तीन शटर वाला वर्क एरिया भी था। सब कुछ बह गया। हम कमरे से एक भी चीज नहीं निकाल पाए। मैंने चार दिन पहले ही काठमांडू से अपने बच्चे के लिए दवा मंगवाई थी और उसका भी कोई पता नहीं है। सब कुछ पानी में डूब गया।' एक और स्थानीय निवासी ने बताया कि लोगों को बाढ़ आने से 15 से 20 मिनट पहले ही इसकी जानकारी मिल गई थी। उन?होंने कहा कि हमें लगभग 15 से 20 मिनट पहले खबर मिली। बहुत बड़ा नुकसान हुआ है। हमने सोचा भी नहीं था कि इतनी बड़ी घटना होगी। अब आप खुद देख सकते हैं कि क्या हुआ है और कितनी तबाही मची है। एक और निवासी ने उस जगह की ओर इशारा किया जहां कभी पुराना ढुंगे त्रिशूली बाजार हुआ करता था और आस-पास के गांवों के लिए उसकी अहमियत को याद किया। उन्होंने कहा, 'आप जो वहां देख रहे हैं, वह कभी पुराना ढुंगे त्रिशूली बाजार हुआ करता था। पहाड़ों पर बसे हमारे गांवों के लोग यहां खरीदारी करने आते थे। नुकसान बहुत बड़ा है। ठीक सामने एक हाइड्रोपावर प्लांट था और उसके बगल में एक बड़ा शॉपिंग मार्केट था, जहां आस-पास के सभी गांवों के लोग खरीदारी करने आते थे। वह सब कुछ खत्म हो गया।'

5 सितंबर के सीजेपी मार्च पर रोक से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) की ओर से 5 सितंबर को प्रस्तावित विरोध मार्च पर अंतरिम रोक लगाने से सोमवार को इनकार कर दिया। अदालत ने कहा कि फिलहाल ऐसा कोई ठोस आधार नहीं है, जिससे यह माना जाए कि प्रदर्शन से कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ सकती है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने मार्च को चुनौती देने वाली याचिका पर नोटिस जारी किया, लेकिन मामले को 5 सितंबर से पहले सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने से इनकार कर दिया। मामले की विस्तृत सुनवाई 10 सितंबर को छात्र विरोध प्रदर्शनों से जुड़े अन्य लंबित मामलों के साथ होगी। याचिकाकर्ता की ओर से पेश अधिवक्ता रिजवान अहमद ने इंडिया गेट से नई दिल्ली पुलिस मुख्यालय तक प्रस्तावित मार्च को लेकर सुरक्षा संबंधी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में आगामी ब्रिक्स शिखर सम्मेलन को देखते हुए बड़े प्रदर्शन से कानून-व्यवस्था की चुनौती पैदा हो सकती है। याचिकाकर्ता ने यह भी दावा किया कि आयोजकों ने प्रदर्शन के लिए आवश्यक अनुमति नहीं ली है।

गुजरात में गुटखा-पान मसाला पर प्रतिबंध एक साल और बढ़ा

गांधीनगर। गुजरात सरकार ने तंबाकू और निकोटीन युक्त गुटखा तथा पान मसाला के निर्माण, भंडारण, वितरण और बिक्री पर लागू प्रतिबंध को एक वर्ष के लिए और बढ़ा दिया है। खाद्य सुरक्षा आयुक्त की ओर से 31 अगस्त को जारी अधिसूचना के अनुसार नया प्रतिबंध 13 सितंबर 2026 से 12 सितंबर 2027 तक प्रभावी रहेगा। अधिसूचना में जनस्वास्थ्य संबंधी चिंताओं और विभिन्न गैर-सरकारी संगठनों से प्राप्त अभ्यावेदनों का हवाला दिया गया है। यह प्रतिबंध वर्ष 2012 से गुजरात में लागू है और उत्पादों के नाम या ब्रांड में बदलाव करने पर भी लागू रहेगा। सरकार ने स्पष्ट किया है कि तंबाकू या निकोटीन युक्त गुटखा-पान मसाला बनाने में इस्तेमाल होने वाली सामग्री को अलग-अलग बेचकर प्रतिबंध से बचने की कोशिश पर भी कार्रवाई की जाएगी। संबंधित उत्पादों के निर्माण, भंडारण, वितरण और बिक्री पर रोक जारी रहेगी। अधिकारियों को प्रतिबंध का प्रभावी ढंग से पालन कराने और उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। अधिसूचना में विभिन्न शोधों का हवाला देते हुए कहा गया है कि गुटखा और पान मसाला का सेवन स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा पैदा करता है और इससे मुंह के कैंसर का जोखिम बढ़ सकता है।

बाढ़ प्रभावितों के लिए युद्ध स्तर पर सरकार का राहत अभियान जारी

लखनऊ(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में बाढ़ की चुनौती के बीच योगी सरकार ने राहत एवं बचाव कार्यों को प्राथमिकता देते हुए प्रशासनिक मशीनरी को पूरी तरह सक्रिय कर दिया है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने के साथ ही उनके लिए भोजन, आश्रय, स्वास्थ्य सुविधाएं और पशुओं के लिए चारे की व्यवस्था लगातार की जा रही है। उत्तर प्रदेश राहत आयुक्त कार्यालय के मुताबिक, रविवार तक प्रदेश के 17 जिले बाढ़ से प्रभावित हैं। अब तक प्रदेश में कोई जनहानि नहीं व पशुहानि नहीं होने पाई है। योगी सरकार की निगरानी में राहत कार्य प्रभावित क्षेत्रों में लगातार जारी हैं। वर्तमान में बाढ़ से करीब 1.70 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। ऐसे में सरकार का पूरा जोर प्रभावित आबादी को तत्काल राहत सहायता उपलब्ध कराने और लोगों को सुरक्षित रखने पर है। इसके लिए प्रभावित इलाकों में अब तक कुल 1,633 बाढ़ चौकियां स्थापित की जा चुकी हैं। इन चौकियों के माध्यम से स्थानीय स्तर पर राहत एवं बचाव गतिविधियों की निगरानी की जा रही है। बाढ़ जैसी आपदा में सबसे बड़ी जरूरत प्रभावित परिवारों तक भोजन पहुंचाने की है। योगी सरकार ने इस मोर्चे पर भी व्यापक इंतजाम किए हैं। रविवार की स्थिति के मुताबिक 2,024 बाढ़ राहत खाद्यान्न पैकेट और 10,784 लंच पैकेट वितरित किए गए हैं। अब तक कुल 55,572 खाद्यान्न पैकेट और 3.02 लाख लंच पैकेट प्रभावित लोगों तक पहुंचाए जा चुके हैं। इससे राहत शिविरों और प्रभावित क्षेत्रों में रह रहे लोगों को भोजन की उपलब्धता सुनिश्चित करने में मदद मिल रही है। प्रशासन द्वारा जरूरत के अनुसार राहत सामग्री का वितरण लगातार किया जा रहा है, ताकि बाढ़ के कारण रोजमर्रा की जिंदगी प्रभावित होने के बावजूद लोगों को भोजन के लिए परेशान न होना पड़े। राहत कार्यों के साथ सरकार ने प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को भी प्राथमिकता दी है। बाढ़ प्रभावित इलाकों में 200 मेडिकल टीमें गठित की गई हैं। इसके अलावा स्वच्छता और स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए 5,432 क्लोरीन टैबलेट तथा 5,441 ओआरएस पैकेट वितरित किए गए हैं। बाढ़ के दौरान दूषित पानी और संक्रमण से होने वाली बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में मेडिकल टीमों की तैनाती और क्लोरीन टैबलेट तथा ओआरएस के वितरण से प्रभावित आबादी को तत्काल स्वास्थ्य सहायता उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। बाढ़ के कारण जिन क्षेत्रों में आवागमन प्रभावित हुआ है, वहां राहत एवं बचाव कार्य के लिए 525 नाव एवं मोटरबोट लगाए गए हैं। इनके माध्यम से जरूरतमंद लोगों तक पहुंच बनाने और प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने का काम किया जा रहा है।

प्रशासन ने बाढ़ प्रभावितों के लिए 254 बाढ़ शरणालय स्थापित किए हैं। इनमें से 46 शरणालय वर्तमान में संचालित हैं। संचालित शरणालयों में 1,151 लोग रह रहे हैं, जबकि अब तक लगभग इतनी ही संख्या में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा चुका है। 30 अगस्त की स्थिति के अनुसार प्रदेश के 17 जिले बाढ़ से प्रभावित हैं। इनमें अयोध्या, आजमगढ़, बलिया, बाराबंकी, बदायूं, चित्रकूट, फर्रुखाबाद, हमीरपुर, हरदोई, कासगंज, कन्नौज, कानपुर नगर, लखीमपुर खीरी, मुरादाबाद, संत कबीर नगर, शाहजहांपुर और वाराणसी शामिल हैं। इन सभी जिलों में प्रशासन की टीमें राहत एवं बचाव अभियान में लगातार जुटी हैं।

राहत अभियान में प्रभावित पशुओं को भी शामिल किया गया है।

ममता बनर्जी ने 2021 में हार के बाद नंदीग्राम को विकास से वंचित रखा : सुवेंदु अधिकारी

कोलकाता(एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने सोमवार को आरोप लगाया कि पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 2021 विधानसभा चुनाव में नंदीग्राम से हारने के बाद बदले की भावना से वहां के लोगों को विकास कार्यों से वंचित रखा। गौरतलब है कि 2021 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी को नंदीग्राम सीट से सुवेंदु अधिकारी ने लगभग 2,000 वोटों के अंतर से हराया था। बाद में ममता बनर्जी ने उसी वर्ष दक्षिण कोलकाता की भवानीपुर विधानसभा सीट से उपचुनाव जीतकर मुख्यमंत्री पद बरकरार रखा और लगातार तीसरी बार मुख्यमंत्री बनीं। सुवेंदु अधिकारी ने कहा, 'पिछले पांच वर्षों (2021 से 2026) में नंदीग्राम के लोगों को विकास कार्यों से दूर रखा गया। ममता बनर्जी 2021 में यहां से हारने के कारण नाराज थीं और इसी वजह से उन्होंने नंदीग्राम की उपेक्षा की।' उन्होंने कहा कि नंदीग्राम में रेलवे स्टेशन बनाने की मांग लंबे समय से की जा रही थी। इसके लिए सिर्फ छह एकड़ जमीन की जरूरत थी, लेकिन पिछली सरकार ने जमीन तक आवंटित नहीं की। अधिकारी ने दावा किया, 'मुख्यमंत्री बनने के बाद मैंने रेलवे स्टेशन के लिए 3.5 एकड़ जमीन आवंटित कर भारतीय रेलवे को सौंप दी है। बाकी जमीन भी जल्द दी जाएगी। नंदीग्राम रेलवे स्टेशन का निर्माण अगले साल मार्च तक पूरा हो जाएगा। उस स्टेशन से ट्रेन में बैठने वाला पहला व्यक्ति मैं ही बनूंगा।' मुख्यमंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि वाम मोर्चा शासन के दौरान शहीद हुए नौ लोगों के परिवारों को भी पिछली तृणमूल कांग्रेस सरकार ने सरकारी नौकरी नहीं दी, क्योंकि ममता बनर्जी नंदीग्राम में अपनी हार से नाराज थीं।

दिल्ली बस रेप मामले में आतिशी बोलीं, भाजपा के हर इंजन के बावजूद महिलाएं असुरक्षित

नई दिल्ली(एजेंसी)। आम आदमी पार्टी की विधायक आतिशी ने दिल्ली बस रेप की घटना को लेकर भाजपा पर निशाना साधा और महिलाओं की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई। आतिशी ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत के दौरान कहा कि यूपी सरकार भाजपा की है। दिल्ली सरकार भाजपा की है। यूपी पुलिस भाजपा की है। दिल्ली पुलिस भाजपा की है। एलजी भाजपा के हैं और एमएचए (गृह मंत्रालय) भाजपा के अधीन है। क्या अब कोई ऐसा इंजन बचा है जो भाजपा का न हो? फिर भी, नोएडा से दिल्ली जा रही बस में एक 16 साल की लड़की का रेप होता है और पूरा देश यह सब देख रहा है। उन्होंने कहा, 'मैं भाजपा से पूछना चाहती हूं कि इस देश में लड़कियां कब तक पीड़ित रहेंगी और हिंसा का शिकार होती रहेंगी? भाजपा इस देश में 12 से 13 साल से सत्ता में है, लेकिन यह बिल्कुल साफ हो गया है कि रेप करने वालों और महिलाओं के खिलाफ हिंसा करने वालों को भाजपा सरकार, उसकी पुलिस या अदालतों का कोई डर नहीं है। उन्होंने कहा कि आरोपियों को पता है कि पुलिस कुछ करने वाली नहीं है। अगर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया तो सेटलमेंट हो जाएगा और बेल भी मिल जाएगी। पुलिस के मुताबिक, उत्तर प्रदेश के मैनपुरी जिले की रहने वाली 11वीं कक्षा की छात्रा परिजनों से नाराज होकर बिना बताए घर से निकल गई थी और नोएडा में रहने वाले अपने चचेरे भाई के पास जा रही थी।

तमिलनाडु सरकार ने राज्य भर में 15 आईपीएस अधिकारियों का तबादला और तैनाती की

चेन्नई(एजेंसी)। तमिलनाडु सरकार ने सोमवार को तत्काल प्रभाव से 15 भारतीय पुलिस सेवा अधिकारियों के स्थानांतरण और पोस्टिंग का आदेश दिया। इस क्रम में युवा अधिकारियों को राज्य भर के प्रमुख ग्रामीण और शहरी पुलिस उपविभागों में नियुक्त किया गया। गृह विभाग द्वारा जारी एक पुलिस नोट के अनुसार, अंजीत ए नायर को थूथुकुडी ग्रामीण उपखंड में सहायक पुलिस अधीक्षक (एएसपी) के रूप में तैनात किया गया है, जबकि पी अंकिता तंजावुर जिले में पट्टुकोट्टई उपखंड का प्रभार संभालेंगी। एस अश्विनी को नामक्कल जिले में तिरुचेंगोडे का एएसपी नियुक्त किया गया है, और बिस्वजीत पांडा को तिरुनेलवेली ग्रामीण उपखंड सौंपा गया है। चथरिया कविन डीजे कुड्डालोर जिले में चिदंबरम उपखंड के एएसपी के रूप में काम करेंगे, जबकि एस इंबा को तिरुचिरापल्ली जिले के थिरुवेरुम्बुर में तैनात किया गया है। सरकार ने पी मंजिमा को डिंडीगुल ग्रामीण उपखंड का एएसपी नियुक्त किया है। मन्नम सुजीत संपत नामक्कल जिले में रासीपुरम उपखंड का प्रभार संभालेंगे, जबकि नील शर्मा को थूथुकुडी जिले में कोविलपट्टी के एएसपी के रूप में तैनात किया गया है। के नेहा को रामनाथपुरम जिले में रामनाथपुरम उपखंड सौंपा गया है। प्रियंका भार्गव नागपट्टिनम उपखंड का प्रभार संभालेंगी, और राहुल वी गोपाल को तिरुवन्नामलाई जिले के तिरुवन्नामलाई ग्रामीण उपखंड में तैनात किया गया है। सैंदाणे स्वप्निल अनिल को विरुधुनगर जिले के राजपालयम सब-डिविजन का एएसपी नियुक्त किया गया है। तनु सिंह को मदुरै जिले के ऊमाचिकुलम सब-डिविजन की कमान दी गई है।

भारत ने सिंधु जल संधि पर 'सीओए' के फैसले को किया खारिज, कहा- फैसला स्वीकार नहीं

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत ने एक बार फिर आईडब्ल्यूटी यानी सिंधु जल संधि को लेकर तथाकथित कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन (सीओए) के फैसले को पूरी तरह खारिज कर दिया है। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने स्पष्ट कहा कि वो इस निकाय की वैधता को नहीं मानता है, इसलिए फैसले को स्वीकार नहीं करता है। सोमवार को एमईए ने इस मुद्दे पर बयान जारी किया। साफ शब्दों में कहा गैर-कानूनी तरीके से बनाई गई तथाकथित 'कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन' ने 'सिंधु जल संधि' के तहत अंतरिम उपायों और संधि की स्थिति के बारे में अपना फैसला (जिसे उसने 'अवार्ड' कहा है) सुनाया है। यह तथाकथित कोर्ट विश्व बैंक के संधि की शर्तों का साफ तौर पर उल्लंघन करते हुए बनाया गया था। भारत इसके तथाकथित फैसले को पूरी तरह से खारिज करता है, ठीक वैसे ही जैसे उसने इस गैर-कानूनी संस्था के पहले के सभी फैसलों को सख्ती से खारिज किया है। आगे लिखा है कि भारत ने कभी भी गैर-कानूनी तरीके से बनाई गई इस तथाकथित 'कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन' के कानूनी अस्तित्व को मान्यता नहीं दी है। भारत का हमेशा से यह मानना ??रहा है कि इस तथाकथित आर्बिट्रल संस्था का गठन ही 'सिंधु जल संधि' का गंभीर उल्लंघन है। इसलिए, भारत कभी भी इस संस्था के सामने पेश नहीं हुआ और न ही उसने इसके पहले के फैसलों को तवज्जो दी। भारत का मत है कि इस तथाकथित 'कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन' को देश के संप्रभु फैसलों पर कोई भी निर्णय लेने का अधिकार नहीं है। इसके फैसलों का, चाहे अभी हों या भविष्य में, भारत द्वारा चलाई जा रही परियोजनाओं से जुड़े भारत के कामों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। साथ ही 'सिंधु जल संधि' को स्थगित रखने का भारत का निर्णय लागू रहेगा। पहलगाम की बैसरन घाटी में अप्रैल 2025 में हुए आतंकी हमले के बाद से ही भारत ने संधि को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया था। पाकिस्तान की विचारधारा के खिलाफ देश अपने रुख पे कायम है। स्पष्ट कह चुका है कि 'खून और पानी साथ नहीं बह सकते।'

दिल्ली में चलती बस में नाबालिग से गैंगरेप का आरोप, 'आप' ने सरकार पर साधा निशाना

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली में चलती बस में एक नाबालिग छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना ने राजधानी की कानून-व्यवस्था को लेकर राजनीतिक बहस तेज कर दी है। आम आदमी पार्टी ने इस घटना को लेकर केंद्र सरकार और दिल्ली सरकार पर निशाना साधा। 'आप' दिल्ली के प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने दिल्ली को बच्चों के खिलाफ यौन अपराधों के मामले में असुरक्षित बताते हुए सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में छोटे बच्चों और नाबालिगों से जुड़े यौन उत्पीड़न के कई मामले सामने आए हैं। उन्होंने दावा किया कि रविवार को भी तीन साल की बच्ची के साथ स्कूल वैन में यौन उत्पीड़न और तीन साल के बच्चे के प्ले स्कूल में यौन उत्पीड़न की घटनाओं की जानकारी सामने आई। सौरभ भारद्वाज ने जनकपुरी के एक निजी स्कूल में तीन साल की बच्ची से दुष्कर्म के पुराने मामले का भी उल्लेख किया। उन्होंने आरोप लगाया कि मामले में सरकार की ओर से अपेक्षित कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने स्कूल प्रबंधन पर पॉक्सो एक्ट के प्रावधानों के उल्लंघन सहित कई गंभीर आरोप लगाए और कहा कि स्कूल में सीसीटीवी कैमरे बंद होने, पॉक्सो प्रशिक्षण की कमी तथा चाइल्ड वेलफेयर के लिए समुचित व्यवस्था नहीं होने जैसे मुद्दे जांच में सामने आए थे।

संक्षिप्त खबरें

रेनुकूट में सड़क किनारे रोते मिले 9 वर्षीय आयुष को चाइल्ड हेल्पलाइन ने परिजनों से मिलाया

सोनभद्र/ उत्तर प्रदेश - दिनांक 22 अगस्त 2026 को रेनुकूट में सड़क के किनारे एक 9 वर्षीय बालक परेशान अवस्था में रो रहा था। सूचना पर चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 की टीम से धर्मवीर सिंह* ने मौके पर पहुंचकर बालक को रेस्क्यू किया। बालक ने अपना नाम आयुष, पिता – बजरंगी, माता – लक्ष्मी देवी बताया, पर गांव का नाम बताने में असमर्थ था। टीम द्वारा लगातार प्रयास और काउंसलिंग की गई, जिसके बाद उसने अपने घर के आस-पास के स्थानों के नाम बताए। जानकारी के आधार पर बिहार और झारखंड के विभिन्न जनपदों से संपर्क किया गया, एक सप्ताह बाद पता चला कि बालक गया जनपद का रहने वाला है।

परियोजना समन्वयक द्वारा संबंधित थाने से संपर्क स्थापित कर परिजनों को सूचित किया गया

परिजनों के सोनभद्र पहुंचने पर बालक को ष्ठ्ठ्ठष्ट के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां बेहद भावुक दृश्य देखने को मिला। परिजन भावुक हो गए और आयुष भी अपनी मां से मिलकर रोने लगा। परिजनों ने चाइल्ड हेल्पलाइन टीम को दिल से धन्यवाद दिया। बाल कल्याण समिति (ष्ठ्ठ्ठष्ट) के आदेशानुसार सभी औपचारिकताएं पूर्ण कर बालक को उसके परिजनों को सुपुर्द किया गया। अपील–परियोजना समन्वयक मुकेश कुमार सिंह द्वारा बताया गया कि कोई भी बच्चा अकेला या मुसीबत में दिखे तो 1098 पर कॉल करें।

मोटरसाइकिल से गिरकर घायल युवक की मौत, इलाज के दौरान तोड़ा दम

महराजगंज, रायबरेली। शुक्रवार दोपहर मोटरसाइकिल से गिरकर गंभीर रूप से घायल हुए 38 वर्षीय रामचंद्र की इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक रामचंद्र पुत्र कन्हैया लाल, निवासी कोटवा मदनिया, महराजगंज के रहने वाले थे। जानकारी के अनुसार शुक्रवार को करीब 1:55 बजे रामचंद्र मोटरसाइकिल से गिरकर महराजगंज दूध डेयरी के पास घायल हो गए। परिजन उन्हें उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र महराजगंज लेकर पहुंचे। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। हालांकि, रेफर किए जाने के बाद परिजन उन्हें तत्काल जिला अस्पताल नहीं ले जा सके और वह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र महराजगंज में ही रहे।

स्कूल की छत से कक्षाओं तक टपका पानी,निरीक्षण में खुली बदइंतजामी

बारिश के बीच स्कूल की छत से लेकर कई कक्षों तक पानी भरा मिला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उन्नाव। पुरवा तहसील क्षेत्र के उच्च प्राथमिक विद्यालय मंगतखेड़ा कंपोजिट, असोहा में सोमवार को उप जिलाधिकारी (एसडीएम) दिग्विजय सिंह के औचक निरीक्षण में विद्यालय की व्यवस्थाओं की गंभीर स्थिति सामने आई। बारिश के बीच स्कूल की छत से लेकर कई कक्षों तक पानी भरा मिला। दीवारों पर जगह-जगह सीलन और भवन की जर्जर हालत ने छात्र-छात्राओं की सुरक्षा पर भी सवाल खड़े कर दिए निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने शिक्षकों और विद्यार्थियों की उपस्थिति की भी जांच की। विद्यालय में छह सहायक शिक्षक, एक अनुदेशक और एक सहचर तैनात मिले। कुल 236 छात्र पंजीकृत हैं, जबकि निरीक्षण के समय महज 86 छात्र उपस्थित पाए गए। कम उपस्थिति को लेकर विद्यालय प्रबंधन से स्पष्टीकरण मांगा गया। विद्यालय भवन की स्थिति भी बेहद खराब मिली। छत पर पानी जमा होने के साथ कई कक्षों में पानी भरा था तथा दीवारों पर अत्यधिक सीलन दिखाई दी। बारिश के मौसम में जर्जर भवन और कक्षों में पानी भरने से बच्चों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता सामने आई। निरीक्षण में यह भी पाया गया कि विद्यालय में केवल बालिका शौचालय उपलब्ध है। एमडीएम की गुणवत्ता पर भी सवाल निरीक्षण के दौरान मध्याह्न भोजन (एमडीएम) की व्यवस्था भी मानकों के अनुरूप नहीं मिली। विद्यालय के मेन्यू के अनुसार भोजन तैयार नहीं किया गया था और भोजन की गुणवत्ता भी खराब पाई गई। एसडीएम ने भोजन की गुणवत्ता एवं निर्धारित मेन्यू के पालन को लेकर संबंधित कर्मचारियों से जानकारी ली और आवश्यक सुधार के निर्देश दिए। इसके अलावा कुछ छात्र बिना स्कूल ड्रेस के भी पाए गए। विद्यालय में विद्युत व्यवस्था अपर्याप्त मिली। स्कूल परिसर में बाउंड्रीवाल न होने के कारण सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी चिंता जताई गई। खेल मैदान और खेल सामग्री का भी अभाव विद्यालय में बच्चों के लिए पर्याप्त खेल सुविधाएं भी नहीं मिलीं। निरीक्षण के दौरान न तो उचित खेल मैदान मिला और न ही विद्यार्थियों के खेलने के लिए आवश्यक खेल सामग्री उपलब्ध थी। इससे बच्चों के समग्र विकास को लेकर भी सवाल खड़े हुए। निरीक्षण रिपोर्ट विभाग को भेजने के निर्देश एसडीएम दिग्विजय सिंह ने निरीक्षण लिए क्या ठोस कदम उठाए जाते हैं।

सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों को दी गई गरिमामय विदाई

सोनभद्र / उत्तर प्रदेश- सोमवार दिनांक 31.08.2026 को जनपद सोनभद्र से कुल 02 पुलिसकर्मी अपनी अधिवर्षता आयु पूर्ण कर पुलिस सेवा से सेवानिवृत्त हुए, जिनमें मु0आ0 सुरेन्द्र प्रसाद एवं अनुचर शिवलाल मौर्या शामिल हैं। दोनों कार्मिकों द्वारा अपने संपूर्ण सेवाकाल के दौरान पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी एवं कर्तव्यपरायणता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन किया गया। मु0आ0 सुरेन्द्र प्रसाद, निवासी जनपद गाजीपुर, का पुलिस विभाग में कुल 35 वर्ष 11 माह 27 दिवस का सेवाकाल रहा। उन्होंने 36वीं वाहिनी, 02वीं वाहिनी, जनपद सीतापुर एवं जनपद सोनभद्र में अपनी सेवाएं प्रदान कीं। अनुचर शिवलाल मौर्या, निवासी जनपद सीधी (मध्य प्रदेश), का कुल 30 वर्ष 07 माह 24 दिवस का सेवाकाल रहा। उन्होंने जनपद सोनभद्र में अपनी सेवाएं प्रदान कीं। उक्त अवसर पर पुलिस लाइन चुर्क स्थित कांफ्रेंस हॉल में सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों के सम्मान में एक गरिमामय विदाई समारोह आयोजित किया गया। समारोह में अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) अनिल कुमार द्वारा सहभागिता करते हुए सेवानिवृत्त कार्मिकों को उपहार, स्मृति-चिह्न एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान किए गए तथा उनके स्वस्थ, सुखद एवं समृद्ध भविष्य की कामना करते हुए भावभीनी विदाई दी गई।

बेटियों को खेलों से सशक्त बनाने की पहल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उन्नाव। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के तहत बालिकाओं के गिरते लिंगानुपात में सुधार, कन्या भ्रूण हत्या की रोकथाम, बालिकाओं को शिक्षित करने तथा उन्हें शारीरिक एवं मानसिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से सोमवार को विकास भवन सभागार में कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिलाधिकारी घनश्याम मीना के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य विकास अधिकारी ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान जनपद के 13 कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों तथा नगरीय क्षेत्र के 19 प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों को विभिन्न प्रकार की खेल सामग्री वितरित की गई। बालिकाओं को बैडमिंटन, लूडो, शतरंज, फुटबॉल, वॉलीबॉल, बैट-बॉल, कैरम बोर्ड, जम्पिंग रोप, कैप एवं टी-शर्ट सहित अन्य सामग्री उपलब्ध कराई गई। अधिकारियों का मानना है कि खेल गतिविधियों के माध्यम से छात्राओं में शारीरिक फिटनेस के साथ आत्मविश्वास और मानसिक मजबूती भी विकसित होगी। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी ने छात्राओं से संवाद कर उनकी पढ़ाई, रुचियों और भविष्य के सपनों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने शिक्षिकाओं, वार्डन एवं प्रधानाचार्यों को छात्राओं की शिक्षा के साथ-साथ शारीरिक गतिविधियों पर भी विशेष ध्यान देने के लिए प्रेरित किया। जिला प्रोबेशन अधिकारी अभिषेक कुमार पाण्डेय ने बताया कि बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत जनपद में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा तथा अलग-अलग क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली बालिकाओं को सम्मानित भी किया जाएगा, ताकि बेटियां आगे बढ़कर जनपद, प्रदेश और देश का नाम रोशन कर सकें। कार्यक्रम में जिला प्रोबेशन अधिकारी, बेसिक शिक्षा अधिकारी, कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों एवं नगरीय क्षेत्र के विद्यालयों की वार्डन, शिक्षिकाएं व छात्राएं, जिला मिशन समन्वयक तथा डीएचईडब्ल्यू उन्नाव की टीम मौजूद रही।

पानी की छींटे पड़ने पर खूनी संघर्ष, बीच बचाव कर रहे युवक पर कुल्हाड़ी से हमला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उन्नाव। दही थाना क्षेत्र के सराय कटियार गांव में सोमवार को पानी की छींटे पड़ने को लेकर हुए विवाद में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक की पहचान सराय कटियार निवासी जितेंद्र यादव के रूप में हुई है। परिजनों ने उसे गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। परिजनों के अनुसार, गांव में कुछ लोग पुलिया पर बैठे थे। इसी दौरान वहां से गुजर रहे एक वाहन से पानी की छींटे उछलकर महेंद्र नामक व्यक्ति पर पड़ गईं। इसी बात को लेकर महेंद्र की वाहन सवार से बहस शुरू हो गई, जो जल्द ही मारपीट में बदल गई। इस विवाद के दौरान जितेंद्र यादव बीच-बचाव करने पहुंचे थे। वे दोनों पक्षों को समझाकर मामला शांत कराने का प्रयास कर रहे थे। आरोप है कि इसी दौरान नरेंद्र पाल पुत्र रघुनंदन और उसके साथ मौजूद सोनू व मोनू ने जितेंद्र पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। कुल्हाड़ी से हुए इस हमले के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने किसी तरह मामला शांत कराया और घायल जितेंद्र को तत्काल उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में चिकित्सकों ने उनकी गंभीर हालत को देखते हुए इलाज शुरू किया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। घायल जितेंद्र और उनके परिजनों ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस आरोपों की जांच करने के साथ ही विवाद की वास्तविक वजह और हमले में इस्तेमाल किए गए हथियार के संबंध में जानकारी जुटा रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि तहरीर और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कंदवा की नट बस्ती में उज्जवल पाठशाला का शुभारंभ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

वाराणसी/ उत्तर प्रदेश- उज्जवल किरण जनकल्याण ट्रस्ट की पहल उज्जवल पाठशाला के अंतर्गत कंदवा स्थित अमरा खैरा नट बस्ती में रविवार को नि:शुल्क शिक्षा कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बस्ती के बच्चों को शिक्षा से जोड़ना तथा उन्हें गुणवत्तापूर्ण नि:शुल्क शिक्षा उपलब्ध कराना है। कार्यक्रम के तहत बच्चों को नियमित रूप से नि:शुल्क शिक्षा दी जाएगी। इसमें Foundational Literacy and Numeracy (FLN) के माध्यम से बच्चों में पढ़ने, लिखने और गणित के बुनियादी ज्ञान एवं कौशल को विकसित करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। साथ ही, किसी कारणवश नियमित विद्यालयी शिक्षा से दूर हो चुके बच्चों को दोबारा शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़कर विद्यालय में प्रवेश एवं आगे की पढ़ाई जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लोक समिति के नंदलाल एवं सौहार्ट पीस सेंटर के फादर आनंद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों एवं उज्जवल किरण जनकल्याण ट्रस्ट के अध्यक्ष अरविंद कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम का संचालन अधिवक्ता अबू हाशमी ने किया। इस पहल में छ्व॥ स्ब्द्वह्लद्ध स्न्द्बश्ह्लद्बड्डह्य स्ष्द्धश्शद्य की प्रिंसिपल डॉ. अनीता डे, रोटरी क्लब वाराणसी साउथ, रु कोचिंग के बृजेश एवं अम्बर तथा होप रील्स प्रोडक्शन की ओर से सहयोग प्रदान किया जाएगा। इस सहयोग से बस्ती के बच्चों को नियमित रूप से नि:शुल्क शिक्षा उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी। इस अवसर पर फादर आनंद ने महात्मा ज्योतिबा फुले एवं सावित्रीबाई फुले के शिक्षा और सामाजिक सुधार के क्षेत्र में किए गए योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने बच्चों को उनके जीवन और संघर्ष से प्रेरणा लेकर नियमित रूप से शिक्षा प्राप्त करने तथा अपने भविष्य को बेहतर बनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में उज्जवल किरण जनकल्याण ट्रस्ट के सदस्यों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस अवसर पर अधिवक्ता अबू हाशमी, मौसमी राय, अशोक कुमार, किरण देवी सहित अन्य सामाजिक कार्यकर्ता एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

बड़ी सफलता, चोरी के मामले में 03 अभियुक्त गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र / उत्तर प्रदेश - पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) अनिल कुमार एवं क्षेत्राधिकारी नगर रणधीर मिश्रा के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक चोपन गोपाल जी गुप्ता के कुशल नेतृत्व में थाना चोपन पुलिस द्वारा चोरी की घटना का सफल अनावरण करते हुए 03 अभियुक्तों को गिरफ्तार तथा 02 बाल अपचारियों को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया है।अभियुक्तों के कब्जे से चोरी किया गया सामान भी बरामद किया गया है। थाना चोपन पर पंजीकृत मु0अ0सं0 336/2026 धारा 305(ई), 331(4) बीएनएस से सम्बन्धित चोरी की घटना, जो दिनांक 29/30.08.2026 की रात्रि में पीएसी कैम्प कनछ में घटित हुई थी, के सफल अनावरण हेतु थाना चोपन पुलिस द्वारा लगातार प्रयास एवं सुरागरसी-पतारसी की जा रही थी। इसी क्रम में दिनांक 31.08.2026 को प्रात: 07:20 बजे थाना चोपन पुलिस टीम द्वारा बैरिहवा मोड़ बस स्टैण्ड, सलखन से उक्त चोरी की घटना से सम्बन्धित 03 अभियुक्तों को गिरफ्तार एवं 02 बाल अपचारियों को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया।पुलिस द्वारा की गयी पूछताछ एवं अभियुक्तों की निशानदेही के आधार पर चोरी किये गये सामान को बरामद किया गया।

बरामदगी के आधार पर अभियोग में धारा 317(2), 324(4) बीएनएस की बढ़ोत्तरी करते हुए अभियुक्तगण के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्तगण का विवरण क्रमश : सुनील धरिकार उर्फ धाकड़ पुत्र कन्हई, निवासी ग्राम कनछ, थाना चोपन, जनपद सोनभद्र, वर्तमान पता बैरिहवा टोला, ग्राम सलखन, थाना चोपन, जनपद सोनभद्र, उम्र करीब 35 वर्ष ,गुड्डु धरिकार उर्फ गोलू* पुत्र नरायन धरिकार, निवासी ग्राम कनछ, थाना चोपन, जनपद सोनभद्र, उम्र करीब 40 वर्ष, मौसमी उर्फ मौसम पत्नी सुनील धरिकार उर्फ धाकड़, निवासी ग्राम कनछ, थाना चोपन, जनपद सोनभद्र, उम्र करीब 32 वर्ष एवंबाल अपचारी-एक बाल अपचारी, उम्र करीब 15 वर्ष, एक बाल अपचारी, उम्र करीब 17 वर्ष। गिरफ्तार अभियुक्तों के पास से 02 अदद बैटरी, 02 अदद इन्वर्टर (क्षतिग्रस्त), 01 अदद स्टेबलाइजर (क्षतिग्रस्त), 01 अदद टुल्लू पम्प बरामद किया गया। पंजीकृत अभियोग--मु0अ0सं0 336/2026 धारा 305(ई), 331(4), 317(2), 324(4) बीएनएस, थाना चोपन, जनपद सोनभद्र। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक चोपन गोपाल जी गुप्ता थाना चोपन सोनभद्र, उ0नि0 रामज्ञान सिंह यादव, का0 राहुल यादव, का0 शिवम सरोज , म0आरक्षी प्राची शुक्ला शामिल रहीं।

जुगैल पुलिस द्वारा फर्जी एवं कूटरचित अभिलेख तैयार कर वरासत का दावा करने वाला वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

सोनभद्र / उत्तर प्रदेश -पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) अनिल कुमार के पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी ओबरा प्रभात राय के कुशल निर्देशन में थाना जुगैल पुलिस टीम द्वारा फर्जी एवं कूटरचित अभिलेख तैयार कर स्व0 भजन की भूमि पर वरासत का दावा करने के मामले में वांछित अभियुक्त राम बच्चन पुत्र रामगुलाम, निवासी ग्राम गोठानी, थाना जुगैल, जनपद सोनभद्र को दिनांक 31.08.2026 को समय करीब 07:15 बजे उसके घर ग्राम गोठानी से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त द्वारा वर्ष 2014-15 में फर्जी आय, जाति एवं निवास प्रमाण-पत्र तैयार कर अभिलेखों में स्वयं को राम बच्चन पुत्र स्व0 भजन दर्ज कराते हुए स्व0 भजन का पुत्र होने का दावा कर उनकी भूमि पर वरासत हेतु न्यायालय में मुकदमा दाखिल किया गया था। अभियोग पंजीकृत किया गया।

रक्षाबंधन महोत्सव में अनुमति से दस गुना भीड़ के मामले में एस डी एम हटाए गए, डी एम ने की कार्रवाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उन्नाव। बीघापुर कोतवाली क्षेत्र के मानपुर मोड़ हाईवे पर रविवार को आयोजित रक्षाबंधन महोत्सव में अनुमति से कई गुना अधिक भीड़ जुटने के मामले में प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। भीड़ का पर्याप्त आकलन और व्यवस्थाओं में लापरवाही बरतने के आरोप में एसडीएम बीघापुर आनंद कुमार नायक को पद से हटा दिया गया है। जिलाधिकारी घनश्याम मीणा ने सोमवार को उनका तबादला करते हुए उन्हें एसडीएम न्यायिक बांगरमऊ बनाया है। वहीं, एसडीएम न्यायिक बांगरमऊ धर्मेंद्र कुमार सिंह को बीघापुर का नया एसडीएम नियुक्त किया गया है। 15 हजार की अनुमति, पहुंच गई कई गुना भीड़ मामला हाईवे स्थित मानपुर मोड़ पर पुष्प फाउंडेशन की ओर से आयोजित रक्षाबंधन महोत्सव का है। प्रशासन ने आयोजकों को 15 हजार महिलाओं की भीड़ जुटाने की अनुमति दी थी। कार्यक्रम शुरू होते ही महिलाओं की संख्या तेजी से बढ़ने लगी और देखते ही देखते अनुमति से कई गुना अधिक भीड़ कार्यक्रम स्थल पर पहुंच गई। बड़ी संख्या में महिलाओं के पहुंचने से कार्यक्रम स्थल के साथ हाईवे और आसपास के क्षेत्र में भी भीड़ का दबाव बढ़ गया। इससे भगदड़ की आशंका पैदा हो गई। स्थिति की जानकारी मिलते ही जिला प्रशासन सक्रिय हो गया। डीएम-एस पी ने मौके पर पहुंचकर संभाली स्थिति सूचना मिलने पर जिलाधिकारी घनश्याम मीणा और पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश सिंह पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने आयोजकों से कार्यक्रम तत्काल समाप्त कराने और महिलाओं से सुरक्षित तरीके से घर लौटने की अपील करने को कहा। प्रशासन ने उपहार वितरण पर भी रोक लगा दी, क्योंकि इसके लिए आयोजकों की ओर से अनुमति नहीं ली गई थी। कार्यक्रम करीब एक घंटे ही चल सका। इसके बाद पुलिस और प्रशासनिक टीम ने महिलाओं को व्यवस्थित तरीके से कार्यक्रम स्थल से बाहर निकालना शुरू किया। पांच घंटे तक चला भीड़ हटाने का अभियान कार्यक्रम स्थल से भीड़ को पूरी तरह हटाने और महिलाओं को सुरक्षित घर भेजने में पुलिस एवं प्रशासनिक टीम को करीब पांच घंटे तक मशक्कत करनी पड़ी। इस दौरान अधिकारी लगातार मौके पर मौजूद रहे और भीड़ को नियंत्रित करते हुए किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के प्रयास में जुटे रहे। भीड़ के आकलन में लापरवाही का आरोप प्रशासनिक जांच और मौके की स्थिति को देखते हुए एसडीएम बीघापुर पर कार्यक्रम में संभावित भीड़ का पर्याप्त आकलन नहीं करने और व्यवस्थाओं में लापरवाही बरतने का आरोप लगा। इसी आधार पर जिलाधिकारी ने उनके कार्यक्षेत्र में बदलाव किया। पुष्प फाउंडेशन के मुख्य कर्ताधर्ता पुष्पेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि रक्षाबंधन महोत्सव सर्वधर्म समभाव के उद्देश्य से आयोजित किया जाता है। प्रशासन की अपील के बाद उन्होंने कार्यक्रम में पहुंची महिलाओं से घर लौटने का आग्रह किया।

परिषदीय विद्यालयों में 'मेधावी छात्र चयन परीक्षा' का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र/उत्तर प्रदेश - जिलाधिकारी चर्चित गौड़ के निर्देशन में जनपद सोनभद्र के परिषदीय विद्यालयों में छात्र-छात्राओं की शैक्षिक प्रतिभा को पहचानने एवं उनमें प्रतिस्पर्धात्मक भावना विकसित करने के उद्देश्य से बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा 'मेधावी छात्र चयन परीक्षा-अगस्त 2026' का आयोजन किया जा रहा है। परीक्षा के माध्यम से कक्षा 3, 5, 6 एवं 8 के मेधावी छात्र-छात्राओं का चयन किया जा रहा है। वर्तमान में विद्यालय एवं संकुल स्तर पर परीक्षा एवं मूल्यांकन की प्रक्रिया संचालित है। विद्यालय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रथम तीन स्थान प्राप्त छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया जा रहा है। इसके माध्यम से विद्यार्थियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित करने के साथ-साथ उनकी प्रतिभा को उचित मंच प्रदान किया जा रहा है। विभागीय कार्ययोजना के अनुसार विद्यालय स्तर पर चयनित मेधावी छात्र-छात्राओं के पश्चात संकुल स्तर पर श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों का चयन किया जाएगा। संकुल स्तर पर चयनित मेधावी छात्र आगामी ब्लॉक स्तरीय परीक्षा/प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे। इसके बाद ब्लॉक स्तर पर चयनित छात्र-छात्राएं 9 सितम्बर 2026 को आयोजित होने वाली जनपद स्तरीय मुख्य परीक्षा में प्रतिभाग कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

जनता दर्शन में डीएम ने सुनीं फरियादियों की समस्याएं

उन्नाव। जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने सोमवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित जनता दर्शन में जनपद के दूर-दराज क्षेत्रों से पहुंचे फरियादियों की समस्याएं एवं शिकायतें गंभीरता से सुनीं। डीएम ने संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही फोन कर शिकायतों का समयबद्ध, त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि जनसमस्याओं के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर लेते हुए नियमानुसार प्रभावी कार्रवाई करें, ताकि फरियादियों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

उद्योग बंधु एवं व्यापारी बंधु की बैठक में जिलाधिकारी ने बैंकर्स को दिए आवश्यक दिशा निर्देश

मुयमंत्री युवा उद्यमी योजना की पत्रावलियों का अनावश्यक आपीयां लगाकर न करें निरस्तीकरण- जिलाधिकारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र / उत्तर प्रदेश - जिलाधिकारी चर्चित गौड़ की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में उद्योग बंधु एवं व्यापारी बंधु की बैठक आयोजित की गई। बैठक में उद्यमियों एवं व्यापारियों से संबंधित विभिन्न समस्याओं, शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन तथा बैंक स्तर पर लंबित पत्रावलियों के निस्तारण की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों एवं बैंकर्स को निर्देशित किया कि उद्यमियों एवं व्यापारियों को शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा लंबित प्रकरणों का निर्धारित समय-सीमा में निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। बैठक में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के अंतर्गत बैंकों में लंबित पत्रावलियों के निस्तारण की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने बैंकर्स एवं एलडीएम को कड़े निर्देश दिए कि लाभार्थियों की पत्रावलियों पर अनावश्यक रूप से आपत्तियां लगाकर उन्हें निरस्त न किया जाए। उन्होंने कहा कि यदि किसी पत्रावली में कमी है तो लाभार्थी को अवगत कराते हुए आवश्यक सुधार की कार्रवाई कराई जाए, लेकिन बिना उचित कारण के पत्रावलियों को निरस्त करने की शिकायत प्राप्त नहीं होनी चाहिए। जिलाधिकारी ने इस संबंध में कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना मुख्यमंत्री जी की प्राथमिकता वाली योजना है। योजना के क्रियान्वयन में किसी भी स्तर पर शिथिलता अथवा लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने बैंकर्स एवं एलडीएम को स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि यदि बिना उचित कारण के लाभार्थियों की पत्रावलियां निरस्त किए जाने की शिकायत प्राप्त होती है तो संबंधित बैंकर्स के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी तथा प्रकरण में उच्च स्तर पर भी पत्राचार किया जाएगा। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित बैंकर्स को निर्देशित किया कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना से संबंधित बैनर एवं पोस्टर सभी बैंक शाखाओं में प्रमुख स्थानों पर प्रदर्शित किए जाएं, ताकि अधिक से अधिक युवा इस योजना के संबंध में जानकारी प्राप्त कर सकें और पात्र लाभार्थियों को योजना का लाभ मिल सके। बैठक में जीएसटी विभाग के अधिकारी द्वारा व्यापारियों के लिए उपलब्ध बीमा सुविधा की जानकारी देते हुए बताया गया कि जीएसटी में पंजीकृत व्यापारियों को 10 लाख रुपये तक के बीमा का प्रावधान है। पंजीकृत व्यापारी के साथ दुर्घटना अथवा मृत्यु की स्थिति में नियमानुसार बीमा कंपनी द्वारा 10 लाख रुपये तक की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है। जिलाधिकारी ने जीएसटी विभाग के अधिकारी को निर्देशित किया कि उक्त सुविधा का व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार कराया जाए। योजना से लाभान्वित होने वाले पात्र लाभार्थियों को चेक वितरण का कार्यक्रम माननीय जनप्रतिनिधिगण के माध्यम से कराया जाए, जिससे अधिक से अधिक लोगों को योजना की जानकारी प्राप्त हो सके।

चुनाव की तैयारियों में जुटी सपा, कल से बूथ स्तर पर शुरू होगा प्रचार: अखिलेश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि विधानसभा चुनाव में अब ज्यादा समय नहीं बचा है। पार्टी बुधवार से बूथ स्तर पर प्रचार अभियान शुरू करेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार, अन्याय और अत्याचार चरम पर है। सपा के सभी जिलाध्यक्ष अगले दो सप्ताह में अपने-अपने जिलों में सरकार के भ्रष्टाचार और कथित अन्याय को जनता के सामने उजागर करेंगे। सोमवार को सपा प्रदेश कार्यालय में जिला एवं महानगर अध्यक्षों तथा बूथ स्तर पर काम कर रहे पदाधिकारियों की बैठक के बाद पत्रकार वार्ता में अखिलेश यादव ने मतदाता सूची को लेकर भी सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने दावा किया कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के बाद भी फार्म-7 भराए जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव से पहले वार्षिक पुनरीक्षण के नाम पर भाजपा अपने पक्ष में मतदाताओं को जोड़ने का प्रयास कर सकती है। उन्होंने इसे उत्तर प्रदेश में बड़ा षड्यंत्र बताया। अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक वर्गों के साथ भेदभाव का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पुलिस व्यवस्था में भी इन वर्गों के साथ कथित तौर पर भेदभाव किया जा रहा है। पुलिस हिरासत में मौत और कथित फर्जी मुठभेड़ों का मुद्दा उठाते हुए उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में हुई सभी फर्जी मुठभेड़ों की जांच कराई जाएगी। उन्होंने बदायूं और वाराणसी की घटनाओं का जिक्र करते हुए सरकार की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए। बदायूं में 28 वर्षीय राजेश कोरी की पुलिस हिरासत में मौत का उल्लेख करते हुए उन्होंने पुलिस के दावों पर भी सवाल खड़े किए। अखिलेश ने कहा कि पुलिस हिरासत में होने वाली मौतों को अक्सर हृदयाघात बताया जाता है और इन मामलों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। सपा अध्यक्ष ने सोशल मीडिया पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के जरिए उनके खिलाफ बनाए जा रहे वीडियो को लेकर भी भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राजनीति में इस तरह के वीडियो बनाना उचित नहीं है। उन्होंने दावा किया कि समाजवादी पार्टी भी तकनीक के इस्तेमाल में पीछे नहीं है, लेकिन पार्टी कार्यकर्ताओं से किसी के खिलाफ आपत्तिजनक वीडियो नहीं बनाने को कहा गया है। अखिलेश ने कहा कि समाजवादी सरकार ने पहले ही छात्रों को लैपटॉप उपलब्ध कराए थे और भविष्य में भी बदलती तकनीक के अनुसार छात्रों की मदद के लिए फैसले लिए जाएंगे। अखिलेश यादव ने महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार को लेकर भी भाजपा सरकार पर हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार सरकारी संपत्तियों को बेच रही है और विभिन्न परियोजनाओं में भ्रष्टाचार तथा कमीशनखोरी हो रही है। उन्होंने जेपीएनआईसी, छतर मंजिल, किसान बाजार, बस अड्डे और अन्य संपत्तियों का उल्लेख करते हुए सरकार से जवाब मांगा। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार का विकास मॉडल कथित तौर पर कमीशनखोरी और सरकारी संपत्तियों के निजीकरण पर आधारित है।

पुलिस ने महमूदाबाद से गुमशुदा हुईं 4 बालिकाओं और युवतियों को किया बरामद

महमूदाबाद-सीतापुर। जनपद के महमूदबाद क्षेत्र से एक साथ लापता हुई चार बालिकाओं और युवतियों को स्थानीय पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मात्र 72 घंटे के भीतर सकुशल बरामद कर लिया है। पुलिस अधीक्षक सीतापुर द्वारा इस प्रकरण में बालिकाओं की शीघ्र एवं सुरक्षित बरामदगी के कड़े निर्देश दिए गए थे, जिसके अनुपालन में पुलिस टीम ने यह सफलता हासिल की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिनांक 27 अगस्त 2026 को थाना महमूदबाद क्षेत्र के एक स्थानीय निवासी द्वारा पुलिस को सूचना दी गई थी कि उनके परिवार और पड़ोस की चार बालिकाएं एवं युवतियां जिनकी आयु क्रमशः 14, 15, 16 और 22 वर्ष है शाम को घर से निकली थीं और देर शाम तक वापस नहीं लौटीं। परिजनों की तहरीर के आधार पर तत्काल थाना महमूदबाद में अज्ञात के विरुद्ध मु0अ0सं0 334/2026, धारा 137(2) बीएनएस (BNS) के तहत मामला पंजीकृत किया गया था। पुलिस टीमों द्वारा लगातार सघन प्रयासों के बाद चारों बालिकाओं को सकुशल ढूंढ निकाला गया। प्रारंभिक पूछताछ और पुलिस के समक्ष दिए गए बयानों से यह स्पष्ट हुआ कि वे सभी अपनी स्वेच्छा से आर्थिक आत्मनिर्भरता के उद्देश्य से घर से निकली थीं।

सवर्ण आर्मी ने राष्ट्रपति के नाम एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महमूदाबाद/सीतापुर। सामान्य वर्ग की विभिन्न समस्याओं और मांगों को लेकर सवर्ण आर्मी की ओर से राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन महमूदाबाद के उपजिलाधिकारी के माध्यम से सौंपा गया। ज्ञापन में जातिगत आधार पर आरक्षण व्यवस्था समाप्त कर आर्थिक आधार पर आरक्षण लागू करने समेत कई मांगें उठाई गई हैं। ज्ञापन में कहा गया है कि देश आजाद होने के बाद से आरक्षण व्यवस्था जाति के आधार पर चली आ रही है। संगठन का कहना है कि सामान्य वर्ग में भी बड़ी संख्या में लोग गरीबी और बदहाली की स्थिति में जीवन यापन कर रहे हैं। ऐसे में आर्थिक रूप से कमजोर सामान्य वर्ग के लोगों को भी सरकारी व्यवस्थाओं में उचित अवसर मिलना चाहिए। ज्ञापन के माध्यम से जातिगत आरक्षण समाप्त कर आर्थिक आधार पर आरक्षण लागू करने की मांग की गई है। साथ ही एससी/एसटी एक्ट को समाप्त करने अथवा उसमें आवश्यक सुधार किए जाने, यूजीसी रेगुलेशन एक्ट 2026 को वापस लेने तथा राष्ट्रीय सवर्ण आयोग का गठन करने की मांग भी उठाई गई। संगठन ने अपने ज्ञापन में आरोप लगाया कि एससी/एसटी एक्ट का उपयोग कई मामलों में धन उगाही के उद्देश्य से किया जा रहा है। संगठन ने इस व्यवस्था में सुधार अथवा इसे समाप्त किए जाने की मांग की है। ज्ञापन में यह भी कहा गया कि सामान्य वर्ग के हितों और समस्याओं के समाधान के लिए एक राष्ट्रीय सवर्ण आयोग का गठन किया जाना चाहिए, जिससे सामान्य वर्ग से जुड़े मुद्दों को उचित मंच मिल सके।

ज्ञापन के अंत में संगठन ने राष्ट्रपति से मांगों पर संज्ञान लेकर उचित कार्रवाई के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करने की अपील की। ज्ञापन पर सवर्ण आर्मी के प्रदेश सचिव अमित मिश्रा का नाम दर्ज है।

विमुक्ति दिवस पर निषाद पार्टी ने सौंपा ज्ञापन, एससी आरक्षण और मंझवार दर्ज करने की उठाई मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां -सीतापुर। विमुक्ति दिवस (31 अगस्त) के अवसर पर निषाद पार्टी एवं निषाद वंश समाज के कार्यकर्ताओं व प्रतिनिधियों ने तहसील प्रशासन के माध्यम से देश के प्रधानमंत्री, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री, गृह मंत्री तथा राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग को संबोधित ज्ञापन तहसीलदार अनिल कुमार राम को सौंपा। ज्ञापन में मांग की गई कि अंग्रेजों के 1871 के क्रिमिनल ट्राइब्स एक्ट से 31 अगस्त 1952 को आजाद हुई विमुक्त जनजातियों की उपजातियों केवट, मल्लाह, निषाद, बिन्द, कश्यप, तुरैहा, माझी व रैकवार को अन्य राज्यों की तर्ज पर उत्तर प्रदेश में भी अनुसूचित जाति की सूची में शामिल किया जाए। इसके अलावा, आगामी जातिगत जनगणना में निषाद वंश की सभी पर्यायवाची जातियों का नाम 'मंझवार' कॉलम के तहत ब्रैकेट में विमुक्त जनजाति अंकित करने की पुरजोर अपील की गई, ताकि समाज की सटीक जनसंख्या का ब्योरा सामने आ सके। ज्ञापन में संविधान समीक्षा आयोग (जस्टिस वेंकटचलैया समिति) की सिफारिशों के अनुरूप महाराष्ट्र और पंजाब की भांति शिक्षा, सरकारी नौकरियों तथा राजनीति में आरक्षण व पेंशन सुविधाएं लागू करने और 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में शहीद हुए निषाद समाज के वीर शहीदों के गांवों को 'आदर्श शहीद गांव घोषित कर परिजनों को स्वतंत्रता सेनानी का सम्मान देने की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई। इस दौरान जुगुल किशोर,मोहित कश्यप,मुन्ना कश्यप,नितिन कुमार,रोहित कुमार,रामलखन, सहित समाज के काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

महमूदाबाद में मामूली विवाद ने लिया खूनी रूप

मारपीट के बाद 50 वर्षीय महिला की संदिग्ध मौत, परिजनों ने लगाया हत्या का गंभीर आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महमूदाबाद-सीतापुर। थाना महमूदाबाद क्षेत्र के अगैया गांव में एक मामूली बात को लेकर उपजा विवाद इतना बढ़ गया कि करीब 50 वर्षीय महिला दुलारी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। इस घटना के बाद पूरे गांव में सनसनी फैल गई है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतका के परिवार ने गांव के ही कुछ लोगों पर लाठी-डंडों से पीट-पीटकर हत्या करने का गंभीर आरोप लगाया है। मामूली बात से शुरू हुआ विवाद प्राप्त जानकारी के अनुसार, विवाद की शुरुआत तब हुई जब गांव में एक महिला पैरों का इलाज कराने आई थी। इसी दौरान किसी बात को लेकर कहासुनी शुरू हो गई। मृतका के नाती राजन और अन्य परिजनों का आरोप है कि बात बढ़ने पर कुछ लोगों ने बीच-बचाव करने पहुंची 50 वर्षीय दुलारी के साथ जमकर मारपीट की। हमलावरों ने लाठी-डंडों से बेरहमी से वार किया, जिससे महिला गंभीर रूप से घायल हो गई।

अस्पताल में डॉक्टरों ने किया मृत घोषित

परिजनों द्वारा तुरंत घायल महिला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) महमूदाबाद लाया गया, जहां जांच के बाद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल पहुंचते ही परिजनों में कोहराम मच गया। मृतका के नाती राजन ने बताया कि हमलावरों ने न केवल उनकी नानी पर हमला किया, बल्कि बचाने आए अन्य लोगों को भी नहीं बख्शा। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि सभी आरोपियों के खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए।

पुलिस कार्रवाई और जांच शुरू

घटना की सूचना मिलते ही थाना महमूदाबाद पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला। पुलिस ने शव को कजे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई शुरू कर दी है तथा पोस्टमार्टम के लिए सीतापुर भेजने की तैयारी की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि परिजनों की तहरीर पर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के असली कारणों का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल पुलिस गांव में स्थिति पर नजर बनाए हुए है और आरोपियों की तलाश में जुटी है।

दरगाह बड़े मखदूम साहब में तीन दिवसीय 526 वां उर्स सम्पन्न

हमे अपने बुजुर्गों की शिक्षा और उनके उपदेशों पर कड़ाई से पालन करना चाहिए:-शोएब मियां ,सज्जादानशीन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खैराबाद। सीतापुर स्थानीय दरगाह आलिया सादिया में हज़रत बड़े मखदूम साहब का तीन दिवसीय 526 वा उर्स कल अंतिम फतेहा के बाद देर रात में समाप्त हो गया। दिन में कुल शरीफ़ के समय उपस्थित जनसमुदाय को सम्बोधित करते हुए सज्जादा नशीन नजमुल हसन शोएब मियां ने कहा कि आज हमने अल्लाह और उसके रसूल सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की शिक्षा और उनके आदेशों उपदेशों को पूरी तरह से भुला दिया है इसी वजह से हम परेशान हैं हम नमाज़ से कोसों दूर होते जा रहे हैं हमें नमाज़ की पाबन्दी अनिवार्य रूप से करना चाहिए,औलिया अल्लाह से सच्ची मोहब्बत करें तभी कामियाबी हासिल होगी।इसके पश्चात सज्जादा नशीन के सुपुत्र मौलाना हसन साकिब तय्यब उस्मानी ने मुल्क में अमन शान्ति की दुआ की।इससे पूर्व दो बजे बड़े मखदूम साहब की हस्त लिखित पुस्तक मजमूउस सुलूक जो फारसी लिपि में थे उसका अनुवाद उर्दू भाषा में किया गया उसके दूसरे भाग का विमोचन भी किया गया पहले भाग का विमोचन 2016 में किया जा चुका हैइस तीन दिवसीय उर्स में पूरे जनपद से आए तमाम श्रद्धालुओं ने शिरकत किया, समापन अवसर पर उपस्थित सज्जाद गान में सैय्यद आतिफ़ अली दानिशी , राशिद अली मीनाई , समदी फारूकी,अफ़ज़ाल फ़ारूक़ी, हाजी सैय्यद फुरकान वहीद हाशमी, सैय्यद मदनी मियां,सैय्यद ग़यास मियां,एज़ाज़ हसन खान एडवोकेट,सैय्यद तरीक़ अहमद किरमानी, सैय्यद लईक अहमद किरमानी, सैय्यद शोएब अलीम बक़ाई गोंडा,सैय्यद हिलाल मुजीबी सैय्यद लारेब अल्वी मुश्ताक़ अहमद मुश्शन मियां खीरी, शारिक सफ़वी, मुतवल्ली डॉ सैय्यद आसिफ़ अली रहीमाबाद,तथा दरगाह कमेटी के अध्यक्ष हाजी सैय्यद आमिर रिज़वी, सेक्रेटरी जावेद मुस्तफा टीटू खान,इस्तेफ़ा अली खां ,हाजी साद फारूकी, सैय्यद मोईन अलवी के अलावा सैय्यद नवेद असलम हाशमी, सैय्यद मुजफ्फर अली,डॉक्टर कामिल सिद्दीकी, सैय्यद रफ़ी बकाई,सैय्यद फरज़ान हाशमी,सैय्यद फरहान मियां,सैय्यद फरमान मियां,सैय्यद जुगनू किरमानी, अवासफ अहमद ,सिराजुल हसन,हाजी सैय्यद इश्तियाक अली वारसी, शाहिद मोल्हे, जलीस खान,क़ारी इस्लाम अहमद आरफ़ी,सैय्यद तौहीद रिज़वी,समर अहमद,अतीक अहमद, आदि उपस्थित रहे अंत मे शोएब मियां ने सभी हाज़रीन का शुक्रिया अदा किया।

उसके रसूल सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की शिक्षा और उनके आदेशों उपदेशों को पूरी तरह से भुला दिया है इसी वजह से हम परेशान हैं हम नमाज़ से कोसों दूर होते जा रहे हैं हमें नमाज़ की पाबन्दी अनिवार्य रूप से करना चाहिए,औलिया अल्लाह से सच्ची मोहबत करें तभी कामियाबी हासिल होगी।इसके पश्चात सज्जादा नशीन के सुपुत्र मौलाना हसन साकिब तय्यब उस्मानी ने मुल्क में अमन शान्ति की दुआ की।इससे पूर्व दो बजे बड़े मखदूम साहब की हस्त लिखित पुस्तक मजमूउस सुलूक जो फारसी लिपि में थे उसका अनुवाद उर्दू भाषा में किया गया उसके दूसरे भाग का विमोचन भी किया गया पहले भाग का विमोचन 2016 में किया जा चुका है

युवा संवाद में गूंजा 'मिशन एमएलसी', भाजपा ने बूथ स्तर पर जीत की बनाई रणनीति

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज। भारतीय जनता पार्टी की ओर से सोमवार को मोहनलालगंज ब्लॉक में युवा संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं, युवाओं और स्थानीय पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया। मुख्य अतिथि लखनऊ खंड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के एमएलसी इं. अवनीश कुमार सिंह ने युवाओं से संवाद कर उन्हें संगठन और देश के विकास में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। एमएलसी ने कहा कि युवा देश की सबसे बड़ी ताकत हैं। विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में युवाओं की भूमिका निर्णायक है। उन्होंने केंद्र और प्रदेश सरकार की युवा हितैषी योजनाओं और रोजगारपरक कार्यक्रमों की जानकारी युवाओं तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भाजपा संगठन युवाओं को नेतृत्व और सेवा के अधिक अवसर देने के लिए लगातार काम कर रहा है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से सरकार की उपलब्धियों और जनकल्याणकारी योजनाओं को गांव-गांव और युवाओं तक पहुंचाने की अपील की। साथ ही आगामी एमएलसी चुनाव को लेकर संगठनात्मक तैयारियों में तेजी लाने पर जोर दिया। मंडल अध्यक्ष रुद्र प्रताप सिंह 'मोनू' ने कहा कि संगठन की असली ताकत बूथ स्तर पर होती है। कार्यकर्ता प्रत्येक बूथ पर सक्रियता बढ़ाएं, नए लोगों को संगठन से जोड़ें और मतदाता संपर्क अभियान को प्रभावी बनाएं। कार्यक्रम के समापन सत्र में आगामी एमएलसी चुनाव की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा हुई। नए स्नातक मतदाताओं को जोड़ने, मतदाता सूची को मजबूत करने और बूथ स्तर पर संगठन को सक्रिय करने की रणनीति बनाई गई। कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक स्नातक मतदाताओं से संपर्क स्थापित करने और चुनावी तैयारियों में अभी से जुटने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम में भाजपा जिला उपाध्यक्ष राज कुमार वर्मा, डॉ. पुष्पेंद्र पासी, पूर्व ब्लॉक प्रमुख नितिन जायसवाल, व्यापार मंडल अध्यक्ष निगोहां सुरेंद्र दीक्षित, मंडल महामंत्री मदन मोहन मिश्रा, शिक्षा मित्र संघ ब्लॉक अध्यक्ष प्रदीप सिंह, एडवोकेट सुशील रावत और मंडल मीडिया सह-प्रभारी विजय चन्द्र तिवारी समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और युवा मौजूद रहे। कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं में आगामी एमएलसी चुनाव को लेकर उत्साह दिखा। पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत कर चुनाव में जीत का लक्ष्य हासिल करने का संकल्प लिया।

पुरानी रंजिश में युवक व परिजनों पर लाठी-डंडों से हमला, तीन पर मुकदमा

.........कुल्हाड़ी और फरसे से मारपीट का आरोप, गाली-गलौज के बाद जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप ।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

निगोहां। निगोहां थाना क्षेत्र के शेखनखेड़ा मजरा उतरांवा गांव में सोमवार शाम पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। आरोप है कि विपक्षी पक्ष ने युवक, उसकी मां और भाई पर लाठी-डंडों के साथ कुल्हाड़ी व फरसे से हमला कर दिया। मारपीट में पीड़ित पक्ष ने गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया है। गांव निवासी सत्यम पुत्र भंवरेश्वर ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि पुरानी रंजिश को लेकर हुए विवाद में अजीत पुत्र नन्दलाल, अशिका पुत्र सुनील और सुनील की पत्नी ने उसके साथ मारपीट की। बीच-बचाव करने पहुंची उसकी मां और भाई शिवा के साथ भी आरोपियों ने मारपीट की। पीड़ित का आरोप है कि हमले में लाठी-डंडों के अलावा कुल्हाड़ी और फरसे का इस्तेमाल किया गया। इसके बाद आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी भी दी। निगोहां पुलिस ने तहरीर के आधार पर तीनों आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक मामले में अभी किसी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

तहसील के पास भरभराकर गिरा विशाल यूकेलिप्टस का पेड़, बिजली लाइन टूटी—बाइक सवार दबकर घायल

........पेड़ की चपेट में ठेला, गुमटी, झोपड़ी और कई वाहन क्षतिग्रस्त; तारों से निकलीं चिंगारियां, बिजली आपूर्ति बंद कर टाला बड़ा हादसा ।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज। मोहनलालगंज तहसील के पास रेलवे क्रॉसिंग पर सोमवार शाम अचानक विशाल यूकेलिप्टस का पेड़ भरभराकर सड़क और आसपास की दुकानों पर जा गिरा। पेड़ की चपेट में आने से बिजली की लाइन भी टूटकर दुकानों के ऊपर गिर गई। तारों से चिंगारियां निकलने लगीं, जिससे मौके पर भगदड़ मच गई। सूचना पर बिजली विभाग ने आनन-फानन आपूर्ति बंद कराई, जिससे बड़ा हादसा टल गया। हादसे के दौरान तहसील से लौट रहे समेसी निवासी रामतीर्थ शर्मा बाइक समेत पेड़ के नीचे दब गए। आसपास मौजूद लोगों ने किसी तरह उन्हें बाहर निकाला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा, जहां उनका इलाज कराया गया। हादसे में उनकी बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गई। पेड़ गिरने से रेलवे क्रॉसिंग के पास केला बेच रहे मऊ निवासी धर्मेंद्र का ठेला भी चपेट में आ गया। पेड़ गिरता देख धर्मेंद्र ने किसी तरह भागकर जान बचाई। वहीं मऊ निवासी मोटरसाइकिल मैकेनिक इशरत की गुमटी पेड़ के नीचे दबकर क्षतिग्रस्त हो गई। गुमटी के पास खड़ी एक बाइक भी पेड़ की चपेट में आने से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। इसके अलावा चिनहट निवासी टेम्पो मैकेनिक की झोपड़ी के नीचे चल रही दुकान को भी नुकसान पहुंचा। पेड़ के नीचे दबने से उनकी स्कूटी क्षतिग्रस्त हो गई। अचानक हुए हादसे के बाद मौके पर काफी देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

तारों में चिंगारी देख सहमे लोग

पेड़ के साथ बिजली लाइन टूटकर दुकानों के ऊपर गिरने के बाद तारों से चिंगारियां निकलने लगीं। इससे आसपास मौजूद दुकानदार और राहगीर दहशत में आ गए। बिजली विभाग ने तत्काल सप्लाई बंद कर दी। लोगों का कहना था कि समय रहते बिजली आपूर्ति बंद नहीं की जाती तो पेड़ के नीचे दबे घायल और आसपास मौजूद लोगों की जान खतरे में पड़ सकती थी। पुलिस और बिजली विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर स्थिति संभाली।

संपादकीय

नेपाल की बाढ़ से लेनी होगी सीख

नेपाल में आई भीषण बाढ़ और उससे हुई तबाही ने एक बार फिर हिमालयी क्षेत्रों में बढ़ते आपदा जोखिम, अनियोजित निर्माण और कमजोर आपदा-पूर्व चेतावनी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यह त्रासदी केवल नेपाल के लिए चेतावनी नहीं है, बल्कि भारत के हिमालयी राज्यों के लिए भी एक बड़ा सबक है। खासकर उत्तराखंड जैसे भौगोलिक रूप से संवेदनशील राज्यों में यह समझना जरूरी है कि प्राकृतिक आपदाओं को पूरी तरह रोकना संभव नहीं है, लेकिन वैज्ञानिक निगरानी, बेहतर नियोजन और समय रहते लोगों को जागरूक कर नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) राज्यों के साथ मिलकर हिमालय क्षेत्र की ग्लेशियर झीलों में अर्ली वार्निंग सिस्टम स्थापित करने की दिशा में काम कर रहा है। उत्तराखंड क्षेत्र में भी इस दिशा में विभिन्न परियोजनाओं पर काम प्रस्तावित है। हालांकि, हिमालय जैसे जटिल और दुर्गम क्षेत्र में ग्लेशियर टूटने अथवा ग्लेशियर झीलों के अचानक फटने की सटीक भविष्यवाणी करना आज भी बड़ी चुनौती है। ग्लेशियरों से जुड़ी आपदाओं की निगरानी सामान्य प्राकृतिक घटनाओं की तुलना में कहीं अधिक कठिन है। उदाहरण के लिए भूकंप के बाद सुनामी की संभावना का अनुमान अपेक्षाकृत स्पष्ट संकेतों के आधार पर लगाया जा सकता है, लेकिन हिमालय में ग्लेशियरों और ग्लेशियर झीलों की स्थिति लगातार बदलती रहती है। ऊंचाई, मौसम, तापमान, बर्फबारी और भौगोलिक संरचना जैसे अनेक कारक इन बदलावों को प्रभावित करते हैं। हिमालय क्षेत्र में हजारों ग्लेशियर मौजूद हैं। इतनी बड़ी संख्या में ग्लेशियरों की लगातार निगरानी करना और यह पहले से निर्धारित कर पाना कि किस स्थान पर कब कोई बड़ी घटना घट सकती है, बेहद कठिन कार्य है। इसके अलावा कई क्षेत्र इतने दुर्गम हैं कि वहां मानव पहुंच भी सीमित है। ऐसे में केवल पारंपरिक निगरानी व्यवस्था के भरोसे आपदा का प्रभावी पूर्वानुमान लगाना आसान नहीं है। अर्ली वार्निंग सिस्टम निश्चित रूप से आपदा प्रबंधन का महत्वपूर्ण हिस्सा है, लेकिन इसे ही पूरी व्यवस्था का समाधान मानना उचित नहीं होगा। उत्तराखंड में पिछले वर्षो के दौरान हुई घटनाएं इस बात का उदाहरण हैं कि प्राकृतिक आपदाएं कई बार ऐसे स्थानों पर भी सामने आ जाती हैं, जिनकी पहले से कल्पना करना मुश्किल होता है। केदारनाथ क्षेत्र की त्रासदी के बाद जब निगरानी और आपदा प्रबंधन को लेकर विशेष ध्यान दिया गया, उसके बाद ऋषिगंगा क्षेत्र में अचानक आई बाढ़ जैसी घटना ने यह स्पष्ट कर दिया कि हिमालय में खतरे का स्वरूप कितना अप्रत्याशित हो सकता है। इसके बाद धराली और अन्य क्षेत्रों में हुई घटनाओं ने भी यही संकेत दिया कि केवल किसी एक घाटी या क्षेत्र पर निगरानी केंद्रित करने से पूरे हिमालयी क्षेत्र को सुरक्षित नहीं किया जा सकता। एक घाटी में भी कई छोटे-छोटे जलमार्ग और चैनल होते हैं। भारी बारिश या अचानक ग्लेशियर झील के टूटने की स्थिति में पानी इनमें से किसी भी मार्ग को अपना सकता है। इसलिए चुनौती सिर्फ यह पता लगाने की नहीं है कि निगरानी तंत्र कहां लगाया जाए, बल्कि यह भी है कि संभावित खतरे वाले पूरे क्षेत्र को किस तरह सुरक्षित बनाया जाए। ऐसे में आपदा प्रबंधन की रणनीति में तकनीक के साथ जनजागरूकता को भी बराबर महत्व देना होगा। लोगों को यह समझाना होगा कि पर्वतीय क्षेत्रों में घर, होटल, होम स्टे और अन्य निर्माण कहां किए जा सकते हैं और किन स्थानों पर निर्माण पूरी तरह प्रतिबंधित होना चाहिए। नेपाल की त्रासदी हमें सबसे बड़ा सबक यही देती है कि बस्तियों की बसावट और विकास का स्वरूप प्राकृतिक परिस्थितियों के अनुरूप होना चाहिए। नदी के किनारे या उसके संभावित डूब क्षेत्र में बहुमंजिला भवन खड़े करना भविष्य में बड़े खतरे को आमंत्रित कर सकता है। नदी आज जिस स्थान से बह रही है, जरूरी नहीं कि अत्यधिक बारिश या बाढ़ की स्थिति में उसका प्रवाह उसी सीमा तक सीमित रहे। यदि हम पहाड़ों में रहने वाली पुरानी पीढ़ियों की जीवनशैली को देखें तो उनके अनुभव में प्राकृतिक परिस्थितियों की गहरी समझ दिखाई देती है। वे अक्सर घरों और बस्तियों के लिए अपेक्षाकृत ऊंचे और सुरक्षित स्थानों का चयन करते थे। नदी और बड़े जलस्रोतों के बेहद नजदीक निर्माण से बचा जाता था। समय के साथ आधुनिक विकास, पर्यटन और व्यावसायिक गतिविधियों ने पहाड़ों की तस्वीर बदल दी। होम स्टे, होटल, सड़क और अन्य बुनियादी ढांचे के विस्तार के साथ कई बार निर्माण की सुरक्षा और भौगोलिक संवेदनशीलता को नजरअंदाज कर दिया जाता है। इससे प्राकृतिक आपदा का जोखिम और बढ़ जाता है। पर्वतीय क्षेत्रों में विकास आवश्यक है, लेकिन विकास का मतलब हर उपलब्ध जमीन पर निर्माण करना नहीं हो सकता। सड़क, पुल, होटल, बाजार और आवासीय बस्तियां बनाते समय स्थानीय भौगोलिक परिस्थितियों, नदी के पुराने प्रवाह क्षेत्र, भूस्खलन की आशंका और बाढ़ के संभावित मार्ग का वैज्ञानिक अध्ययन जरूरी है। केदारनाथ जैसी त्रासदियों ने भी यह संदेश दिया है कि विकास परियोजनाओं की योजना बनाते समय आपदा जोखिम को सबसे पहले ध्यान में रखना होगा। यदि किसी क्षेत्र में बाढ़ आने की संभावना है तो वहां केवल मजबूत भवन बना देना समाधान नहीं है। जरूरी यह है कि वहां निर्माण ही इस तरह किया जाए कि आपदा आने पर जनहानि की संभावना न्यूनतम रहे। आज आवश्यकता इस बात की है कि हिमालयी राज्यों में ऐसी स्पष्ट और वैज्ञानिक भू-उपयोग नीति तैयार हो, जिसमें यह तय किया जाए कि कहां बस्ती बसाई जा सकती है, कहां निर्माण किया जा सकता है और किन क्षेत्रों को पूरी तरह निर्माण-मुक्त रखा जाना चाहिए। नदी के डूब क्षेत्र, भूस्खलन संभावित क्षेत्र, ग्लेशियर झीलों के संभावित प्रभाव क्षेत्र और अत्यधिक संवेदनशील ढलानों की वैज्ञानिक मैपिंग कर उसे स्थानीय प्रशासन और आम लोगों तक पहुंचाना होगा। केवल सरकारी फाइलों में तैयार नक्शे तब तक उपयोगी नहीं होंगे, जब तक स्थानीय नागरिकों को यह जानकारी न हो कि उनका गांव या घर किस तरह के जोखिम वाले क्षेत्र में स्थित है।

मेष-मेष राशि के जातकों को आज अपने लक्ष्य हासिल करने के लिए मेहनत और निरंतर प्रयास करना होगा। कार्यक्षेत्र में वरिष्ठ अधिकारियों और सहकर्मियों के बीच बन रही परिस्थितियों का आपको लाभ मिल सकता है।

वृषभ-वृषभ राशि के लिए आज आय के एक से अधिक स्रोत बनने की संभावना दिखाई दे रही है। काम करने के तरीके और उसकी दिशा में बदलाव करने की जरूरत महसूस हो सकती है।

मिथुन-मिथुन राशि के जातकों को आज किसी भी निर्णय पर पहुंचने से पहले परिस्थितियों को अच्छी तरह समझना होगा।

कर्क-कर्क राशि के जातकों के लिए आज मेहनत का सकारात्मक परिणाम मिलने की संभावना है। लंबे समय से देखे जा रहे सपनों और लक्ष्यों को पूरा करने की दिशा में किए गए प्रयास आगे बढ़ेंगे।

सिंह-सिंह राशि के जातकों को आज किसी समस्या के गंभीर रूप लेने का इंतजार करने के बजाय समय रहते कार्रवाई करनी होगी। किसी मुद्दे पर जरूरत से ज्यादा विचार-विमर्श करने में समय गंवाने से आर्थिक दबाव बढ़ सकता है।

कन्या-कन्या राशि के जातकों को आज नए अनुभवों और नए विचारों के साथ काम करने का अवसर मिल सकता है। कार्यक्षेत्र में तकनीक और नई कार्यप्रणाली का सही इस्तेमाल बड़ी उपलब्धि दिला सकता है।

तुला-तुला राशि के जातकों के सामने आज कामकाज से जुड़े कुछ मामलों में असमंजस की स्थिति बन सकती है। बड़े आर्थिक फैसले लेने के लिए दिन बहुत अनुकूल नहीं है, इसलिए ऐसे निर्णयों को कुछ समय के लिए टालना बेहतर रहेगा।

वृश्चिक-वृश्चिक राशि के युवाओं के लिए आज नए अवसर सामने आ सकते हैं। सार्वजनिक जीवन या सामाजिक क्षेत्र में नई जिम्मेदारी अथवा भूमिका मिलने की संभावना है।

धनु-धनु राशि के जातकों को आज अनुकूल परिस्थितियों का पूरा लाभ उठाने की कोशिश करनी चाहिए। परिवार और मित्रों का सहयोग मिलने से आत्मविश्वास और उत्साह बढ़ेगा।

मकर-मकर राशि के जातकों के लिए आज परिस्थितियां काफी हद तक अनुकूल रह सकती हैं। लंबे समय से अधूरे पड़े संकल्पों और कार्यों को पूरा करने के लिए प्रयास बढ़ाने का यह अच्छा समय है।

कुंभ-कुंभ राशि के जातकों को आज राजनीतिक और सार्वजनिक मामलों में संभलकर कदम आगे बढ़ाना चाहिए। पुराने मामलों में बार-बार उलझने से वर्तमान कार्यों पर ध्यान केंद्रित करना मुश्किल हो सकता है।

मीन-मीन राशि के जातकों के लिए आज सुविधाओं में वृद्धि के साथ मन में प्रसन्नता और संतोष का भाव रह सकता है। निजी जीवन में परिस्थितियां आपके अनुकूल रहेंगी। भावनात्मक संबंधों में साथी का व्यवहार आपकी अपेक्षाओं से बेहतर रह सकता है, जिससे आपसी विश्वास और अपनापन बढ़ेगा।

नेपाल की त्रासदी से भारत को सबक लेने की जरूरत

नेपाल में 26 अगस्त 2026 को आई विनाशकारी बाढ़ और हिमस्खलन ने एक बार फिर यह कठोर सत्य सामने ला दिया है कि प्रकृति के साथ खिलवाड़ और पहाड़ों की संवेदनशीलता की अनदेखी मानव सभ्यता के लिए कितनी भारी पड़ सकती है। भोटेकोशी नदी तंत्र में ग्लेशियर के बड़े हिस्से के टूटने, बर्फ-पत्थरों के विशाल मलबे के नीचे आने और नदी के प्रवाह में अस्थायी अवरोध बनने के बाद अचानक बाढ़ का जो रौद्र एवं भयावह रूप सामने आया, उसने नेपाल और चीन के तिब्बती क्षेत्र में भारी तबाही मचाई। 29 अगस्त तक उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार नेपाल में 579 और तिब्बत में 5 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है तथा लगभग 2,482 लोग लापता बताए जा रहे हैं। हजारों लोगों को बचाया गया है, लेकिन दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों और लगातार बने नए खतरे के कारण राहत एवं बचाव कार्य अभी भी चुनौतीपूर्ण हैं। यह घटना केवल नेपाल की प्राकृतिक त्रासदी नहीं है, बल्कि पूरे हिमालयी क्षेत्र के लिए भविष्य का भयावह संकेत है। प्रारंभिक वैज्ञानिक आकलन बताते हैं कि ग्लेशियर का हिस्सा टूटकर नीचे गिरा, जिससे बर्फ, चट्टान, मिट्टी और मलबे का विशाल प्रवाह पैदा हुआ। इसने नदी के प्रवाह को अवरुद्ध किया और बाद में जमा पानी तथा मलबे के दबाव से अचानक विनाशकारी बाढ़ आई। विशेषज्ञों के अनुसार ऐसे घटनाक्रम को केवल सामान्य बाढ़ कहना भूल होगी, यह ग्लेशियर, भूस्खलन, मलबा-प्रवाह और नदी-बाढ़ जैसे अनेक खतरों के एक साथ सक्रिय होने वाली 'बहु-आपदा' का उदाहरण है। इस त्रासदी का सबसे बड़ा संदेश जलवायु परिवर्तन से जुड़ा है। हिमालय केवल बर्फ से ढकी पर्वतमाला नहीं, बल्कि एशिया की जल-सुरक्षा का आधार है। तापमान बढ़ने के साथ ग्लेशियर तेजी से पीछे हट रहे हैं और अनेक नई ग्लेशियर झीलें बन रही हैं। इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट के अनुसार हिंदूकुश हिमालय क्षेत्र में लगभग 25,000 ग्लेशियर झीलें हैं और बढ़ता तापमान ग्लेशियर झीलों के फटने यानी (जीएलओएफ) के जोखिम को बढ़ा रहा है। नेपाल में 1920 के दशक से अब तक 90 से अधिक

ग्लेशियर झील विस्फोट बाढ़ दर्ज की जा चुकी हैं। इसलिए यह मान लेना उचित नहीं होगा कि नेपाल की घटना का एकमात्र कारण ग्लोबल वार्मिंग ही है। भूकंपीय गतिविधियां, भूगर्भीय अस्थिरता, अत्यधिक वर्षा, हिमस्खलन और प्राकृतिक ढलानों की कमजोरी भी महत्वपूर्ण कारक हैं। लेकिन जलवायु परिवर्तन इन जोखिमों को बढ़ाने वाली पृष्ठभूमि अवश्य तैयार कर रहा है। गर्म होता हिमालय ग्लेशियरों और पर्वतीय भूभाग को अस्थिर कर रहा है, जिससे ऐसी घटनाओं की संभावित तीव्रता और व्यापकता बढ़ सकती है। वैज्ञानिकों ने भी इस बात पर सावधानी बरती है कि किसी एक घटना को सीधे जलवायु परिवर्तन का परिणाम घोषित करने के बजाय दीर्घकालिक जलवायु और भूगर्भीय बदलावों को साथ देखकर समझना चाहिए। नेपाल की घटना भारत के लिए भी गहरी चेतावनी है। इस चेतावनी से सीख लेने की जरूरत है। उत्तराखंड की केदारनाथ त्रासदी, 2021 की ऋषिगंगा आपदा और हिमालयी राज्यों में बार-बार आने वाली बाढ़, भूस्खलन एवं बादल फटने की घटनाएं पहले ही बता चुकी हैं कि पहाड़ों की सहनशीलता असीमित नहीं है। हिमालय में सड़कें, सुरंगें, जलविद्युत परियोजनाएं, होटल, बस्तियां और अन्य निर्माण आवश्यकताओं को पूरा करने के नाम पर तेजी से बढ़ रहे हैं, लेकिन सवाल यह है कि क्या इनके लिए पर्वतीय पर्यावरण की वहन क्षमता का पर्याप्त आकलन हो रहा है? विकास जरूरी है, मगर ऐसा विकास जो पहाड़ों को खोखला करके ही संभव हो, अंततः मानव जीवन और स्वयं विकास दोनों के लिए संकट बन सकता है। आज सबसे बड़ी आवश्यकता 'आपदा के बाद राहत' से आगे बढ़कर 'आपदा से पहले तैयारी' की है। अत्याधुनिक सैटेलाइट निगरानी, ड्रोन, रडार, नदी सेंसर, ग्लेशियर और ग्लेशियर झीलों की निरंतर निगरानी तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित पूर्वानुमान प्रणालियों को हिमालयी क्षेत्र में व्यापक स्तर पर विकसित करना होगा। शुरुआती चेतावनी प्रणाली केवल राजधानी या प्रशासनिक केंद्र तक सीमित न रहे, बल्कि पहाड़ के अंतिम गांव तक मोबाइल संदेश, सायरन, रेडियो और स्थानीय स्वयंसेवी तंत्र के माध्यम से पहुंचे। नेपाल में वर्तमान त्रासदी के बाद भी एक और संभावित झील के फटने की आशंका ने स्पष्ट कर दिया है कि एक आपदा समाप्त होते ही दूसरी आपदा का खतरा पैदा हो सकता है। नदियां राजनीतिक सीमाओं को नहीं पहचानतीं। भोटेकोशी जैसी सीमापार नदी प्रणालियों के लिए नेपाल, चीन, भारत और अन्य हिमालयी देशों के बीच वास्तविक समय में जल-प्रवाह, वर्षा, भूस्खलन, ग्लेशियर झील और हिमस्खलन संबंधी सूचनाओं का आदान-प्रदान आवश्यक है। किसी एक देश के पास उपलब्ध महत्वपूर्ण चेतावनी दूसरे देश के नागरिकों की जान बचा सकती है। अतः हिमालय के लिए एक साझा क्षेत्रीय आपदा-पूर्व चेतावनी नेटवर्क विकसित किया जाना चाहिए। भारत को इस दिशा में अपने हिमालयी राज्यों के लिए अलग 'माउंटेन सेफ्टी पॉलिसी' पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। पहाड़ी क्षेत्रों में सड़क या सुरंग बनाने से पहले भूगर्भीय जोखिम, जलधाराओं के प्राकृतिक मार्ग, भूस्खलन की संभावना और स्थानीय पारिस्थितिकी का वैज्ञानिक मूल्यांकन अनिवार्य होना चाहिए। अंधाधुंध वृक्ष कटाई, नदी किनारे अनियोजित निर्माण, पहाड़ों की अनावश्यक कटाई और पर्यटन के नाम पर अत्यधिक दबाव को नियंत्रित करना होगा। स्थानीय समुदायों को आपदा प्रबंधन की पहली पंक्ति बनाना होगा, क्योंकि किसी भी संकट में सबसे पहले वही लोग प्रभावित होते हैं और वही सबसे पहले सहायता भी कर सकते हैं। दुनिया को जापान, स्विट्जरलैंड और अन्य पर्वतीय देशों से आपदा-प्रबंधन, भवन सुरक्षा, पूर्व चेतावनी और स्थानीय प्रशिक्षण की तकनीक सीखनी चाहिए। हिमालय को केवल पर्यटन और आर्थिक विकास का क्षेत्र मानना अब पर्याप्त नहीं है इसे एक जीवित, संवेदनशील और अत्यंत नाजुक पारिस्थितिक तंत्र के रूप में देखना होगा। प्रकृति को नियंत्रित करने की मनुष्य की महत्वाकांक्षा जितनी बढ़ेगी, प्रकृति का प्रतिरोध भी उतना ही भयावह हो सकता है। नेपाल की त्रासदी इसलिए केवल शोक मनाने का अवसर नहीं, बल्कि आत्ममंथन का क्षण है। हमें यह समझना होगा कि पहाड़ों को जीतना नहीं, उनके साथ जीना सीखना होगा। विकास की गति को प्रकृति की क्षमता के अनुरूप करना, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करना, वैज्ञानिक चेतावनियों को गंभीरता से लेना और सीमापार सहयोग बढ़ाना ही भविष्य की राह है। यदि इस त्रासदी से भारत और दुनिया ने समय रहते सबक ले लिया, तो नेपाल में बहा हुआ पानी केवल विनाश की कहानी नहीं रहेगा, वह आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित रखने की चेतावनी और नई पर्यावरणीय चेतना का संदेश भी बनेगा।

बिहार के 'सहयोग मॉडल' से बाकि राज्यों को भी सीखने की जरूरत

क्या किसी सरकारी स्कूल या हॉस्टल में गंदा पानी, खराब खाना या बिजली की किल्लत जैसी रोजमर्रा की समस्याओं का समाधान 30 दिन के भीतर पाना संभव है?...जहां देश के अधिकांश राज्यों में छात्र ऐसी बुनियादी सुविधाओं के लिए महीनों प्रशासनिक चक्कर काटने या सड़कों पर उतरने को मजबूर होते हैं, वहीं बिहार सरकार ने एक पारदर्शी ऑनलाइन व्यवस्था से इस धारणा को बदलने की कोशिश की है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी द्वारा शुरू की गई इस नई पहल ने छात्र शिकायतों के निपटारे का एक ऐसा मॉडल पेश किया है, जिसकी गूंज अब देश भर में सुनाई दे रही है।छात्रों की शिकायतें अक्सर लंबे समय तक अनसुलझी रहती हैं, इसकी बड़ी वजह प्रशासनिक प्रक्रिया की जटिलता है। किसी छात्र को हॉस्टल की सफाई, भोजन की गुणवत्ता, बिजली-पानी या फीस से जुड़ी दिक्कत होने पर पहले वार्डन, फिर प्रिंसिपल और जरूरत पड़ने पर जिला शिक्षा कार्यालय तक जाना पड़ता है। इस प्रक्रिया में न तो कोई तय समयसीमा होती है और न ही स्पष्ट जवाबदेही तय होती है, जिस वजह से छोटी शिकायतें भी हफ्तों-महीनों तक लंबित रह जाती हैं।बिहार सरकार के विद्यार्थी सहयोग पोर्टल की खासियत यह है कि शिकायत दर्ज कराने के लिए दो अलग कैटेगरी बनाई गई हैं – पहली, शैक्षणिक संस्थान यानी विद्यालय, महाविद्यालय या विश्वविद्यालय से संबंधित विद्यार्थियों के लिए, और दूसरी, छात्रावास यानी हॉस्टल में रहने वाले विद्यार्थियों के लिए। पोर्टल के होमपेज पर ही यह दोनों विकल्प दिए गए हैं, जिससे छात्र सही कैटेगरी चुनकर सीधे संबंधित फॉर्म तक पहुंच जाता है। कैटेगरी चुनने के बाद छात्र के सामने एक सीधा-सादा फॉर्म खुलता है, जिसमें नाम, लिंग, पिता का नाम, जन्म तिथि और मोबाइल नंबर जैसी बुनियादी जानकारी भरनी होती है। ईमेल आईडी

को वैकल्पिक रखा गया है, ताकि जिन छात्रों के पास ईमेल नहीं है वे भी शिकायत दर्ज करा सकें, जबकि मोबाइल नंबर को ओटीपी से वेरिफाई किया जाता है ताकि हर शिकायत असली छात्र की ओर से ही दर्ज हो। पोर्टल पर छात्रों के लिए तीन सुविधाएं दी गई हैं। शिकायत दर्ज कराने का विकल्प हॉस्टल सुविधाओं, भोजन, स्वच्छता, सुरक्षा और बिजली से जुड़ी समस्याओं के लिए है। इसके अलावा छात्र व्यवस्था सुधारने से जुड़े अपने सुझाव भी साझा कर सकते हैं, और सबसे अहम बात यह कि एक बार शिकायत दर्ज करने के बाद छात्र उसकी मौजूदा स्थिति और उस पर हुई कार्रवाई को ट्रैक भी कर सकता है। पोर्टल पर सबसे ज्यादा दर्ज होने वाली शिकायतों को भोजन, पेयजल, बिजली, शौचालय-सफाई, सुरक्षा, बुनियादी ढांचे और इंटरनेट जैसी कैटेगरी में पहले से बांटा गया है, जिससे शिकायत सीधे संबंधित विभाग तक पहुंचती है और निपटारे में देरी नहीं होती। पोर्टल पर दर्ज हर शिकायत का 30 दिनों के भीतर निपटारा सुनिश्चित करने की व्यवस्था की गई है। समाधान के बाद संबंधित छात्र को लिखित रूप से इसकी सूचना भी दी जाती है, ताकि यह साफ रहे कि उसकी शिकायत पर वाकई कार्रवाई हुई है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शिकायतकर्ता छात्र-छात्राओं की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी, जिससे छात्र बिना किसी डर के अपनी बात रख सकें। जिन छात्रों के पास ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराने की सुविधा नहीं है, उनके लिए टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 1100 भी उपलब्ध कराया गया है। पोर्टल का मकसद छात्रों की शैक्षणिक, परीक्षा, छात्रावास, छात्रवृत्ति और अन्य संस्थागत समस्याओं का पारदर्शी और जवाबदेह तरीके से समाधान करना है। सरकारी पोर्टल और हेल्पलाइन की घोषणाएं आमतौर पर होती रहती हैं, लेकिन इनमें से ज्यादातर व्यवहार में उतनी असरदार साबित नहीं होतीं। लेकिन बिहार सरकार की अब तक की कोशिशों को देखें तो ऐसा लगता है कि सरकार गंभीरता से छात्रों की समस्याओं को सुनने की ओर अग्रसर है। इस पोर्टल की खासियत है कि इसमें एक जवाबदेही तंत्र भी जोड़ा गया है – तय समयसीमा में शिकायत का समाधान न होने पर संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई का भी प्रावधान रखा गया है, जिससे यह सिर्फ कागजी व्यवस्था बनकर नहीं रह जाती। पोर्टल के साथ-साथ सरकार ने हर महीने सहयोग शिविर आयोजित करने की व्यवस्था भी बनाई है, जिनमें मंत्री, विधायक, सांसद और संबंधित अधिकारी सीधे स्कूल-कॉलेजों में जाकर छात्रों से बातचीत करेंगे। इन शिविरों में मिलने वाली शिकायतों और सुझावों को भी उसी पोर्टल पर दर्ज कर ट्रैक किया जाता है, जिससे पूरा सिस्टम एक जगह जुड़ा रहता है। यह व्यवस्था खासकर उन इलाकों में उपयोगी मानी जा रही है, जहां छात्र ऑनलाइन माध्यम के बजाय सीधी बातचीत में ज्यादा सहज महसूस करते हैं। जिन राज्यों में छात्र आंदोलन और कैंपस में असंतोष की घटनाएं सामने आती रही हैं, उनके लिए बिहार का यह मॉडल कुछ स्पष्ट संकेत देता है। शिकायत निवारण तंत्र तभी प्रभावी होता है जब उसमें तय समयसीमा और जवाबदेही दोनों शामिल हों। शिकायत और छात्रावास की समस्याओं को अलग-अलग कैटेगरी में बांटने और फॉर्म को आसान रखने से समाधान की रफ्तार तेज होती है, जबकि स्टेटस ट्रैक करने की सुविधा से छात्रों को भरोसा रहता है कि उनकी बात पर वाकई काम हो रहा है। साथ ही, सिर्फ डिजिटल पोर्टल पर निर्भर रहने के बजाय हेल्पलाइन और जमीनी शिविर जैसे विकल्प भी जरूरी हैं, ताकि हर वर्ग का छात्र इस व्यवस्था से जुड़ सके। शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए बड़ी घोषणाओं के साथ-साथ जमीनी क्रियान्वयन भी उतना ही जरूरी है। बिहार का अनुभव यह दिखाता है कि अगर शिकायत निवारण तंत्र में पारदर्शिता, आसान प्रोसेस और जवाबदेही तय की जाए, तो नतीजे भी सामने आते हैं।

डोभाल की कूटनीति और भारत-चीन संबंधों की नई करवट

भारत और चीन के संबंधों में पिछले कुछ वर्षों की तल्खी के बाद अब संवाद, संयम और व्यावहारिक सहयोग का एक नया दौर दिखाई दे रहा है। इसे किसी अचानक आए परिवर्तन के रूप में नहीं, बल्कि सुरक्षा, कूटनीति और राष्ट्रीय हितों को साथ लेकर चलने वाली एक दीर्घकालिक प्रक्रिया के रूप में देखना चाहिए। इस बदलते परिदृश्य में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण बनकर सामने आई है। 25 अगस्त को बीजिंग में चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ हुई 25वें दौर की विशेष प्रतिनिधि वार्ता ने इस प्रक्रिया को ठोस आधार दिया है। दोनों पक्षों ने सीमा पर शांति बनाए रखने, सीमा निर्धारण की दिशा में शीघ्र एवं सार्थक प्रगति करने तथा सैन्य-द्विपक्षीय संपर्क व्यवस्था को मजबूत करने पर सहमति बनाई है। डोभाल की बीजिंग यात्रा इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि यह केवल सीमा विवाद पर बातचीत नहीं थी। यह उस व्यापक प्रश्न पर विमर्श था कि क्या भारत और चीन प्रतिस्पर्धा के बावजूद सह-अस्तित्व, स्थिरता और पारस्परिक हितों का रास्ता तलाश सकते हैं। दोनों देशों ने दो अतिरिक्त सैन्य संपर्क-बिंदु और पूर्वी तथा मध्य क्षेत्रों में दो अतिरिक्त सैन्य दूरभाष संपर्क स्थापित करने पर सहमति जताई है। सीमा व्यापार, कैलाश-मानसरोवर यात्रा और सीमा-पार सहयोग को भी आगे बढ़ाने का निर्णय हुआ है। अजीत डोभाल की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे सुरक्षा और कूटनीति को परस्पर विरोधी नहीं मानते। उनका दृष्टिकोण स्पष्ट है-मजबूत सुरक्षा-व्यवस्था ही प्रभावी कूटनीति की आधारभूमि बन सकती है। चीन के संदर्भ में भी भारत का संदेश यही रहा है कि सीमा पर शांति और स्थिरता के बिना द्विपक्षीय संबंधों का पूर्ण सामान्यीकरण संभव नहीं है। 25वें दौर की वार्ता में यही भारतीय दृष्टिकोण प्रमुखता से सामने आया। डोभाल का व्यक्तित्व केवल वार्ताकार का नहीं, बल्कि सुरक्षा रणनीतिकार का है। वे लंबे समय तक खुफिया तंत्र में रहे, विभिन्न संवेदनशील क्षेत्रों में काम किया और बाद में खुफिया ब्यूरो के प्रमुख बने। भारत सरकार के अनुसार, उन्होंने पूर्वोत्तर, सिक्किम, जम्मू-कश्मीर, पंजाब और पाकिस्तान से जुड़े सुरक्षा मामलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे देश के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार हैं। उनकी कार्यशैली में एक उल्लेखनीय संतुलन दिखाई देता है-जहां आवश्यक हो वहां कठोरता और जहां अवसर हो वहां संवाद। उड़ी के बाद की सर्जिकल कार्रवाई, बालाकोट की कार्रवाई, डोकलाम संकट के दौरान कूटनीतिक प्रयास और आंतरिक सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने में उनकी भूमिका इसी व्यापक दृष्टिकोण के उदाहरण माने जाते हैं। 2026 में उन्हें लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी राष्ट्रीय सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने में उनके योगदान को विशेष रूप से रेखांकित किया। भारत-चीन संबंधों का सबसे कठिन दौर वर्ष 2020 में गलवान घाटी की हिंसक झड़प के बाद आया। चार वर्षों तक सीमा पर सैन्य तनाव बना रहा। अक्टूबर 2024 में दोनों देशों के बीच सैनिकों की पूर्ण

वापसी और संबंधित विवादों के समाधान के बाद संबंधों को धीरे-धीरे पटरी पर लाने की प्रक्रिया शुरू हुई। उसी वर्ष कजान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात में दोनों नेताओं ने सीमा पर शांति तथा मतभेदों को संबंधों की समग्र दिशा को प्रभावित न करने देने पर जोर दिया था। यही वह बिंदु था जहां डोभाल की भूमिका और महत्वपूर्ण हो गई। दिसंबर 2024 में विशेष प्रतिनिधि स्तर की बातचीत से शुरू हुई प्रक्रिया अब 25वें दौर तक पहुंची है। इस बार आठ बिंदुओं पर बनी सहमति संकेत देती है कि बातचीत केवल औपचारिकता नहीं रह गई है। सीमा निर्धारण और सीमा प्रबंधन के लिए विशेषज्ञ तथा कार्य समूहों को सक्रिय करना, वास्तविक नियंत्रण रेखा पर गलतफहमी रोकने के लिए मौजूदा सैन्य एवं कूटनीतिक माध्यमों का उपयोग और नए संपर्क तंत्र बनाना व्यावहारिक विश्वास निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। भारत-चीन संबंध केवल सैनिक चौकियों और राजनयिक बैठकों तक सीमित नहीं हैं। दोनों देशों के बीच सभ्यतागत संपर्क भी रहा है। कैलाश-मानसरोवर यात्रा की पुनर्बहाली और विस्तार, सीमा व्यापार मार्गों को फिर खोलना तथा लोगों के बीच संपर्क बढ़ाना इसी व्यापक दृष्टिकोण का हिस्सा है। 2026 में कैलाश-मानसरोवर यात्रा लिपुलेख और नाथू ला, दोनों मार्गों से संचालित हुई है। 25वें दौर की वार्ता में तीन निर्धारित सीमा व्यापार केंद्रों को फिर खोलने की प्रगति का स्वागत किया गया तथा व्यापार और तीर्थयात्रा को और मजबूत करने पर सहमति बनी। यह छोटा कदम नहीं है। सीमा पर सैनिकों की संख्या घटाना एक सुरक्षा उपाय है, लेकिन सीमा के दोनों ओर रहने वाले लोगों के लिए व्यापार और सांस्कृतिक संपर्क बढ़ाना दीर्घकालिक शांति की सामाजिक नींव तैयार करता है। शी जिनपिंग की संभावित भारत यात्रा एक अवसर भी है, परीक्षा भी है। इसी पृष्ठभूमि में 12-13 सितंबर, 2026 को नई दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन पर पूरी दुनिया की नजर है। राष्ट्रपति शी जिनपिंग की भारत यात्रा की संभावना जताई जा रही है। यदि यह यात्रा होती है तो यह सात वर्षों में उनकी पहली भारत यात्रा होगी। विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार उनके साथ लगभग चार सौ अधिकारियों का बड़ा प्रतिनिधिमंडल भी आ सकता है। हालांकि 27 अगस्त तक चीन की ओर से उनकी यात्रा की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इसलिए शी की संभावित यात्रा को केवल एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भागीदारी नहीं माना जाना चाहिए। यह भारत-चीन संबंधों की वास्तविक दिशा को परखने का अवसर हो सकती है। वर्ष 2019 का चेन्नई संवाद अपेक्षाकृत सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुआ था, लेकिन उसके एक वर्ष बाद गलवान ने संबंधों को गहरे संकट में डाल दिया। अब यदि शी नई दिल्ली आते हैं तो दोनों देशों के पास उस टूटे हुए विश्वास को सावधानी से जोड़ने का अवसर होगा। लेकिन भारत को उत्साह में अपनी मूल सुरक्षा चिंताओं को पीछे नहीं छोड़ना चाहिए। अरुणाचल प्रदेश पर चीन के दावे, सीमा निर्धारण का लंबित प्रश्न और वास्तविक नियंत्रण रेखा पर पारदर्शिता जैसी चुनौतियां अभी समाप्त नहीं हुई हैं। इसलिए भारत की नीति मित्रता की आकांक्षा, लेकिन राष्ट्रीय हितों पर कोई समझौता नहीं होनी चाहिए। डोभाल की विशेषता यही है कि वे संवाद को कमजोरी नहीं बनने देते और शक्ति को टकराव का पर्याय भी नहीं बनाते। उनकी कूटनीति में संदेश स्पष्ट है-भारत शांति चाहता है, लेकिन अपनी सुरक्षा कीमत पर नहीं, सहयोग चाहता है, लेकिन समानता के आधार परय संबंध सुधारना चाहता है, लेकिन सीमा की वास्तविकताओं को भुलाकर नहीं।

स्वामी-स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ला द्वारा अनवर ऑफसेट एम- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुदित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उस्मान एन्क्लेव, अलीगंज-लखनऊ 226024 से प्रकाशित, सम्पादक रवि कुमार अवस्थी , मो0-9511151254
Mail: news@swatantraprabhat.com, R.NI NO. UPHIN/2012/43078 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी आर वी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायीं। किसी भी कानूनी विवाद का निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

मण्डलीय अनुश्रवण समिति की बैठक में विद्यार्थियों के स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं गुणवत्तायुक्त सुविधाओं पर विशेष जोर

जिलाधिकारी ने बच्चों के साथ भोजन करके जानी उनकी मन की बात, कहा-पूरा मन लगाकर पढ़ाई करें, हम देखेंगे सभी व्यवस्थाएं

मण्डलायुक्त ने बैठक में वर्चुअली जुड़कर विद्यार्थियों के समग्र स्वास्थ्य, पोषण व सुरक्षा को लेकर दिये कड़े निर्देश

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

उ0प्र0 भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड में पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के बच्चों एवं अनाथ बच्चों को गुणवत्तापरख शिक्षा दिये जाने हेतु जनपद के ग्राम धौर्रा में स्थापित अटल आवासीय विद्यालय के प्रभावी संचालन के लिए आज सोमवार को मण्डलीय अनुश्रवण समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मण्डलायुक्त झांसी मण्डल, झांसी श्री बिमल कुमार दुबे ने वर्चुअल माध्यम से प्रतिभाग किया, वहीं जिलाधिकारी सत्य प्रकाश सहित अन्य जनपद एवं मण्डल स्तरीय अधिकारियों ने विद्यालय से ही भौतिक रूप से उपस्थित होकर विद्यालय की व्यवस्थाओं एवं विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की और विद्यालय का निरीक्षण भी किया।

बैठक में मण्डलायुक्त ने निर्देश दिये कि विद्यालय में अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा प्रत्येक छात्र/छात्रा एवं उनके अभिभावको से संवाद स्थापित किया जाए ताकि छात्र/छात्राओं की समस्याओं का प्रारम्भिक स्तर पर ही निदान किया जा सके। प्रबंधन समिति यह सुनिश्चित करें कि विद्यालय में किसी भी प्रकार की रैगिंग, शारिरिक/मानसिक उत्पीड़न एवं अभद्र भाषा, गाली गलौज का प्रयोग न हो, छात्र-छात्राओं की नियमित रूप से काउंसलिंग की जाए, विद्यालय में पठन-पाठक, खेलकूद, व्यायाम सहित सयन व सुबह उठने के समय का विशेष ध्यान रखा जाए, ताकि विद्यालय में अनुशासन बना रहे। साथ ही बच्चों को पठन-पाठन के साथ नैतिक शिक्षा एवं महान विभूतियों की जीवन-गाथा/साहित्य को पढ़ने हेतु प्रेरित किया जाए।

उन्होंने यह भी निर्देश दिये कि विद्यालय में किसी भी अनाधिकृत व्यक्ति को प्रवेश न दिया जाए। सी0सी0टी0वी0 कैमरो की नियमित निगरानी की जाये एवं कोई अनाधिकृत गतिविधि पायी जाती है तो उसकी रिकार्डिंग संरक्षित करते हुए उसकी जाँच करायी जाये और जाँच में यदि अनाधिकृत गतिविधियों की पुष्टि होती है तो तत्काल प्रभावी कार्यवाही की जाये। विद्यार्थियों के समग्र स्वास्थ्य एवं पोषण को लेकर मण्डलायुक्त ने निर्देश दिये कि विद्यालय में प्रत्येक माह नियमित स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किए जाएँ। इन शिविरों में एलोपैथिक चिकित्सकों के साथ-साथ आयुर्वेदिक एवं होम्योपैथिक चिकित्सकों की भी सहभागिता सुनिश्चित की जाए। साथ ही विद्यार्थियों के लिए डाइट चार्ट तैयार कराने, डाइटिशियन की सेवाएँ उपलब्ध कराने, आवश्यक पोषण अनुपूरक (सप्लीमेंट) उपलब्ध कराने तथा खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम द्वारा भोजन की गुणवत्ता का नियमित परीक्षण कराने के निर्देश भी दिए गए। बैठक के साथ ही जिलाधिकारी सत्य प्रकाश एवं उप श्रम आयुक्त किरण मिश्रा द्वारा मण्डलायुक्त के निर्देशानुसार विद्यालय की सभी व्यवस्थाओं का भौतिक निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय के मैस में बच्चों के साथ स्वयं संध्याकालीन भोजन करके भोजन की गुणवत्ता को परखा और तेल मसालों सहित अन्य खाद्य सामग्री की गुणवत्ता की गहन जांच की। तेल मसालों के सम्बंध में एक्पायरी तिथि को देखा गया, जो ठीक पायी गई, साथ ही भोजन की गुणवत्ता भी संतोषजनक मिली। इस दौरान सम्बंधित स्टाफ व समिति की सदस्यों को निर्देशित किया गया कि समय-समय पर भोजन व अन्य खाद्य सामग्री की जांच की जाए और बच्चों के साथ स्वयं भोजन करके गुणवत्ता का सत्यापन किया जाए।

इस अवसर पर जिलाधिकारी व उप श्रम आयुक्त द्वारा छात्र-छात्राओं से संवाद किया और विद्यालय में पठन पाठन सहित अन्य व्यवस्थाओं का फीडबैक लिया गया, बच्चों ने व्यवस्थाओं के प्रति संतोष व्यक्त किया। जिलाधिकारी ने बच्चों से कहा कि आप सभी मन लगाकर पढ़ाई करें, आपकी सभी जरूरतों को पूरा करना जिला प्रशासन की जिम्मेदारी है, इसमें कहीं कोई कमी नहीं होने दी जाएगी। इसके साथ ही यदि आप बच्चों को कोई भी समस्या है तो बेझिझक अपने शिक्षक या स्कूल के प्रिंसिपल को बतायें।

मौके पर सम्बंधित स्टॉफ को निर्देशित किया गया कि विद्यालय में सुरक्षा के दृष्टिगत सीसीटीवी कैमरों की संख्या में वृद्धि की जाए और कण्ट्रोल रूम से सतत् निगरानी की जाए। इसके साथ ही विद्यालय में या हॉस्टल आदि में किसी भी दशा में अनाधिकृत व्यक्ति को प्रवेश न दिया जाए। इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी अतिरंजन सिंह, उप जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र विक्रम, श्रम प्रवर्तन अधिकारी अनिल कुमार, अधिशासी अभियंता जल संस्थान मुंशीलाल, विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं ग्राम प्रधान उपस्थित रहे।

विधायक और सीओ ने सराहा ब्रह्माकुमारी बहनों का सेवा अभियान

» पत्रकारों को मिला आत्मिक सुरक्षा का संदेश
» कलम के सिपाहियों के नाम पवित्रता की राखी
» समाज परिवर्तन का बना दिव्य संदेश

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय वरदानी भवन द्वारा आयोजित विशेष रक्षाबंधन कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारी बहनों ने विधायक रामरतन कुशवाहा, सदर क्षेत्राधिकारी अजय कुमार एवं अन्य अधिकारियों तथा महामंत्री अमित सोनी के साथ सभी पत्रकार बंधुओं को रक्षासूत्र बांधकर परमात्मा का दिव्य संदेश दिया। विधायक एवं सदर क्षेत्राधिकारी ने ब्रह्माकुमारी बहनों द्वारा समाज में किए जा रहे आध्यात्मिक, नैतिक एवं जनसेवा कार्यों की मुक्तकंठ से सराहना की। कार्यक्रम में कार्यालय प्रभारी अजित जैन भारती, पूर्व कोषाध्यक्ष रमेश रायकवार, राहुल जैन, पुष्पा झां, संजना सिंह, अनुराग विदुआ, आशीष तिवारी, निहाल सेन, आलोक खरे, कमलेश साहू, सुनील जैन, भगवान सिंह, अमित लखेरा, अशफाक कुरैशी, शिब्बू राठौर, सहित अनेक पत्रकार बंधु उपस्थित रहे। ब्रह्माकुमारी बहन ने रक्षाबंधन का आध्यात्मिक रहस्य बताते हुए कहा कि राखी केवल धागा नहीं, बल्कि परमात्मा से आत्मिक सुरक्षा, पवित्रता और विकारों से मुक्त जीवन का दिव्य संकल्प है। पत्रकार बंधुओं को संदेश दिया गया कि सत्य और सकारात्मकता से भरी कलम समाज को नई दिशा दे सकती है। रक्षासूत्र, तिलक और परमात्मा संदेश के साथ कार्यक्रम ने पत्रकारिता और आध्यात्मिकता का सुंदर संगम प्रस्तुत किया।

संक्षिप्त खबरें

तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से हेल्पर की मौत

ललितपुर | पुलिस को दी गई तहरीर में प्रकाश कुर्मी पुत्र स्वर्गीय श्रीराम निवासी ग्राम डोंगरा कला, थाना नाराहट, ललितपुर ने बताया कि उनका 32 वर्षीय पुत्र मानसिंह ट्रक संख्या ।।क्र 61 श्व 0331 पर हेल्पर का काम करता था। 10 अगस्त 2026 की शाम करीब छह बजे मानसिंह कुछ समय के लिए अपने घर आया था। इसके बाद वह उसी ट्रक से ललितपुर की ओर रवाना हो गया। बताया गया कि ट्रक जब बिरधा हाईवे पर पहुंचा, तभी सामने से आ रहे ट्रक संख्या क्रछ्व 06 छ्वश्व 0950 के चालक ने वाहन को कथित रूप से तेज गति और लापरवाही से चलाते हुए मानसिंह के ट्रक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मानसिंह गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे की सूचना डोंगरा कला पुलिस चौकी के माध्यम से परिजनों को मिली कि उनका पुत्र जिला अस्पताल में भर्ती है। सूचना मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंचे, लेकिन तब तक चिकित्सकों ने मानसिंह को मृत घोषित कर दिया। मृतक के पिता की शिकायत पर पुलिस ने मामले में बीएनएस की धारा 281, 125(बी) और 106 के तहत मुकदमा पंजीकृत किया है।

घर के बाहर बैठे युवक पर लाठी-डंडों से हमला

ललितपुर | थाना बार के ग्राम चिगलौआ निवासी अजय गोस्वामी पुत्र जयदेव ने बताया कि 28 अगस्त 2026 की शाम करीब साढ़े सात बजे उसका भाई आनंद गोस्वामी घर के बाहर बैठा हुआ था। इसी दौरान गांव के ही विक्रम सिंह उर्फ बड़े राजा पुत्र रूपसिंह और कृपाल सिंह पुत्र भानसिंह वहां पहुंच गए। आरोप है कि दोनों ने आनंद गोस्वामी के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। आनंद द्वारा गाली देने का विरोध करने पर दोनों आरोपियों ने एकराय होकर उसके साथ लाठी-डंडों से मारपीट शुरू कर दी। मारपीट के दौरान शोरगुल सुनकर अजय गोस्वामी घर से बाहर आया और बीच-बचाव करने का प्रयास किया। तहरीर के मुताबिक, अजय के बीच में आने पर आरोपियों ने उसे भी ललकारा और दोनों भाइयों को जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। घटना के बाद पीड़ित पक्ष ने पुलिस से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने अजय गोस्वामी की तहरीर के आधार पर बीएनएस की धारा 115(2), 352 और 351(3) के तहत मुकदमा पंजीकृत किया है।

फांसी के फंदे पर लटके मिले देवर-भाभी के शव

प्रेम प्रसंग के चलते आत्महत्या की आशंका

दो दिन से लापता था युवक, भोपाल से लापता हुई थी महिला

पुराने मकान में मिले दोनों के शव, पुलिस ने शुरू की जांच

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

थाना जखौरा क्षेत्र के ग्राम थनवारा में सोमवार को उस समय सनसनी फैल गई, जब गांव से बाहर स्थित एक पुराने मकान में संदिग्ध परिस्थितियों में एक युवक और उसकी ममेरी भाभी के शव फांसी के फंदे पर लटके मिले। दोनों के बीच कथित प्रेम संबंध होने की बात सामने आ रही है। प्रथम दृष्टया पुलिस मामले को आत्महत्या से जोड़कर देख रही है, हालांकि घटना की वास्तविक वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

मृतकों की पहचान 26 वर्षीय महेंद्र पुत्र प्राणी कुशवाहा निवासी ग्राम थनवारा तथा 24 वर्षीय छाया उर्फ सोमवती के रूप में हुई है। छाया महेंद्र की ममेरी भाभी बताई गई है। परिजनों के अनुसार महेंद्र 29 अगस्त की शाम करीब तीन बजे बाइक ठीक कराने की बात कहकर घर से निकला था। इसके बाद वह वापस नहीं लौटा। परिजनों ने काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। इसके बाद 30 अगस्त को परिजनों ने थाना जखौरा में उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई।

बताया गया है कि सोमवार सुबह महेंद्र ने अपने मामा के लड़के के मोबाइल पर मैसेज भेजकर बताया कि वह अपनी ममेरी भाभी छाया के साथ गांव के बाहर स्थित पुराने मकान में है और उसे वहां आने के लिए कहा। मैसेज की जानकारी मिलने के बाद परिजन पुलिस को लेकर पुराने मकान पर पहुंचे। वहां कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। पुलिस और परिजनों ने किसी तरह दरवाजा खोलकर अंदर प्रवेश किया तो दोनों के शव फंदे पर लटके मिले।

कमरे में महेंद्र की बाइक भी खड़ी मिली। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मौके का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए हैं। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही मौत के कारणों की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। परिजनों के मुताबिक छाया पिछले करीब सात वर्षों से भोपाल में अपने पति बाबूलाल के साथ रह रही थी और मजदूरी करती थी। बताया गया है कि वह 30 अगस्त की सुबह करीब चार बजे भोपाल से लापता हो गई थी। इसके बाद उसकी तलाश की जा रही थी। छाया का मायका थाना बार क्षेत्र के ग्राम पारौन में बताया गया है, जबकि उसके माता-पिता और भाई भी भोपाल में रहते हैं। छाया की कोई संतान नहीं थी। महेंद्र के परिवार में उसकी पत्नी और तीन पुत्रियां हैं। उसकी पत्नी गर्भवती बताई गई है। घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है और गांव में भी शोक का माहौल है। पुलिस दोनों की मौत के कारणों और घटनाक्रम की जांच कर रही है। परिजनों एवं संबंधित लोगों से पूछताछ के साथ पुलिस अन्य पहलुओं को भी ध्यान में रखकर मामले की छानबीन कर रही है।

बदहाल संपर्क मार्गों के निर्माण को लेकर सदर विधायक को सौंपा ज्ञापन

'प्रतिनिधिमंडल ने समस्या से कराया अवगत, सदर विधायक ने शीघ्र निर्माण का दिलाया भरोसा'

स्वतंत्र प्रभात | बार

ग्रामीण क्षेत्रों में बदहाल और कच्चे संपर्क मार्गों के कारण आवागमन में हो रही परेशानी को लेकर भाजपा मंडल बार के निवर्तमान अध्यक्ष हरपाल सिंह सिसोदिया ने सदर विधायक रामरतन कुशवाहा को ज्ञापन सौंपकर तीन महत्वपूर्ण संपर्क मार्गों के शीघ्र निर्माण की मांग उठाई।

ज्ञापन में कहा गया कि संबंधित मार्ग लंबे समय से कच्चे और बदहाल स्थिति में हैं। बरसात के दिनों में इन पर जलभराव और कीचड़ के कारण आवागमन बेहद मुश्किल हो जाता है। ग्रामीणों को कई बार अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए लंबा वैकल्पिक रास्ता तय करना पड़ता है। सड़क निर्माण होने से क्षेत्र के किसानों, विद्यार्थियों, ग्रामीणों और आम राहगीरों को आवागमन में बड़ी राहत मिलेगी तथा क्षेत्र के विकास को भी गति मिलेगी।

ज्ञापन के माध्यम से बार-लड़वारी मुख्य मार्ग से ग्राम गैंदोरा होते हुए धनगौल गांव के बंदिपन मोहल्ले तक करीब पांच किलोमीटर, ग्राम पंचायत बरौदा डांग के छर्रा तिराहे से हंसार-कैलगुवां संपर्क मार्ग तक करीब तीन किलोमीटर तथा बरौदाडांग स्थित दुर्गाजी मंदिर से चिताई मोहल्ले तक करीब डेढ़ किलोमीटर सड़क निर्माण की मांग की गई।

विधायक से जनहित को देखते हुए इन मार्गों को प्राथमिकता के आधार पर विकास कार्यों में शामिल कराकर संबंधित विभाग से आवश्यक कार्रवाई कराने का आग्रह किया।

सदर विधायक रामरतन कुशवाहा ने ग्रामीणों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए उक्त संपर्क मार्गों के शीघ्र निर्माण का भरोसा दिलाया। ज्ञापन सौंपने के दौरान हेमेंद्र सिंह परमार, सेवेंद्र सिंह, भूपेंद्र सिंह एवं भूरे राजा भैलोनी सूबा मौजूद रहे।

निजी विद्यालयों पर लगाए जा रहे लाइसेंस शुल्क संबंधी नोटिस के विरोध में सौंपा ज्ञापन

» प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन ने जताया कड़ा आक्रोश
» ग्रामीण स्कूलों को पर अतिरिक्त कर का विद्यालयों ने किया विरोध

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों को जिला पंचायत द्वारा जारी किए जा रहे विद्यालय लाइसेंस/लाइसेंस नवीनीकरण संबंधी नोटिसों के विरोध में प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन द्वारा सोमवार को जिलाधिकारी एवं जिला पंचायत अध्यक्ष को ज्ञापन सौंपा गया। एसोसिएशन अध्यक्ष अजय श्रीवास्तव ने ज्ञापन के माध्यम से बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 400-500 निजी विद्यालय सीमित संसाधनों के बीच बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने का कार्य कर रहे हैं। ऐसे में विद्यालयों पर जिला परिषद द्वारा लगभग 6 हजार रुपये वार्षिक कर लगाए जाने तथा लाइसेंस/लाइसेंस नवीनीकरण के नाम पर अतिरिक्त आर्थिक भार डालने से विद्यालय संचालकों में चिंता एवं असमंजस की स्थिति उत्पन्न हो गई है। उन्होंने कहा कि निजी विद्यालय किसी व्यक्ति की व्यक्तिगत आय अथवा लाभ कमाने वाली व्यावसायिक फर्म के रूप में संचालित नहीं होते, बल्कि विद्यालयों की प्राप्तियां शिक्षण कार्य, शिक्षकों एवं कर्मचारियों के वेतन, भवन किराया/रख-रखाव, बिजली-पानी, शिक्षण सामग्री, परीक्षा, सुरक्षा, छात्र सुविधाओं एवं अन्य शैक्षणिक आवश्यकताओं पर खर्च होती हैं। एसोसिएशन ने मांग की कि ग्रामीण क्षेत्रों के निजी विद्यालयों को जारी किए गए 6 हजार रुपये वार्षिक कर संबंधी नोटिसों पर तत्काल रोक लगाई जाए। साथ ही विद्यालयों को सामान्य व्यावसायिक प्रतिष्ठान मानकर लाइसेंस निर्धारित करने की प्रक्रिया पर पुनर्विचार किया जाए तथा सोसाइटी द्वारा संचालित शैक्षणिक संस्थाओं की गैर-लाभकारी प्रकृति को ध्यान में रखा जाए। ज्ञापन में यह भी मांग की गई कि जिला पंचायत द्वारा जारी लाइसेंस/लाइसेंस नवीनीकरण संबंधी नोटिसों को तत्काल स्थगित किया जाए तथा सक्षम स्तर से अंतिम निर्णय होने तक ग्रामीण क्षेत्र के निजी विद्यालयों के विरुद्ध किसी प्रकार की वसूली अथवा दंडात्मक कार्रवाई न की जाए। एसोसिएशन ने जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला पंचायत, शिक्षा विभाग एवं प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन के प्रतिनिधियों की संयुक्त बैठक बुलाकर समस्या का स्थायी समाधान निकालने की भी मांग की है। ज्ञापन में प्रदेश मुख्यमंत्री से भी अनुरोध किया गया है कि प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित निजी विद्यालयों के संबंध में स्पष्ट नीति/निर्देश जारी किए जाएं, जिससे अलग-अलग स्थानीय निकायों द्वारा अलग-अलग प्रकार के कर एवं लाइसेंस के नाम पर विद्यालयों पर अनावश्यक आर्थिक एवं प्रशासनिक भार न डाला जाए। प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन अध्यक्ष अजय श्रीवास्तव एवं महामंत्री धुरव साहू, संजय श्रीवास्तव, मनोज तिवारी, शिशुपाल सिंह, विजय सिंह यादव, वसीम खजुरिया, रामबाबू राजपूत, अरुण कुमार ताम्रकार, आकाश मसीह, वीरेंद्र निरंजन, डी.एस. विवेक, राजेंद्र सिंह यादव, जयप्रकाश नारायण, राजेंद्र सिंह, हरपाल सिंह, संतोष कुमार टोडी, रामसेवक दिवाकर, प्रताप नारायण, अशोक सिंह, हेमंत जोशी, अनुरुद्ध सिंह, मुकेश, सुनील कुमार, भारती, सोनम, कुंदल सिंह, प्रेमशंकर तिवारी, राम गुलाम, जगदीश द्विवेदी, प्रजेंद्र सिंह, सुरेन सिंह कुर्मी, अखिलेश पानी, कल्याण सिंह, राम जीवन, जगत नारायण पटेरिया, सहित समस्त प्रबंधकों एवं एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी एवं जिला पंचायत अध्यक्ष को ज्ञापन सौंपकर विद्यालय संचालकों की समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की।

कुंजान घाट के रिपटा पर उफनती जामनी नदी, जान जोखिम में डालकर गुजर रहे राहगीर

तेज बहाव के बीच रोजाना आवागमन को मजबूर हजारों ग्रामीण, ग्रामीणों ने कुंजान घाट पर शीघ्र पुल निर्माण की उठाई मांग

स्वतंत्र प्रभात | महरौनी

महरौनी तहसील क्षेत्र में करीब एक सप्ताह से हो रही लगातार बारिश के चलते नदी-नाले उफान पर हैं। वहीं महरौनी–नाराहट मुख्य मार्ग स्थित कुंजान घाट पर जामनी नदी के रिपटा के ऊपर तेज वेग से पानी बहने के कारण राहगीरों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। इसके बावजूद प्रतिदिन हजारों ग्रामीण अपनी जान जोखिम में डालकर इस मार्ग से आवागमन करने को मजबूर हैं।

बारिश के कारण जमनी नदी का जलस्तर बढ़ने से कुंजान घाट के रिपटा पर तेज धार बह रही है। ऐसे में राहगीरों के लिए रिपटा पार करना किसी खतरे से कम नहीं है। तेज बहाव के बीच ग्रामीणों के गुजरने के दृश्य कभी भी गंभीर हादसे की आशंका को जन्म दे रहे हैं। विशेषकर दोपहिया वाहन चालकों और पैदल राहगीरों को काफी जोखिम उठाना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि कुंजान घाट पर पुल न होने के कारण बारिश के मौसम में आवागमन की समस्या हर वर्ष गंभीर हो जाती है। नदी में पानी बढ़ने पर रिपटा जलमग्न हो जाता है और कई बार आवागमन बाधित होने की स्थिति बन जाती है। इसके बावजूद स्थायी समाधान नहीं हो सका है। क्षेत्रीय ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन से कुंजान घाट पर जमनी नदी के ऊपर शीघ्र ही मजबूत एवं स्थायी पुल का निर्माण कराए जाने की मांग की है, ताकि बरसात के दिनों में ग्रामीणों को जान जोखिम में डालकर नदी पार न करनी पड़े और महरौनी-नाराहट मार्ग पर आवागमन सुरक्षित एवं सुगम हो सके।

पुलिस की पाठशाला में छात्राओं को साइबर अपराध से बचाव के बताए तरीके, एसपी संजीव कुमार बाजपेयी ने महाविद्यालय में छात्राओं से किया संवाद

ललितपुर। छात्र-छात्राओं को कानून, साइबर सुरक्षा, महिला एवं बाल सुरक्षा तथा यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे पुलिस की पाठशाला अभियान के तहत सोमवार को पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार बाजपेयी ने स्थानीय एक महाविद्यालय में छात्राओं से संवाद किया। इस दौरान साइबर क्राइम थाना पुलिस की मौजूदगी में छात्राओं को विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी देते हुए सुरक्षित एवं जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया गया। एसपी ने छात्राओं को बढ़ते साइबर अपराधों के प्रति सतर्क करते हुए कहा कि किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ अपनी व्यक्तिगत जानकारी, बैंक खाते का विवरण, एटीएम या डेबिट कार्ड की जानकारी, ओटीपी और पासवर्ड साझा न करें। उन्होंने संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने तथा अज्ञात एप्लीकेशन डाउनलोड करने से बचने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि यदि किसी व्यक्ति के साथ ऑनलाइन ठगी हो जाती है तो बिना देरी किए साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं, ताकि ठगी की रकम को रोकने एवं आवश्यक कार्रवाई की दिशा में समय रहते कदम उठाए जा सकें। छात्राओं को महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण के संबंध में भी जागरूक किया गया। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि किसी भी प्रकार की समस्या, उत्पीडन अथवा असुरक्षा महसूस होने पर तत्काल पुलिस को सूचना दें। इस दौरान छात्राओं को महिला हेल्पलाइन 1090, 181 और आपातकालीन पुलिस सेवा 112 के संबंध में जानकारी दी गई।

बकरी चरा रहे बुजुर्ग को तेज रफ्तार कार ने मारी टक्कर, हाथ में फ्रैक्चर

इलाज कराने का भरोसा देकर टीकमगढ़ ले गया चालक

ललितपुर।। थाना महरौनी के मंडी रोड निवासी गोलू उर्फ फोटू पुत्र बालचन्द्र ने बताया कि 18 अगस्त 2026 को दोपहर करीब 12 बजे वह महरौनी में बाईपास कॉलोनी के पास अपनी बकरियां चरा रहे थे। इसी दौरान मलैया कॉलोनी, महरौनी निवासी विवेक अहिरवार सफेद रंग की टाटा टियागो कार संख्या एम.पी.16 सी 0007 टी.सी. को तेज गति और कथित रूप से लापरवाही से चलाते हुए वहां पहुंचे। आरोप है कि कार ने बुजुर्ग को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से गोलू उर्फ फोटू हाथ के बल जमीन पर गिर गए, जिससे उनके दाहिने हाथ में गंभीर चोट आई और फ्रैक्चर हो गया। हादसे के बाद चालक ने उनका इलाज कराने का भरोसा देकर मामला शांत कराया। इसके बाद 24 अगस्त 2026 को आरोपी उन्हें इलाज के लिए टीकमगढ़ स्थित अस्पताल ले गया। आरोप है कि वहां आरोपी ने इलाज नहीं कराया और डॉक्टर का पर्चा तथा एक्स-रे अपने कब्जे में लेकर मौके से फरार हो गया। बताया कि इसके बाद जब उन्होंने आरोपी के घर जाकर इलाज कराने की बात कही तो उसने कथित रूप से इलाज कराने से साफ इनकार कर दिया। इससे परेशान होकर बुजुर्ग ने थाना महरौनी पहुंचकर पुलिस को पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी और कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने गोलू उर्फ फोटू की तहरीर के आधार पर आरोपी विवेक अहिरवार के खिलाफ बीएनएस की धारा 281, 125(ए) और 125(बी) के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया है।

पुरानी रंजिश में दुकान के पास बैठे युवक पर चार लोगों ने किया हमला

ललितपुर। थाना जखौरा क्षेत्र के ग्राम ननौरा महेन्द्र सिंह पुत्र राघवेन्द्र सिंह ने बताया कि 29 अगस्त 2026 की रात करीब 10 बजे वह गांव में सुनील साहू की दुकान के पास बैठा हुआ था। इसी दौरान गांव के ही सुनील, कल्याण, कप्तान सिंह और घनश्याम, सभी पुत्रगण बृषभान सिंह लोधी, वहां पहुंच गए। आरोप है कि चारों ने पुरानी रंजिश को लेकर महेन्द्र सिंह के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। जब महेन्द्र ने इसका विरोध किया तो आरोपियों ने एकराय होकर उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। इसी दौरान वहां मौजूद महेन्द्र सिंह पुत्र गोविंद दास प्रजापति निवासी ग्राम ननौरा ने बीच-बचाव करने का प्रयास किया। आरोपियों ने बीच-बचाव करने आए दूसरे महेन्द्र सिंह के साथ भी मारपीट की। घटना के बाद दोनों को जान से मारने की धमकी देते हुए आरोपी मौके से फरार हो गए। घटना से गांव में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। मामले में थाना जखौरा में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 115(2), 118(1), 351(3) और 352 के तहत मुकदमा पंजीकृत किया है।

ललित टाकीज-घंटाघर मार्ग पर अतिक्रमण का बोलबाला, राहगीरों का निकलना मुश्किल

» जूता-चप्पल लाइन में सड़क के दोनों ओर दुकानदारों ने जमाया कब्जा
» रोज लग रहा घंटों जाम, डीएम से कार्रवाई की मांग

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

शहर के व्यस्त ललित टाकीज से घंटाघर जाने वाले जूता-चप्पल वाली लाइन मार्ग पर कथित व्यापक अतिक्रमण के चलते आम राहगीरों और स्थानीय लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सड़क के दोनों ओर दुकानदारों द्वारा नीचे से लेकर ऊपर तक किए गए अतिक्रमण के कारण मार्ग संकरा हो गया है और आए दिन जाम की स्थिति बनी रहती है। समस्या से परेशान स्थानीय लोगों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर तत्काल अतिक्रमण हटवाने और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। ज्ञापन में प्रार्थीगणों ने बताया कि ललित टाकीज से घंटाघर जाने वाले मार्ग पर स्थित जूता-चप्पल वाली लाइन में दुकानदारों द्वारा सड़क तक सामान फैलाकर कथित रूप से अतिक्रमण कर लिया गया है। आरोप है कि कई स्थानों पर अतिक्रमण सड़क की सीमा से काफी आगे तक है और नीचे के साथ-साथ करीब 10 से 15 फीट ऊंचाई तक भी अतिक्रमण किया गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क का बड़ा हिस्सा अतिक्रमण की चपेट में आने से वाहनों और पैदल राहगीरों के लिए पर्याप्त जगह नहीं बचती। इसके चलते दिनभर यातायात प्रभावित रहता है और कई बार घंटों तक जाम की स्थिति बनी रहती है। शिकायत में यह भी बताया गया है कि इसी मार्ग पर एक हैंडपंप भी स्थित है। आरोप है कि उसके आसपास भी अतिक्रमण कर लिया गया है, जिसके कारण दूर से हैंडपंप दिखाई तक नहीं देता। इससे राहगीरों और स्थानीय लोगों को पेयजल के लिए भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ज्ञापन देने वाले लोगों ने आरोप लगाया कि अतिक्रमण का विरोध करने पर संबंधित लोग गाली-गलौज करने लगते हैं और विवाद की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। स्थानीय लोगों ने आशंका जताई कि यदि समय रहते अतिक्रमण नहीं हटाया गया तो किसी दिन विवाद गंभीर रूप ले सकता है। यहां के व्यापारियों ने जिलाधिकारी से मांग की है कि ललित टाकीज से घंटाघर तक जूता-चप्पल वाली लाइन में दुकानों के बाहर दोनों ओर सड़क तक किए गए अतिक्रमण की तत्काल जांच कराई जाए। साथ ही सड़क के नीचे और ऊपर तक किए गए अतिक्रमण को हटाकर मार्ग को पूरी तरह अतिक्रमण मुक्त कराया जाए। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से यह भी मांग की है कि अतिक्रमण हटाने के बाद दोबारा सड़क पर कब्जा न हो, इसके लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाए और मार्ग पर नियमित निगरानी रखी जाए। ज्ञापन पर कपिल जैन, प्रक्षाल, बालाजी, रामशरण, पिंटू, खान, अमित सरफ सहित अन्य प्रार्थीगण के नाम एवं हस्ताक्षर शामिल हैं।

आवासीय कॉलोनी में अवैध कारखाने के संचालन से लोग परेशान, डीएम को सौंपा ज्ञापन

» भारी मशीनों के शोर से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित
» बुजुर्गों और मरीजों को भी परेशानी, तत्काल बंद कराने की मांग

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

नगर के वंशीपुरा स्थित बसंत विहार कॉलोनी में आवासीय क्षेत्र के बीच कथित रूप से संचालित हो रहे अवैध कारखाने को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी है। कॉलोनीवासियों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर कारखाने को तत्काल बंद कराने तथा मामले में नियमानुसार कठोर कार्रवाई किए जाने की मांग की है। कॉलोनीवासियों का आरोप है कि बसंत विहार कॉलोनी निवासी राजेंद्र सिंह सरदार अपने आवासीय मकान में खराद मशीन, कटर, ग्राइंडर और हाइड्रोलिक हैमर जैसी भारी मशीनें लगाकर वाहनों की मरम्मत का कार्य कर रहे हैं। आवासीय क्षेत्र में भारी मशीनों के संचालन से दिनभर तेज आवाज और शोरगुल होता रहता है, जिससे आसपास रहने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ज्ञापन में स्थानीय निवासियों ने बताया कि कारखाने से निकलने वाले लगातार तेज शोर के कारण छोटे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। वहीं बुजुर्गों और बीमार लोगों को भी तेज आवाज एवं प्रदूषण के चलते परेशानी हो रही है। लोगों का कहना है कि आवासीय क्षेत्र में इस तरह भारी मशीनों का संचालन होने से कॉलोनी का शांत वातावरण प्रभावित हो गया है। कॉलोनीवासियों का आरोप है कि कारखाना संचालित करने के लिए संबंधित विभाग अथवा नगर पालिका परिषद से किसी प्रकार की अनुमति या लाइसेंस नहीं लिया गया है। लोगों के अनुसार, इस मामले में पूर्व में उपजिलाधिकारी सदर द्वारा स्थलीय निरीक्षण भी किया जा चुका है। आरोप है कि निरीक्षण के बाद नगर पालिका परिषद को कारखाना बंद कराने के मौखिक निर्देश दिए गए थे, लेकिन इसके बावजूद अब तक प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। स्थानीय लोगों ने यह भी आरोप लगाया कि कारखाने के बाहर दोपहिया वाहनों और बाहरी लोगों का लगातार जमावड़ा लगा रहता है। इससे कॉलोनी की महिलाओं, बच्चों और अन्य राहगीरों को आवागमन में परेशानी होती है। लोगों ने आशंका जताई कि वाहनों और बाहरी व्यक्तियों की भीड़ के कारण भविष्य में विवाद की स्थिति भी उत्पन्न हो सकती है। कॉलोनीवासियों ने जिलाधिकारी से मामले की जांच कराकर आवासीय क्षेत्र में संचालित कथित अवैध कारखाने को तत्काल बंद कराने तथा संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई किए जाने की मांग की है। ज्ञापन देने वालों में मोनू राजपूत, दीपक कुमार, राजेश भट्ट, निशा पुरोहित, महिमा, सोनू राजपूत सहित बड़ी संख्या में कॉलोनीवासी मौजूद रहे।

ग्राम खुरा मारपीट मामले में घायल छोटे भाई की मौत, सदन शाह चौराहे पर लगाया जाम

जमीन को लेकर सगे भाइयों में डेढ़ माह पूर्व हुई थी मारपीट

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

पुलिस ने परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए किया राजी

सदन शाह चौराहे पर यातायात रहा ठप्प

घायल भाई की मौत के बाद कोहराम मच गया था, शव ललितपुर मुख्यालय लाने के बाद पोस्टमार्टम कराया गया। यहां परिजनों ने एक राय होकर सदन शाह चौराहे पर जाम लगाने का फैसला किया। रास्ता बंद होने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और छुट्टा घूम रहे आरोपियों की गिरफ्तारी का आश्वासन दिया। आश्वासन के बाद परिजन शव का अंतिम संस्कार कराने अपने पैतृक गांव खुरा ले गये।

सदर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम खुरा में पैतृक जमीन के बटवारे को लेकर दो भाइयों के बीच हुई मारपीट में घायल हुए छोटे भाई की झांसी मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान मौत हो गई जिसके बाद उसके परिजन सब लेकर जिला मुख्यालय पहुंचे और पुलिस की मदद से पोस्टमार्टम कराया। बताया गया है कि इस मारपीट का मामला सदर कोतवाली में दर्ज किया गया था और कुछ आरोपियों को जेल भी भेजा गया था। बाकी आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर मृतक परिजनों ने सदन शाह चौराहे पर जाम लगा दिया। भारी भीड़ की सूचना मिलने पर पुलिस बल मौके पर पहुंचा। किसी तरह परिजनों को समझा बुझा कर शव के अंतिम संस्कार के लिए राजी किया।

ग्राम खुरा निवासी 44 वर्षीय बादाम सिंह पुत्र इमरत सिंह का पैतृक जमीन के बंटवारे को लेकर गत 15 जुलाई 2026 को विवाद अपने ही बड़े भाई त्रिलोक सिंह से हुआ था। जिसके चलते बड़े भाई ने अपने पुत्र अनितेश और परिजनों के साथ मिलकर एक राय होकर अपने छोटे भाई के साथ गाली-गलौज करते हुए लाठी डंडों से मारपीट की थी तथा धारदार हथियार से उस पर जानलेवा हमला किया था, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हुआ था। गंभीर रूप से घायल बादाम सिंह को इलाज के लिए ललितपुर मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था, जहां से उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे झांसी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया था। तब से लेकर अब तक उसका झांसी मेडिकल कॉलेज महिला चल रहा था और रविवार को शाम उसकी मौत हो गई। इसके बाद मृतक के परिजन शव को लेकर जिला मुख्यालय पहुंचे, जहां पुलिस ने उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस मामले में मृतक के परिजनों द्वारा दिए गए शिकायती पत्र के आधार पर सदर कोतवाली पुलिस ने मामले को अपराध संख्या 783/26 दर्ज किया था, जिसमें आरोपी त्रिलोक पुत्र अमित, कृपाल पुत्र त्रिलोक, श्रीमती कमलेश, श्रीमती रवीना, श्रीमती रेखा के साथ अन्य आरोपियों को नामजद किया गया था। किसके साथ ही पुलिस ने अनितेश पुत्र त्रिलोक और जयदीप पुत्र जगत सिंह को गिरफ्तार कर जेल भी भेज दिया था।

बैंक से रुपये निकालकर लौट रहे सरकारी कर्मचारी से मारपीट, 22,725 रुपये लूटे

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

थाना कोतवाली क्षेत्र में हवाई पट्टी के पास ग्रामीण अभियंत्रण विभाग के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी को रास्ते में रोककर मारपीट करने, नकदी छीनने, मोबाइल तोडने और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीडित की शिकायत पर कार्रवाई न होने के बाद न्यायालय के आदेश से पुलिस ने नामजद समेत दो अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्राम सिलगन निवासी फूल सिंह पुत्र जग्गू विकास भवन स्थित ग्रामीण अभियंत्रण विभाग में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी हैं। पीडित ने तहरीर में बताया कि 5 जून 2026 को उन्होंने पंजाब नेशनल बैंक की शाखा से अपने वेतन के 35 हजार रुपये निकाले थे। इनमें से 12,500 रुपये पीपीएफ खाते में जमा करने के बाद शेष 22,500 रुपये घरेलू खर्च के लिए अपने पास रख लिए थे। उसी दिन खेत से काम निपटाकर वह शाम करीब 6.30 बजे मोटर साइकिल से ग्राम सिलगन लौट रहे थे। हवाई पट्टी के पास पहुंचने पर कैलाश पुत्र कनई निवासी ग्राम मौगान, हाल निवासी सिलगन, राजपाल लोधी और दो अज्ञात व्यक्तियों ने रास्ता रोक लिया। आरोप है कि सभी लोग शराब के नशे में थे और रुपये की मांग करने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने मारपीट करते हुए उनकी जेब से कथित रूप से 22,725 रुपये जबरन निकाल लिए। आरोप लगाया कि हमलावरों ने उनका एलजी कंपनी का मोबाइल फोन जमीन पर पटककर क्षतिग्रस्त कर दिया तथा मोटरसाइकिल की हवा भी निकाल दी। शोर सुनकर वहां से गुजर रहे रामकिशन निवासी दैलवारा और अनंतराम यादव निवासी रोंडा ने घटना को देखा। आरोप है कि जाते समय हमलावरों ने कर्मचारी को जान से मारने की धमकी भी दी। फूल सिंह के अनुसार, घटना के बाद उन्होंने स्थानीय पुलिस से शिकायत की, लेकिन सुनवाई नहीं होने पर पुलिस अधीक्षक को रजिस्टर्ड डाक के माध्यम से प्रार्थना पत्र भेजा। इसके बाद न्यायालय की शरण ली गई। न्यायालय के निर्देश पर पुलिस ने मामले में बीएनएस की धारा 303(2), 352, 324(2) और 351(3) के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

संक्षिप्त खबरें

तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से वृद्ध महिला की मौत

ललितपुर। थाना जखौरा के ग्राम सीरौनकलां कोमल पुत्र भुज्जा सहरिया ने बताया कि 29 अगस्त 2026 को दोपहर करीब 12 बजे उसकी 62 वर्षीय मां श्रीमती इंद्राणी खेत से काम निपटाकर घर लौट रही थीं। बताया गया कि इंद्राणी जब सीरौनकलां की सड़क पर पहुंचीं, तभी सामने से तेज गति और लापरवाही से मोटरसाइकिल संख्या यू.पी. 94 ए.जे.5944 चलाते हुए आ रहे सत्यभान उर्फ सत्तू पुत्र वीरन, दत्तक पुत्र देवी सहरिया निवासी ग्राम सीरौनकलां ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। बाइक की टक्कर लगने से इंद्राणी सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गईं। हादसे की जानकारी मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और घायल महिला को तत्काल उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जखौरा ले गए।

दुकान में शराब पीने से मना किया तो किराना दुकानदार के घर में घुसे दबंग

ललितपुर। थाना महरौनी क्षेत्र के ग्राम छिल्ला में किराना दुकान पर बैठकर शराब पीने से मना करना दुकानदार को भारी पड़ गया। आरोप है कि शराब पी रहे दो लोगों ने दुकानदार के साथ मारपीट की और जब वह जान बचाकर घर के अंदर भागा तो आरोपी उसके पीछे घर में घुस गए। वहां लाठी-डंडों से दुकानदार की पिटाई करने के साथ बीच-बचाव करने आए उसकी पत्नी और पिता को भी पीट दिया। आरोपियों पर घर में रखे सामान में तोडफ़ोड़ करने और जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप है। तहरीर पर महरौनी पुलिस ने दो नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना महरौनी के ग्राम छिल्ला निवासी नरेश पुत्र वंशीलाल चढार ने बताया कि वह अपने मकान के पास ही किराना की दुकान चलाकर परिवार का भरण-पोषण करता है। 29 अगस्त 2026 की शाम करीब चार बजे गांव के ही भीकम सिंह पुत्र मुलायम सिंह और पवन पुत्र पप्पू लोधी उसकी दुकान पर आए। आरोप है कि दोनों दुकान के अंदर बैठकर शराब पीने लगे। नरेश ने जब उन्हें दुकान में शराब पीने से मना किया तो दोनों ने उसके साथ गाली-गलौज करते हुए लात-घूंसों से मारपीट शुरू कर दी।

दुर्गादास राठौर की प्रतिमा का निर्माण रुकने से राठौर समाज में आक्रोश

बोर्ड बैठक में प्रस्ताव पारित और टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद शुरू हुआ था काम

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

नगर के बस स्टैंड के पास वीर शिरोमणि एवं राष्ट्रवीर दुर्गादास राठौर की प्रस्तावित प्रतिमा का निर्माण कार्य अचानक रोके जाने से जिला राठौर समाज में नाराजगी है। मामले को लेकर जिला राठौर समाज के पदाधिकारियों और भाजपा के स्थानीय नेतृत्व ने जिलाधिकारी को अलग-अलग ज्ञापन एवं पत्र सौंपकर प्रतिमा निर्माण कार्य फिर से शुरू कराने की मांग की है। जिला राठौर समाज के पदाधिकारियों के अनुसार, समाज की मांग पर नपाध्यक्ष सोनाली जैन की अध्यक्षता में आयोजित बोर्ड बैठक में बस स्टैंड के पास राष्ट्रवीर दुर्गादास राठौर की प्रतिमा स्थापित किए जाने का प्रस्ताव रखा गया था। समाज का दावा है कि प्रस्ताव को बोर्ड बैठक में ध्वनिमत से पारित किया गया। इसके बाद नगर पालिका परिषद द्वारा टेंडर प्रक्रिया पूरी की गई और ठेकेदार ने मौके पर करीब 4वाई6 फीट का प्लेटफॉर्म तथा छह फीट ऊंचाई का निर्माण कार्य शुरू किया। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि निर्माण कार्य चल रहा था, इसी दौरान नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी मौके पर पहुंचे और कार्य को रुकवा दिया। ठेकेदार द्वारा पूछे जाने पर कथित रूप से बताया गया कि निर्माण कार्य जिलाधिकारी के आदेश पर रोका गया है। अचानक निर्माण कार्य बंद होने की जानकारी से राठौर समाज के लोगों में नाराजगी फैल गई। समाज के पदाधिकारियों का कहना है कि जब बोर्ड बैठक में प्रस्ताव पारित होने के बाद नगर पालिका द्वारा टेंडर प्रक्रिया पूरी की गई और उसके बाद निर्माण कार्य शुरू हुआ, तो अचानक इसे रोकने का कारण स्पष्ट किया जाना चाहिए। इस मामले में भाजपा नगर अध्यक्ष भगत सिंह राठौर ने भी जिलाधिकारी को अलग से पत्र सौंपा। पत्र में उन्होंने कहा कि राष्ट्रवीर दुर्गादास राठौर की प्रतिमा नगर पालिका परिषद के स्वामित्व वाली भूमि पर बस स्टैंड के पास स्थापित की जा रही है। उनके अनुसार प्रतिमा स्थापना से संबंधित आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी की जा चुकी हैं तथा बोर्ड बैठक में प्रस्ताव पारित होने के बाद टेंडर प्रक्रिया भी पूर्ण की गई है। उन्होंने कहा कि जिले में अन्य स्थानों पर भी महापुरुषों की प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं और ऐसे निर्माण कार्यों को नहीं रोका गया। इसलिए उन्होंने जिलाधिकारी से मामले में फिर से आदेश जारी कर प्रतिमा निर्माण कार्य शुरू कराने का अनुरोध किया, जिससे समाज में व्याप्त आक्रोश समाप्त हो सके। राष्ट्रीय संरक्षक महासभा आशाराम राठौर, भाजपा नगराध्यक्ष भगत सिंह राठौर, समाज जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर राठौर, महामंत्री नीलेश्वर राठौर, कोषाध्यक्ष अरविंद राठौर बैटरी, उपाध्यक्ष रतनलाल राठौर डोंगरा, संगठन मंत्री अजय राठौर, जिला मीडिया प्रभारी शिब्बू राठौर, जिला प्रभारी विनोद कुमार राठौर (मुनीम), रविशंकर राठौर पूर्व पार्षद, संतोष राठौर, जिला प्रवक्ता संतोष राठौर ट्रेवल्स, अतुल राठौर आदि रहे मौजूद रहे।

भैंस के फसल चरने के विवाद में महिला से मारपीट

ललितपुर। थाना महरौनी क्षेत्र के ग्राम भैरा में भैंस द्वारा खेत में फसल नुकसान किए जाने को लेकर हुए विवाद में एक महिला के साथ मारपीट और गाली-गलौज का मामला सामने आया है। आरोप है कि तीन लोगों ने महिला के घर के सामने पहुंचकर पहले विवाद किया और विरोध करने पर उसके साथ मारपीट कर दी। आरोपियों ने पुलिस से शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी भी दी। तहरीर पर महरौनी पुलिस ने तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। महरौनी के ग्राम भैरा निवासी स्वाती पत्नी रामपाल सिंह ने बताया कि 28 अगस्त 2026 की रात करीब नौ बजे गांव के ही कुछ लोग उसके घर के सामने आ गए। आरोपियों ने उसकी भैंस द्वारा खेत में नुकसान किए जाने की बात कहते हुए विवाद शुरू कर दिया। आरोप था कि उसकी भैंस आए दिन खेत में घुसकर फसल खराब करती है।

हाइवे के गड्ढों ने छीनी दंपती की जिंदगी, मासूमों के सिर से उठा माता-पिता का साया

» गंभीर घायल भाई-बहन के इलाज और परवरिश के लिए सरकारी मदद की दरकार, मजदूरी कर परिवार पालता था शिशुपाल

स्वतंत्र प्रभात | तालबेहट

नेशनल हाईवे-44 पर गड्ढों के कारण हुए दर्दनाक हादसे में जान गंवाने वाले दंपती के परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। रक्षाबंधन पर्व मनाकर घर लौट रहे राजपुर कोटरा निवासी शिशुपाल (26) और उनकी पत्नी छाया (26) की सड़क हादसे में मौत हो गई थी। हादसे में उनके पांच वर्षीय बेटे अरमान और चार वर्षीय बेटी अर्पिता भी गंभीर रूप से घायल हो गए थे। हादसे के बाद दोनों मासूमों के सिर से माता-पिता का साया उठ गया है।

परिजनों के मुताबिक शिशुपाल मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। परिवार की आर्थिक स्थिति पहले से ही बेहद कमजोर है। हादसे में कमाने वाले बेटे और बहू की मौत के बाद परिवार के सामने अब मासूम बच्चों के इलाज, पढ़ाई और परवरिश की बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है।

गड्ढों ने उजाड़ दिया परिवार

परिजनों का आरोप है कि नेशनल हाईवे-44 पर जगह-जगह बने बड़े-बड़े गड्ढे हादसों को न्योता दे रहे हैं। इसी बदहाल सड़क की वजह से परिवार का सफर मातम में बदल गया। एक ओर दंपती की मौत का गम है तो दूसरी ओर गंभीर रूप से घायल मासूमों के भविष्य की चिंता परिजनों को सताए जा रही है।

सरकारी मदद की आस

दंपती की मौत के बाद परिवार की आर्थिक स्थिति बेहद खराब हो गई है। परिजनों और ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि मासूम अरमान और अर्पिता के बेहतर इलाज की व्यवस्था कराने के साथ उन्हें आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाए। साथ ही दोनों बच्चों की पढ़ाई और भविष्य की परवरिश के लिए भी सरकारी स्तर पर मदद की व्यवस्था की जाए।

ग्रामीणों ने कहा कि हादसे में दो जिंदगियां चली गईं, लेकिन यदि हाईवे के गड्ढों की समय रहते मरम्मत करा दी जाती तो शायद इस परिवार को यह दिन नहीं देखना पड़ता। उन्होंने प्रशासन से हाईवे की तत्काल मरम्मत कराकर भविष्य में ऐसे हादसों पर रोक लगाने की मांग की है।

केसीसी कर्ज चुकाने को पिता ने बेची जमीन, बड़े बेटों ने जताई आपत्ति तो तहसील में भिड़े दो पक्ष

रजिस्ट्रार कार्यालय के सामने लाठी-डंडे व चप्पलों से मारपीट, महिलाओं ने भी संभाला मोर्चा

स्वतंत्र प्रभात | महरौनी

महरौनी तहसील परिसर में जमीन की रजिस्ट्री को लेकर पिछले करीब छह-सात माह से चला आ रहा विवाद सोमवार को एक बार फिर हिंसक हो गया। रजिस्ट्रार कार्यालय के सामने दो पक्षों में कहासुनी के बाद जमकर मारपीट हुई। दोनों पक्षों के पुरुषों के साथ महिलाओं ने भी एक-दूसरे पर लाठी-डंडों, हॉकी व चप्पलों से हमला किया, जिससे तहसील परिसर में अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार, ग्राम गदोरा निवासी पटेल पक्ष जमीन का क्रेता बताया जा रहा है, जबकि जमीन विक्रेता पक्ष से गुढ़ा खिरिया निवासी रघुवर कुशवाहा का नाम सामने आया है। रघुवर कुशवाहा के तीन पुत्र भोले, जगदीश और देशराज बताए गए हैं। बताया गया है कि रघुवर वर्तमान में अपने छोटे पुत्र देशराज के साथ रहते हैं।

परिजनों के अनुसार, रघुवर कुशवाहा के नाम केसीसी का कर्ज है, जिसे चुकाने के लिए उन्होंने अपनी जमीन बेचने का निर्णय लिया। वहीं, उनके बड़े पुत्र भोले और जगदीश कथित तौर पर जमीन की रजिस्ट्री का विरोध कर रहे हैं। उनका आरोप है कि छोटे भाई द्वारा पिता से जबरन रजिस्ट्री कराई जा रही है। इसी विवाद को लेकर सोमवार को रजिस्ट्रार कार्यालय में दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और कहासुनी के बाद मारपीट शुरू हो गई। बताया गया कि दोनों पक्षों के बीच करीब एक माह पहले भी मारपीट हो चुकी है। सोमवार की घटना के दौरान पुलिस की मौजूदगी के बावजूद कुछ समय तक दोनों पक्षों में जमकर मारपीट होती रही। सूचना पर कोतवाली प्रभारी राजा दिनेश सिंह के नेतृत्व में उपनिरीक्षक अरविंद सिंह, कांस्टेबल धर्मेंद्र पांडे सहित पुलिस टीम मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को अलग कर स्थिति को शांत कराया। पुलिस कुछ लोगों को पूछताछ के लिए कोतवाली ले गई। मामले में पुलिस द्वारा आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

22 सितंबर को धूमधाम से निकलेगी जल बिहार शोभायात्रा, होगी महाआरती

श्रीरामलीला हनुमान जयंती महोत्सव समिति की बैठक में तैयारियों को लेकर सौंपी गई जिम्मेदारियां

ललितपुर। जल विहार (डोल ग्यारस) पर्व को इस वर्ष भी परंपरागत श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया जाएगा। आयोजन को भव्य स्वरूप देने के लिए श्रीरामलीला हनुमान जयंती महोत्सव समिति ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसी क्रम में समिति की बैठक महामंत्री डा.प्रबल सक्सेना के आवास पर अध्यक्ष पं.बृजेश चतुर्वेदी की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में जल विहार पर्व की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा करते हुए समिति के सदस्यों को विभिन्न व्यवस्थाओं की जिम्मेदारियां सौंपी गईं। समिति ने निर्णय लिया कि 22 सितंबर, मंगलवार को नगर के विभिन्न मंदिरों से भगवान के विमानों की भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। शोभायात्रा का शुभारंभ शाम 5 बजे श्री रघुनाथ जी मंदिर, चौबयाना से होगा। विमानों में विराजमान भगवान श्रीबांके बिहारी गाजे-बाजे और धार्मिक जयघोष के बीच जल विहार के लिए सुमेरा तालाब की ओर रवाना होंगे। शोभायात्रा अपने परंपरागत मार्ग से चौबयाना, रावरपुरा, सुभाषपुरा, घंटाघर, वीर सावरकर चौक और तालाबपुरा होते हुए सुमेरा तालाब पहुंचेगी। यहां धार्मिक विधि-विधान के साथ भगवान श्रीबांके बिहारी का जल विहार कराया जाएगा। इसके लिए पवित्र गंगाजल से जलाभिषेक किया जाएगा। जल विहार एवं जलाभिषेक के उपरांत रात्रि 8 बजे महाआरती का आयोजन होगा। महाआरती के बाद सभी विमान वापस वीर सावरकर चौक होते हुए कटरा बाजार स्थित गणेश झांकी स्थल पहुंचेंगे। आयोजन को और अधिक भव्य एवं व्यवस्थित बनाने के लिए 6 सितंबर, रविवार को दोपहर 1 बजे श्रीरघुनाथ जी बड़ा मंदिर, चौबयाना में नगर के सभी प्रमुख मंदिरों के प्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में आयोजन को लेकर नए सुझावों पर विचार-विमर्श किया जाएगा तथा जल विहार कार्यक्रम की अंतिम रूपरेखा तैयार की जाएगी। बैठक का संचालन समिति महामंत्री डा.प्रबल सक्सेना ने किया। इस दौरान पं.रमेश रावत, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पं.श्यामाकांत चौबे, उपाध्यक्ष राजेश दुबे, प्रबंधक रिंकू हरविंदर सिंह सलूजा, कोषाध्यक्ष अमित तिवारी, संयोजक पं.जगदीश पाठक, मंत्री राकेश तामिया, ऑडिटर चंद्रशेखर राठौर, संगठन मंत्री भरत रिछारिया, शिवकुमार शर्मा, धर्मेंद्र चौबे, अवधेश कौशिक, शुभम कौशिक, के.के.साहू, कृष्णकांत तिवारी, मुन्नालाल त्यागी सहित समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। समिति पदाधिकारियों ने बताया कि जल विहार पर्व नगर की धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपरा से जुड़ा महत्वपूर्ण आयोजन है।

बहू को छोडने गए बुजुर्ग से गाली-गलौज कर मारपीट

ललितपुर। थाना जाखलौन क्षेत्र के ग्राम दावनी में अपनी बहू को छोडने गए एक बुजुर्ग के साथ गाली-गलौज और मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि दो लोगों ने पहले बुजुर्ग के साथ अभद्रता करते हुए गाली-गलौज की और विरोध करने पर मारपीट कर दी। घटना के बाद आरोपियों ने जान से मारने की धमकी भी दी। तहरीर पर जाखलौन पुलिस ने दोनों नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना नाराहट के ग्राम महाराजपुरा निवासी रघुनाथ सिंह पुत्र जोधन सिंह ने बताया कि 29 अगस्त 2026 को दोपहर करीब दो बजे वह अपनी छोटी बहू प्रीति पत्नी छत्रपाल लोधी को छोडने के लिए ग्राम दावनी आए थे। गांव में पहुंचने के दौरान वहां के निवासी प्रसन्न लोधी और जगत लोधी पुत्रगण प्रताप सिंह उनके पास आए और गाली-गलौज करने लगे। रघुनाथ सिंह ने जब इसका विरोध किया तो आरोप है कि दोनों ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। मारपीट में उन्हें चोटें आईं। तहरीर में बताया गया कि घटना के बाद दोनों आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से चले गए। घटना से परेशान पीड़ित ने थाने पहुंचकर पुलिस से कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने रघुनाथ सिंह की तहरीर के आधार पर थाना जाखलौन में बीएनएस की धारा 115(2), 352 और 351(3) के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

कूड़े के ढेर में शराब के पाउच, गौवंश के लिए बना खतरा

» रानीपुरा में सरकारी ठेके के पास गंदगी का अंबार
» शिकायतों के बाद भी जिम्मेदारों की नजर-ए-इनायत नहीं

स्वतंत्र प्रभात | तालबेहट

गौवंश के पेट में पहुंच सकता है प्लास्टिक

कूड़े में पड़े प्लास्टिक और शराब के पाउच के बीच गौवंश के चारा तलाशने से ग्रामीणों में चिंता है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते कूड़ा नहीं हटाया गया तो गौवंश के पाउच अथवा प्लास्टिक निगलने का खतरा बना रहेगा। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि मौके से तत्काल कूड़ा हटवाकर नियमित सफाई कराई जाए और शराब की दुकान के आसपास कचरा फेंकने की व्यवस्था पर प्रभावी रोक लगाई जाए। साथ ही पूर्व में की गई शिकायतों की जांच कर जिम्मेदारों पर कार्रवाई की जाए।

पंचायत खांदी के मजरा रानीपुरा में सरकारी शराब की दुकान के आसपास फैली गंदगी लोगों के साथ-साथ गौवंश के लिए भी परेशानी का सबब बनी हुई है। मौके की तस्वीर में सड़क किनारे बड़ी मात्रा में कूड़ा-कचरा और शराब के खाली पाउच बिखरे दिखाई दे रहे हैं। इसी कचरे के बीच गौवंश पाउच और अन्य सामग्री के बीच चारा तलाशता नजर आ रहा है, जिससे उनके स्वास्थ्य को खतरा बना हुआ है।

ग्रामीणों का आरोप है कि शराब की दुकान से निकलने वाले खाली पाउच और अन्य कचरा आसपास ही फेंक दिया जाता है। देखते ही देखते यहां कूड़े का ढेर लग गया है। हालात यह हैं कि राहगीरों और स्थानीय लोगों को भी दुर्गंध तथा गंदगी के बीच से गुजरना पड़ रहा है।

ग्रामीणों के मुताबिक विकासखंड अधिकारी से लेकर एसडीएम तक कई बार शिकायत की जा चुकी है, लेकिन इसके बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ। ग्रामीणों का कहना है कि जिले की बड़ी आबादी और बजट वाली पंचायतों में शामिल खांदी के मजरा रानीपुरा में बुनियादी स्वच्छता व्यवस्था की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है।

भीड़ में बिछड़ा दो वर्षीय मासूम, महरौनी पुलिस ने सकुशल मां की गोद में पहुंचाया

रक्षाबंधन की चहल-पहल के बीच रोते मिले दिव्यांश को पुलिस ने माइक से कराया ऐलान

स्वतंत्र प्रभात | महरौनी

रक्षाबंधन पर्व की चहल-पहल के बीच इंदिरा चौराहा पर परिवार से बिछड़े दो वर्षीय मासूम दिव्यांश को महरौनी पुलिस की सतर्कता से सकुशल उसकी मां की गोद मिल गई।

जानकारी के अनुसार, ग्राम बड़ा मलहरा, जिला छतरपुर (मध्य प्रदेश) निवासी रागिनी सपेरा पत्नी मानसिंह अपने दो वर्षीय पुत्र दिव्यांश के साथ रक्षाबंधन मनाने ग्राम पचौड़ा स्थित अपने भाई मेहुल सपेरा के घर आई थीं। इसी दौरान इंदिरा चौराहा के पास भीड़ में दिव्यांश अचानक उनसे बिछड़ गया और रोने लगा।

कस्बे में गश्त कर रहे हेड कांस्टेबल राघवेंद्र सिंह राजावत और धर्मेंद्र पांडे की नजर रोते हुए मासूम पर पड़ी। पुलिसकर्मियों ने तत्काल बच्चे को अपनी सुरक्षा में लिया और नगर पंचायत के माइक से उसके परिजनों की तलाश के लिए अनाउंसमेंट कराया। इसके बाद बच्चे को सकुशल कोतवाली पहुंचाकर थाना प्रभारी राजा दिनेश सिंह को सूचना दी गई। अनाउंसमेंट और स्थानीय लोगों से मिली सूचना के आधार पर मासूम की मां रागिनी सपेरा कोतवाली पहुंचीं। आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के बाद पुलिस ने दिव्यांश को सकुशल उसकी मां के सुपुर्द कर दिया। बच्चे को अपनी गोद में पाकर मां की आंखें खुशी से छलक उठीं और उन्होंने महरौनी पुलिस का हृदय से आभार जताया।

मास परायण पाठ के समापन पर भव्य कन्या भोज व विशाल भंडारा, हजारों श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया प्रसाद

कन्या पूजन के साथ हुआ आयोजन का शुभारंभ, देर रात तक चलता रहा प्रसाद वितरण

स्वतंत्र प्रभात | महरौनी

पावन सावन मास के उपलक्ष्य में श्री लक्ष्मीनारायण जी मंदिर महरौनी में आयोजित मास परायण पाठ के समापन उपरांत रविवार को सभी श्रद्धालुओं के सहयोग से नगर कन्या भोज एवं विशाल भंडारा प्रसाद वितरण का भव्य आयोजन किया गया। धार्मिक एवं भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुए आयोजन में नगर की हजारों कन्याओं सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीलम दुष्यंत बडोनियां एवं मंदिर प्रबंध समिति के सदस्यों द्वारा मंदिर परिसर में देवी स्वरूपा कन्याओं का विधि-विधान एवं भावपूर्वक पूजन कर किया गया। कन्याओं को प्रेमपूर्वक भोजन कराया गया तथा दक्षिणा भेंट कर उनका आशीर्वाद लिया गया। इसके पश्चात सद्भावना मंच पर नगर की हजारों कन्याओं एवं श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद वितरण का क्रम शुरू हुआ। विशाल संख्या में पहुंची कन्याओं और श्रद्धालुओं ने श्रद्धापूर्वक प्रसाद ग्रहण किया, जिससे पूरा आयोजन भव्य एवं दिव्य स्वरूप में नजर आया। श्री लक्ष्मीनारायण भगवान की कृपा एवं मां अन्नपूर्णा के आशीर्वाद से विशाल भंडारा दोपहर से लेकर देर रात तक सुचारु एवं सुव्यवस्थित ढंग से चलता रहा। प्रसाद वितरण की व्यवस्था में श्रद्धालुओं एवं सेवाभावी भक्तों ने पूरे समर्पण के साथ अपनी सेवाएं दीं। आयोजन के दौरान कहीं से किसी प्रकार की कमी अथवा असुविधा नहीं हुई। भंडारे को सफल बनाने में नगर एवं क्षेत्र के श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर सहयोग किया। सेवा, समर्पण और श्रद्धा से ओत-प्रोत इस आयोजन ने धार्मिक एकता एवं सद्भाव की सुंदर मिसाल प्रस्तुत की। आयोजन की सफलता में योगदान देने वाले सभी भक्त एवं सेवाभावीजन बधाई के पात्र रहे।

सैलून पर सेविंग कराने गए दलित युवक पर फावड़े से जानलेवा हमला

ललितपुर। थाना कोतवाली क्षेत्र के रावतयाना मोहल्ले में सैलून पर बाल कटवाने और सेविंग कराने गए एक दलित युवक पर तीन लोगों द्वारा फावड़े व धारदार हथियार से हमला किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप लगाया कि हमलावरों ने पुरानी रंजिश और वर्चस्व को लेकर उसे घेरकर जातिसूचक गालियां दीं और जान से मारने की नीयत से हमला किया। शोर-शराबा होने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। पुलिस ने तहरीर पर तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ बीएनएस और एससी-एसटी एक्ट की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। काशीराम कॉलोनी, गोविंद नगर निवासी गब्बर अहिरवार पुत्र स्व. रामदयाल अहिरवार 30 अगस्त 2026 को दोपहर करीब दो बजे रावतयाना मोहल्ले में स्थित सन्नू सेन की सैलून की दुकान पर सेविंग और कटिंग कराने गए थे। आरोप है कि इसी दौरान वहां पहले से मौजूद खालिद उर्फ बादशाह, रिफाद पुत्रगण युसूफ खान तथा अरवाज उर्फ सूटर, निवासीगण गोविंद नगर, थाना कोतवाली, वहां पहुंच गए। पीड़ित के मुताबिक आरोपियों ने उसे घेर लिया और जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करते हुए कथित तौर पर कहा कि उसे बहुत घमंड हो गया है और वह बहुत नेता बनता है। गब्बर अहिरवार ने जब इसका विरोध किया तो आरोप है कि तीनों आरोपियों ने एकराय होकर उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान फावड़े और अन्य धारदार हथियारों से हमला किए जाने से उसके सिर और शरीर पर चोटें आईं।

संक्षिप्त खबरें

कानपुर में हाईवे पर 162 वाहनों के विरुद्ध कार्यवाही

कानपुर। पुलिस उपायुक्त यातायात रवीन्द्र कुमार के निर्देशन में सड़क सुरक्षा एवं सुगम यातायात व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से कानपुर नगर के प्रमुख हाई-वे पर विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान संबंधित जोन के यातायात निरीक्षकों एवं सीसी टीम प्रभारियों द्वारा हाईवे के किनारे अनधिकृत रूप से खड़े वाहनों को हटवाया गया। वाहन चालकों को सड़क किनारे वाहन खड़ा न करने, निर्धारित पार्किंग स्थलों का ही उपयोग करने, वाहन खराबी की स्थिति में आवश्यक सुरक्षा संकेतक (रिफ्लेक्टर, ट्रायंगल, पार्किंग लाइट आदि) लगाने तथा यातायात नियमों का कड़ाई से पालन करने के संबंध में जागरूक एवं निर्देशित किया गया। इस दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 162 वाहनों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम (MV Act) के अंतर्गत नियमानुसार चालान की कार्रवाई की गई। यातायात पुलिस कानपुर नगर द्वारा आमजन व वाहन चालकों से अपील की जाती है कि यातायात नियमों का पालन करें, हाईवे अथवा मुख्य मार्गों के किनारे अनावश्यक रूप से वाहन खड़ा न करें तथा सुगम, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित यातायात व्यवस्था बनाए रखने में यातायात पुलिस का सहयोग करें।

राजकीय पशु चिकित्सालय बना तालाब भरा गंदा पानी

बरेली/ क्यों लड़िया में बना राजकीय पशु चिकित्सालय के प्रांगण में गंदा पानी भरा है जिसके कारण वहां पर बैठना तो बड़ी बात है वहां पर रुका भी नहीं जा रहा है इस प्रांगण में नहर विभाग ने गंदा पानी घूम कर खोल दिया है जिसके कारण अस्पताल नरक बन गया है। कभी यहां पर रौनक थी आज यहां पर बादल स्थिति जिस पर लोग तरह-तरह की चर्चाएं कर रहे हैं यहां पर झाड़ियां भी उगी है जिनकी साफ सफाई के लिए भी कोई व्यवस्था नहीं की जा रही है जिसके कारण यह अस्पताल अब अस्पताल नहीं बल्कि एक तालाब रह गया है यहां पर खड़ी यूकेलिप्टस के पेड़ भी भी बेचे जा चुके हैं। फिर भी अस्पताल में गंदा पानी भरा है जिसके कारण वहां पर कोई जाना भी उचित नहीं समझ रहा है यहां के पशु चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर धर्मेंद्र कुमार से बात की गई तो बताया गया विभाग को इसकी सूचना भेज दी गई है परंतु वहां से कोई भी कार्यवाही की अनुमति अभी तक प्राप्त नहीं हुई है जिसके कारण अस्पताल की स्थिति स्थिति में है।

मुर्गी दाना से लोड ट्रक पलटा, कंडक्टर घायल

कोंच(जालौन)- इंदौर से लखनऊ जा रहा मुर्गी दाना से लोड ट्रक झांसी-कानपुर राजमार्ग पर अचानक अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसा कोंच सर्किल के थाना एट क्षेत्र के ग्राम पिरौना के समीप सोमवार की सुबह करीब साढ़े 8 बजे हुआ। बताया जा रहा है कि ट्रक के पलटने से उसमें सवार कंडक्टर घायल हो गया जबकि हादसे के बाद चालक मौके से फरार हो गया। जानकारी के अनुसार, निजाम (38) पुत्र एहसान निवासी कुम्हरार थाना मोंठ जिला झांसी ट्रक में कंडक्टर के रूप में सवार था। ट्रक इंदौर से मुर्गी दाना लेकर लखनऊ की ओर जा रहा था। जैसे ही ट्रक ग्राम पिरौना के समीप पहुंचा तभी अचानक चालक ट्रक की स्टेयरिंग पर से नियंत्रण खो बैठा और ट्रक सड़क किनारे पलट गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने दुर्घटना की जानकारी पुलिस और एंबुलेंस को दी। सूचना मिलते ही एंबुलेंस मौके पर पहुंची और घायल कंडक्टर निजाम को उपचार के लिए सीएचसी कोंच में भर्ती कराया गया। दुर्घटना के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस द्वारा हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

जीटी रोड पर शव रखकर बवाल काटने, व तोड़फोड़ करने वाले सात अभियुक्त गिरफ्तार

पुलिस पर जानलेवा हमला और तोड़फोड़ के मामले में पांच पुरुष व दो महिलाएं पकड़ी गईं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। महाराजपुर थाना क्षेत्र में एक महिला की मौत हो जाने के बाद उसके परिजनों और ग्रामीणों ने उकसावे में आकर राष्ट्रीय राजमार्ग (जी.टी. रोड) जाम कर पुलिस बल पर जानलेवा हमला व उपद्रव करने वाले 23 नामजद तथा 30-40 अज्ञात अभियुक्तों के विरुद्ध संगीत धाराओ में मुकदमा पंजीकृत कर सात नामजदों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि दिनांक 30.08.2026 को समय करीब 17:15 बजे सूचना प्राप्त हुई कि थाना महाराजपुर क्षेत्र की मृतिका माला (पुत्री राजेश निषाद) के पोस्टमार्टम के उपरांत परिजन व ग्रामीण शव को दाह संस्कार के लिए ले जा रहे थे। रास्ते में असामाजिक तत्वों के उकसावे में आकर 50-60 लोगों की भीड़ ने एम्बुलेंस चालक से अभद्रता व तोड़फोड़ की और शव को राष्ट्रीय राजमार्ग (कानपुर - प्रयागराज जी.टी. रोड, हवा महल ढाबा के सामने) पर रखकर दोनों तरफ का यातायात बाधित कर दिया। सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक चकेरी व प्रभारी निरीक्षक महाराजपुर मय पुलिस बल के मौके पर पहुँचे। पुलिस अधिकारियों द्वारा परिजनों व ग्रामीणों को लगभग 2 घंटे तक समझाने-बुझाने का प्रयास किया गया, लेकिन भीड़ उग्र बनी रही। बातचीत के दौरान उग्र भीड़ में शामिल उपद्रवियों ने लाठी-डंडे, लोहे की सरिया व ईट-पत्थर से पुलिस बल पर जान से मारने की नियत से जानलेवा हमला कर दिया। जिसमें प्रभारी निरीक्षक चकेरी के सिर व चौकी इंचार्ज अहिरवाँ व प्रभारी निरीक्षक महराजपुर को गम्भीर चोटे आयी । वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा मौके पर पहुँच कर स्थिति को पूरी तरह नियंत्रित किया गया और शव को दाह संस्कार के लिए भिजवाया गया। आज दिनांक 31.08.2026 को उक्त मामले की मौके पर की गयी वीडियोग्राफी तथा स्थानीय पूछताछ के आधार अभियुक्तों की पहचान कर मुकदमे में वांछित अभियुक्तो को तलाश की जा रही थी कि पुलिस टीम जब एयरपोर्ट कट की ओर पहुंची तो सूचना मिली कि कल हाईवे जाम व पुलिस पर हमला करने वाले कुछ पुरुष व महिलाएं अलौलापुर रास्ते से होते हुए छिपकर भागने की फिराक में हैं।

उक्त सूचना पर पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए एयरपोर्ट मोड़ के पास घेराबंदी की गई और आवश्यक बल प्रयोग कर 5 पुरुष एवं 2 महिला अभियुक्तों को हिरासत में लिया गया।

वोटर लिस्ट को लेकर सपा में बढ़ी सक्रियता, अखिलेश ने बुलाई बैठक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आज लखनऊ स्थित पार्टी कार्यालय में प्रदेश के अध्यक्षों और पांचों विधानसभाओं की वोटर लिस्ट का काम देख रहे पदाधिकारियों की आपात बैठक बुलाई। बैठक में वोटर लिस्ट और सोशल मीडिया को लेकर जरूरी दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में शामिल होकर लौटे समाजवादी पार्टी कानपुर महानगर के अध्यक्ष हाजी फजल महमूद ने पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा कही गई सभी जरूरी बातें बताई। अध्यक्ष हाजी फजल महमूद ने बताया कि अखिलेश यादव ने साफ निर्देश दिए हैं कि फिलहाल सोशल मीडिया पर किसी के लिए कोई पोस्ट न डाली जाए और न ही किसी की पोस्ट पर अनावश्यक कमेंट किया जाए। उन्होंने खास तौर पर फॉर्म 6, 7 और 8 पर नजर रखने को कहा है। वोटर लिस्ट में किसका नाम जुड़ रहा है, किसका नाम हटाया जा रहा है और किसके नाम या पते में संशोधन हो रहा है, इसकी जानकारी ध्यान से रखने के निर्देश दिए गए हैं। अध्यक्ष हाजी फजल महमूद ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्देशों के मुताबिक कानपुर महानगर में भी सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता अपने-अपने क्षेत्रों की वोटर लिस्ट पर विशेष ध्यान देंगे। अगर कहीं किसी योग्य मतदाता का नाम गलत तरीके से हटाया जाता है या वोटर लिस्ट में कोई गड़बड़ी दिखाई देती है तो इसकी जानकारी तुरंत संगठन को दी जाएगी। उन्होंने कहा कि इस समय सभी कार्यकर्ताओं को सोशल मीडिया की बजाय संगठन और वोटर लिस्ट के काम पर पूरा ध्यान देना है। बैठक मे महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद,वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेन्द्र यादव मिन्टू, गोविंद नगर से विनय गुप्ता, सीसामऊ से आसिफ क़ादरी, आर्य नगर से शिखर बाजपेई, किदवई नगर से सुधांशु मिश्रा, कैंट से करन सिंह उपस्थित रहे।

देवहा नदी के सैलाब से अमीर नगर को बचाने के लिए की गई पिचिंग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली/ बाढ़ नियंत्रण विभाग द्वारा भदपुरा विकासखंड के सीमावर्ती ग्राम अमीर नगर में नदी के पानी से बचने वाली तबाही के कारण ग्राम अमीर नगर को बचाने के लिए बाढ़ नियंत्रण विभाग द्वारा गांव की दिशा में पिचिंग कराई गई जिस नदी का पानी गांव को अपना निशाना ना बन सके इस नदी के कटान से गांव के दर्जनों किसान भूमि हो चुके हैं। जिसको देखते हुए बाढ़ नियंत्रण विभाग द्वारा इसे गंभीरता से लेते हुए बाढ़ खंड बरेली के अधिशासी नीरज कुमार के नेतृत्व में उनकी टीम जिसमें सहायक अभियंता चंद्रपाल सिंह जूनियर इंजीनियर आशुतोष शर्मा भूपेंद्र सिंह ने अपना अहम योगदान देते हुए किस गांव को नदी के कर से बचने के लिए गांव की दिशा में पिचिंग कराई गई जिस गांव को नदी अपना निशाना न बन सके क्योंकि कई बार प्रशासन को नदी में बाढ़ आने पर सुरक्षित स्थान पर रहने की चेतावनी दी गई थी। जिसके मध्य नजर गांव बढ़ाने के लिए नीरज कुमार चंद्रपाल सिंह आशुतोष शर्मा दिन रात नजर जुटाए हुए हैं जिसके तहत भाई गांव में दिन-रात डेरा डाल रहे हैं फील्ड फाइटिंग के कार्य को गांव को सुरक्षित रखा जा सके इसके लिए वह पूरी तरह संकल्पहै।

एलोपैथिक से ज्यादा भरोसा होम्योपैथिक पर कर रहे रोगी

बरेली/एलोपैथिक दवाइयां से अब लोगों का मोह भंग होता जा रहा है इसके मुकाबले होम्योपैथिक में अधिक भरोसा देखने को मिला है यह नजारा क्यों लड़िया में स्थित होम्योपैथिक अस्पताल में सामने आया यहां की भीड़ देखने के बाद ऐसा प्रतीत होता है की एलोपैथ से ज्यादा रोगियों को अब होम्योपैथिक दवाई पर भरोसा हो रहा है । इस बाबत अफजाल अहमद से बात की गई तो बताया गैस की दवाई एलोपैथिक खाने के बाद होम्योपैथिक में अधिक लाभ मिला है इसी तरह बाबू बक्स हरि ओम गंगवार आदि ने ने बताया यहां की चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर किरण गौतम के अनुसार 60 से 80 मैरिज प्रतिदिन आते हैं सबसे अधिक मरीज इस समय बुखार खांसी आदि के आ रहे हैं उनको भी एहसास हो रहा है कि लोग अब होम्योपैथिक की तरफ वापस लौट रहे हैं क्योंकि होम्योपैथिक ऐसी पैथी है जिसमें बीमारी का जड़ से खत्म करने का प्रावधान है।

डीएम ने नागरिक सुरक्षा कोर के 85 आरक्षकों को वितरित किए पहचान पत्र

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

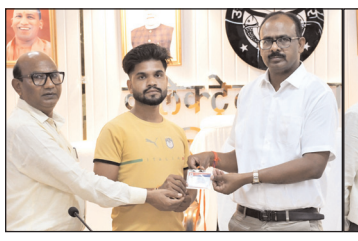

फिरोजाबाद। जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में नागरिक सुरक्षा कोर के स्वयंसेवकों एवं आरक्षकों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर जिलाधिकारी मोहनलाल गुप्ता भी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने नागरिक सुरक्षा कोर के 85 नागरिक आरक्षकों को उनके अधिकृत पहचान पत्र प्रदान किए। उन्होंने सभी आरक्षकों से निःस्वार्थ भाव से सेवा करने, जन सुरक्षा को प्राथमिकता देने तथा राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। जिलाधिकारी ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के सभी 75 जनपदों में नागरिक सुरक्षा कोर का विस्तार किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2009 के संशोधन के बाद आपदा प्रबंधन को भी नागरिक सुरक्षा कोर के वैधानिक कार्यों में शामिल किया गया है। ऐसे में आपदा एवं आकस्मिक परिस्थितियों में नागरिक सुरक्षा कोर की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। उन्होंने बताया कि नागरिक सुरक्षा कोर में सक्रिय भागीदारी के लिए 60 वर्ष तक की आयु वाले सदस्यों की भर्ती को प्राथमिकता दी जाएगी। साथ ही समाज के सभी वर्गों को संगठन से जोड़ने के उद्देश्य से महिलाओं एवं युवाओं को भी प्रभावी प्रतिनिधित्व देने पर जोर दिया जाएगा।

निःस्वार्थ सेवा ही सबसे बड़ा धर्म

जिलाधिकारी ने नागरिक आरक्षकों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि शांति काल में नागरिकों की सुरक्षा और समाज की निःस्वार्थ सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। नागरिक सुरक्षा कोर महज एक औपचारिक पद नहीं, बल्कि देशप्रेम, कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण की जीवंत मिसाल है।उन्होंने कहा कि आपदा हो, मेला-त्योहार हो अथवा शांति एवं कानून व्यवस्था से जुड़ी परिस्थितियां, नागरिक सुरक्षा कोर की भूमिका सदैव महत्वपूर्ण रहती है। सभी आरक्षक अपनी ऊर्जा और कर्तव्यनिष्ठा के साथ समाज के अंतिम व्यक्ति की सुरक्षा में योगदान दें तथा जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए हमेशा तत्पर रहें। जिलाधिकारी ने नागरिक आरक्षकों से अनुशासन बनाए रखने और अपने दायित्वों का पूरी जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि नागरिक सुरक्षा कोर के स्वयंसेवक प्रशासन और आमजन के बीच महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य करते हैं।

85 आरक्षकों ने लिया सेवा का संकल्प

कार्यक्रम के अंत में सभी 85 नागरिक आरक्षकों ने उत्साहपूर्वक क्षेत्र में सुरक्षा, अनुशासन एवं निःस्वार्थ सेवा की भावना बनाए रखने का संकल्प लिया। उन्होंने आपदा, सामाजिक आयोजनों एवं अन्य आवश्यक परिस्थितियों में प्रशासन का सहयोग करने और नागरिकों की सुरक्षा के लिए सदैव तत्पर रहने का भरोसा दिलाया।

संघर्ष से स्वावलंबन की ओर बढ़ीं हेमलता रावत, बनीं महिलाओं के लिए प्रेरणा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

टूण्डला। उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन एवं मिशन शक्ति अभियान के तहत ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। जनपद के विकासखंड टूण्डला के ग्राम बसई निवासी हेमलता रावत की संघर्ष और सफलता की कहानी इसका प्रेरणादायी उदाहरण है। विपरीत परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और अपने हुनर एवं मेहनत के बल पर न केवल अपने परिवार को संभाला, बल्कि आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनकर गांव की अन्य महिलाओं के लिए भी मिसाल कायम की। हेमलता रावत के जीवन में वर्ष 2022 में उस समय बड़ा संकट आया, जब उनके पति मानसिक रूप से अस्वस्थ होने के कारण अचानक लापता हो गए। दो मासूम बेटियों के पालन-पोषण और उनकी पढ़ाई की पूरी जिम्मेदारी हेमलता के कंधों पर आ गई। कठिन परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने हार मानने के बजाय अपनी बेटियों के बेहतर भविष्य के लिए संघर्ष जारी रखा।

स्वयं सहायता समूह से मिली नई राह

हेमलता वर्ष 2020 में राजकीय ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़ीं और 'जय बजरंगबली स्वयं सहायता समूह' की सदस्य बनीं। समूह से जुड़ने के बाद उन्हें आर्थिक सहयोग के साथ-साथ प्रशिक्षण एवं प्रशासनिक सहायता भी मिली। समूह से 20 हजार रुपये का ऋण लेकर उन्होंने गांव में ही 20 अक्टूबर 2021 को कॉस्मेटिक की छोटी दुकान शुरू की। इसके बाद आरसेटी के माध्यम से ब्यूटी पार्लर का प्रशिक्षण प्राप्त किया और अपनी दुकान का विस्तार करते हुए उसे कॉस्मेटिक एवं ब्यूटी पार्लर के रूप में विकसित किया।

15 से 20 हजार रुपये प्रतिमाह की आय

हेमलता आज अपनी दुकान संचालित करने के साथ ही समूह सखी के रूप में भी कार्य कर रही हैं। इससे उन्हें प्रतिमाह लगभग 15 से 20 हजार रुपये की सम्मानजनक आय प्राप्त हो रही है। इसी आय के माध्यम से वह अपनी दोनों बेटियों को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करा रही हैं। हेमलता ने अपनी सफलता को केवल स्वयं तक सीमित नहीं रखा। उन्होंने गांव की अन्य महिलाओं को भी स्वयं सहायता समूहों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। उनके प्रयासों से समूह की आठ महिलाओं को बैंक सखी एवं बीसी-सखी सहित विभिन्न रोजगारपरक अवसर प्राप्त हुए हैं।

सरकारी योजनाओं को बताया बदलाव का माध्यम

हेमलता अपनी सफलता का श्रेय मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन, जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा के नेतृत्व तथा एनआरएलएम टीम के सहयोग को देती हैं। उनका कहना है कि स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को घर से बाहर निकलकर अपनी प्रतिभा और क्षमता का प्रदर्शन करने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूह से जुड़ने के बाद उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत बनने के साथ-साथ आगे बढ़ने का आत्मविश्वास भी मिला। जिलाधिकारी एवं एनआरएलएम टीम के सहयोग से आज वह आत्मनिर्भर जीवन जी रही हैं। हेमलता रावत का संघर्ष, आत्मविश्वास और सफलता का सफर जनपद की अन्य ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन रहा है। उनकी कहानी यह संदेश देती है कि विपरीत परिस्थितियां कितनी भी कठिन क्यों न हों, दृढ़ इच्छाशक्ति, मेहनत और सही अवसर के साथ आत्मनिर्भरता की राह तैयार की जा सकती है।

सड़क पर जानवर आने से गिरी बाइक सवार छात्रा, घायल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- सड़क पर अचानक आवारा जानवर के सामने आ जाने से बाइक सवार 21 वर्षीय छात्रा अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई। हादसे में छात्रा गंभीर रूप से घायल हो गई। राहगीरों की मदद से उसे एंबुलेंस के जरिए सीएचसी पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उसे मेडिकल कॉलेज उरई रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार, दीक्षा (21) पुत्री राघवेंद्र निवासी गांधीनगर, पंचमुखी हनुमान मंदिर के पास कोंच के अशोक शुक्ला महाविद्यालय में एमएससी की छात्रा है। बताया गया कि रक्षाबंधन के अवसर पर उसकी कोई सहेली अपने घर आई हुई थी और दीक्षा उससे मिलने के लिए सोमवार की सुबह करीब साढ़े 9 बजे अकेली ही बाइक से एट जा रही थी। जैसे ही वह ग्राम अंडा के समीप पहुंची तभी अचानक एक आवारा जानवर सड़क पर सामने आ गया। जानवर को बचाने के प्रयास में उसकी बाइक अनियंत्रित हो गई और वह बाइक समेत सड़क पर गिर पड़ी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। राहगीरों ने घायल घायल दीक्षा को एंबुलेंस की मदद से सीएचसी भिजवाया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार कर हालत गंभीर देख उसे बेहतर उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज उरई रेफर कर दिया। लोगों का कहना है कि सड़कों पर आवारा जानवरों की मौजूदगी आए दिन दुर्घटनाओं का कारण बन रही है जिन पर अंकुश लगाया जाना जनहित में बेहद जरूरी है।

अधिकारियों का साथ सफलता का मार्ग, श्रृंखला के अंतर्गत मुख्य विकास अधिकारी शत्रोहन वैश्य ने छात्र

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

फ़िरोज़ाबाद-''अधिकारियों का साथ सफलता का मार्ग'', कार्यक्रम की श्रृंखला के क्रम में मुख्य विकास अधिकारी शत्रोहन वैश्य ने बी0डी0एम0 कन्या इंटर कॉलेज शिकोहाबाद पहुंचकर, छात्र-छात्राओं को उनके कैरियर के लिए महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान किया इस कार्यक्रम में प्रत्यक्ष रूप से 150 छात्राऐ उपस्थित रहीं, जबकि ऑनलाइन माध्यम से 4800 से अधिक छात्र-छात्राएं जुड़ी। छात्र-छात्राओं को सम्बोधित करते हुए मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि इस उम्र में भटकाव से बचना बेहद जरूरी है, जो बच्चे खुद को भटकाव से बचा लेते हैं, वही प्रगति के मार्ग पर आगे बढ़ते हैं, उन्होंने सभी को अपनी ऊर्जा का सदैव सकारात्मक दिशा में उपयोग करने की भी सलाह दी। पढ़ाई के प्रभावी तरीकों पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि पढ़ी हुई चीजों को हमेशा दोहराते रहे, जिससे वह आपके जहन में से उतरने न पाए। वर्तमान डिजिटल युग पर प्रकाश डालते हुए मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि आज का युग सोशल मीडिया का युग है, इसलिए ज्यादा समय सोशल मीडीया पर न बिताकर अपने पठन-पाठन पर ध्यान दें, केवल अच्छी चीजों को पढ़े, जो लक्ष्य के प्राप्ति में सहायक हो, उन्होंने विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि जीवन में कभी निराश न हो और असफलता से कभी न घबराए, क्योंकि असफलता से होकर ही सफलता का रास्ता तय होता है, उन्होंने सफलता के मूल मंत्र को रेखांकित करते हुए कहा कि अनुशासन, इमानदारी, और कठोर परिश्रम किसी भी व्यक्ति को सफलता की सीढ़ियों तक पहुंचा सकता है। आज जो भी व्यक्ति जीवन में सफल हैं, उनके पीछे का मुख्य कारण कठोर अनुशासन और ईमानदारी से किया गया परिश्रम है। कार्यक्रम के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने विद्यार्थियों से सीधा संवाद भी किया, जहां पर बच्चों ने अपने जीवन के उद्देश्य और सपनों को साझा किया, जिस पर मुख्य विकास अधिकारी ने उनका सही मार्गदर्शन करते हुए सफलता के उपाय बताए, इस दौरान जिला विद्यालय निरीक्षक मुदिता पांडे उपस्थित रहीं।

ईवीएम की प्रथम स्तरीय जांच (एफ0एल0सी0) हेतु राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक संपन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

फ़िरोज़ाबाद - आगामी विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2027 चुनाव के दृष्टिगत ईवीएम की प्रथम स्तरीय जांच (एफ0 एल0 सी0) प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी और त्रुटि रहित ढंग से संपन्न कराने हेतु जिला निर्वाचन अधिकारी/ जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा की अध्यक्षता में मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक कलेक्ट्रेट सभागार कक्ष में संपन्न की गई। बैठक के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने एफ0एल0सी0 की संपूर्ण कार्य प्रणाली, सुरक्षा व्यवस्था एवं भारत निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशों की विस्तृत जानकारी साझा की। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि एफ0एल0सी0 प्रक्रिया के दौरान प्रत्येक मशीन (वैलेट यूनिट, कंट्रोल यूनिट एवं वीवीपैट) की गहनता से जांच की जाएगी, एक मशीन की जांच में लगभग 25 से 30 मिनट का समय निर्धारित है, जांच के उपरांत जो मशीने पूर्णतः सही पाई जाएगी, उन पर ''एफ0एल0सी0 ओ0के0'' का ग्रीन स्टीकर लगाया जाएगा और उन्हें अलग सुरक्षित रखा जाएगा, जो मशीन खराबी के कारण सही नहीं पाई जाएगी, उन पर रेड स्टिकर लगाकर सम्बन्धित निर्माता कंपनी को वापस भेज दिया जाएगा। एफ0 एल0 सी0 प्रक्रिया की पूर्ण पारदर्शिता बनाए रखने के लिए हॉल एवं परिसर में सी0 सी0 टी0 वी0 कैमरे लगाए गए हैं, भारत निर्वाचन आयोग के द्वारा 24ग7 लाइव वेबकास्टिंग के माध्यम से संपूर्ण प्रक्रिया की निगरानी की जाएगी। एफ0 एल0 सी0 स्थल पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहेंगे, परिसर के भीतर मोबाइल कैमरा, इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस, गैजेट आदि ले जाना पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। बैठक में उपस्थित सभी मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से जिलाधिकारी ने अपील की कि वह अपने अधिकृत प्रतिनिधियों की सूची तत्काल उपलब्ध करा दें, परिसर में सुचारू प्रबंधन हेतु एक समय में प्रत्येक राजनैतिक दल का एक ही अधिकृत प्रतिनिधि हॉल के अंदर उपस्थित रह सकेगा। प्रतिनिधियों को अवगत कराया गया कि एफ0एल0सी0 के दौरान अपनी उपस्थिति में मशीनों का मॉकपोल कराकर प्रक्रिया की शुद्धता की जांच स्वयं कर सकते हैं। अंत में जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि एफ0एल0सी0 का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है, कि मतदान के दिन कोई भी मशीन खराब न हो, जिससे मतदान प्रक्रिया में कोई बाधा या शिकायत उत्पन्न न हो, एफएलसी की यह प्रक्रिया दिनांक 2 सितंबर से प्रातः 9 से सायं 7 बजे तक की जाएगी। बैठक के दौरान सभी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के अलावा अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे मोहनलाल गुप्ता, उप जिलाधिकारी अवधेश कुमार निगम, अंकित वर्मा, जिला कृषि अधिकारी सुमित चौहान आदि उपस्थित रहें।

सार्वजानिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम सुशीला देवी है जो मेरे आधार कार्ड में दर्ज है। मेरे पति के कुछ दस्तावेजों एवं बैंक रिकॉर्ड में मेरा नाम सुशीला राय लिखा हुआ है। सुशीला देवी उर्फ सुशीला राय दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं और मैं एक ही व्यक्ति हूँ। भविष्य में मुझे सुशीला देवी उर्फ सुशीला राय पत्नी स्वर्गीय उमा शंकर राय के नाम से जाना एवं पहचाना जाये।

नाम: सुशीला देवी उर्फ सुशीला राय
पति का नाम: स्वर्गीय उमा शंकर राय
पता: ग्राम हाजीपुर, पोस्ट बगेन्द, तहसील कासिमाबाद, जिला गाजीपुर (उ.प्र.) - 233301

श्रीभूमि जिले के चामटिल्ला में बिजली संकट ने मचाई तबाही, लाखों के नुकसान का दावा

शॉर्ट सर्किट के बाद कई घर प्रभावित, विद्युत उपकरणों को भारी नुकसान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि। असम के श्रीभूमि जिले के रामकृष्णनगर विधानसभा क्षेत्र में दुल्लभछड़ा से सटे चामटिल्ला गांव में सोमवार सुबह बिजली संबंधी गड़बड़ी के बाद कई घरों में आग लगने और विद्युत उपकरणों के क्षतिग्रस्त होने का मामला सामने आया है। ग्रामीणों ने घटना में लाखों रुपये की संपत्ति के नुकसान का दावा किया है। स्थानीय लोगों ने एक जर्सी गाय की मौत होने की बात भी कही है। ग्रामीणों के अनुसार, सोमवार सुबह करीब साढ़े छह बजे अचानक बिजली के उतार-चढ़ाव के बाद शॉर्ट सर्किट की स्थिति पैदा हुई, जिसके बाद गांव के कई घर प्रभावित हुए। घटना में फ्रिज, इन्वर्टर, टीवी, कंप्यूटर, पंखे समेत कई विद्युत उपकरणों के खराब होने का दावा किया गया है। अचानक हुए बिजली के उतार-चढ़ाव से ग्रामीणों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि गांव के बीच से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की बिजली लाइन पिछले कुछ दिनों से असुरक्षित स्थिति में थी और घरेलू विद्युत लाइन के काफी करीब थी। ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने इस संबंध में दुल्लभछड़ा एपीडीसीएल के कर्मचारियों और संबंधित अधिकारियों को कई बार जानकारी दी थी। इसके बावजूद समय रहते बिजली लाइन की मरम्मत अथवा सुरक्षा के आवश्यक कदम नहीं उठाए गए। ग्रामीणों ने एपीडीसीएल की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि चामटिल्ला और दुल्लभछड़ा क्षेत्र में लंबे समय से बिजली कटौती, कम वोल्टेज और अचानक अधिक वोल्टेज की समस्या बनी हुई है। उनके मुताबिक, बिजली में लगातार हो रहे उतार-चढ़ाव के कारण इससे पहले भी कई परिवारों के विद्युत उपकरण खराब हो चुके हैं। ग्रामीणों ने कहा कि यदि बिजली व्यवस्था में समय रहते सुधार किया जाता और असुरक्षित लाइन को दुरुस्त किया जाता तो इस प्रकार की घटना को टाला जा सकता था। घटना के बाद संबंधित एपीडीसीएल अधिकारी से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनका मोबाइल फोन बंद बताया गया। इससे प्रभावित परिवारों को तत्काल विभागीय अधिकारियों तक अपनी शिकायत पहुंचाने में परेशानी का सामना करना पड़ा। मामले की जानकारी स्थानीय विधायक विजय मालाकार और दुल्लभछड़ा के जिला परिषद सदस्य प्रणव मुखर्जी को भी दी गई है। ग्रामीणों ने जनप्रतिनिधियों से मामले में हस्तक्षेप करने और घटना में हुए नुकसान तथा क्षेत्र की बिजली व्यवस्था की समस्या को गंभीरता से उठाने की मांग की है।

एसडीओ से तत्काल जांच की मांग

चामटिल्ला के ग्रामीणों ने दुल्लभछड़ा एपीडीसीएल के एसडीओ समेत वरिष्ठ अधिकारियों से तत्काल घटनास्थल का निरीक्षण करने और बिजली गड़बड़ी के वास्तविक कारणों की जांच कराने की मांग की है। ग्रामीणों ने सवाल उठाया कि यदि विभाग को खतरनाक बिजली लाइन के बारे में पहले से सूचना दी गई थी तो समय रहते आवश्यक कदम क्यों नहीं उठाए गए। ग्रामीणों ने 11 हजार वोल्ट की बिजली लाइन की तत्काल मरम्मत कराने, क्षेत्र में बिजली वोल्टेज की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने और विद्युत व्यवस्था में स्थायी सुधार किए जाने की मांग की है। प्रभावित परिवारों ने अपने नुकसान का आधिकारिक आकलन कराने तथा जांच के आधार पर उचित मुआवजा दिए जाने की मांग भी उठाई है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि ईश्वर की कृपा से एक बड़ा हादसा टल गया और सभी लोगों की रक्षा हुई। उन्होंने कहा कि बिजली दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाने तथा विभागीय स्तर पर किसी प्रकार की लापरवाही हुई है या नहीं, इसकी निष्पक्ष जांच जरूरी है। अब इस मामले में एपीडीसीएल के उच्च अधिकारियों और जिला प्रशासन की ओर से क्या कदम उठाया जाता है, इस पर प्रभावित परिवारों और स्थानीय ग्रामीणों की नजरें टिकी हुई हैं। ग्रामीणों को उम्मीद है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर बिजली व्यवस्था में आवश्यक सुधार किए जाएंगे और प्रभावित परिवारों को उनके नुकसान के आधार पर उचित राहत प्रदान की जाएगी। समाचार लिखे जाने तक एपीडीसीएल अथवा जिला प्रशासन की ओर से ग्रामीणों द्वारा लगाए गए आरोपों और नुकसान के दावों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई थी।

50 किमी के दायरे में सर्च अभियान के बाद भी बेसुराग है हरीशंकर

पहूज नदी में डूबे हरीशंकर 60 घंटे बाद भी न मिलने से परिजन चिंतित

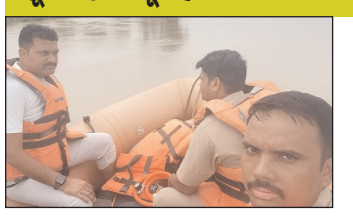

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- सलैया पहूज नदी में युवक को लापता हुए 60 घंटे से ज्यादा समय गुजर चुका है और तमाम खोजबीन के बाद भी वह बेसुराग है। समय बीतने के साथ हर पल परिजनों की चिंता बढ़ती ही जा रही है। सोमवार को सीओ कोंच परमेश्वर प्रसाद की मौजूदगी में थानाध्यक्ष कैलिया अवनीश कुमार पटेल और थानाध्यक्ष नदीगांव राजकुमार चौधरी ने पुलिस बल के साथ नाव से सर्च ऑपरेशन चलाया है। नदी में अथाह पानी और तेज बहाव खोजी अभियान में रोड़े अटका रहा है। इसके अलावा सर्च ऑपरेशन का दायरा करीब पचास किमी यानी घटनास्थल कैलिया थाना के सलैया से नदीगांव होते हुए रेढर थाना क्षेत्र तक बढ़ा दिया गया है। गौरतलब है कि थाना कैलिया क्षेत्र के ग्राम सलैया बुजुर्ग से निकली पहूज नदी में गुरुवार की शाम नहाने उतरा गांव का 28 वर्षीय युवक हरीशंकर कौरव उर्फ हरी पुत्र पहलवान सिंह उफनाई नदी के पानी में लापता हो गया था। एसडीआरएफ और फ्लड टीम तथा पुलिस के संयुक्त तत्वाधान में चलाए गए खोजी अभियान को 60 घंटे से ज्यादा बीत जाने पर भी लापता युवक का कोई पता नहीं चल सका है। जैसे जैसे समय बीतता जा रहा है परिजनों के माथे पर चिंता की लकीरें और गहरी होती जा रही हैं। फिलहाल पुलिस का सर्च ऑपरेशन जारी है।

संक्षिप्त खबरें

पुलिस ने पांच लोगों पर की मिनी गुंडा एक्ट की कार्यवाही

कोंच(जालौन)- कोतवाली पुलिस ने कोतवाली क्षेत्र के कुंवरपुरा गांव के पांच व्यक्तियों पर मिनी गुंडा एक्ट की कार्यवाही की। अपराध और अपराधियों के विरुद्ध पुलिस की इस कार्यवाही से क्षेत्र के अराजकतत्वों में हड़कंप की स्थिति देखी जा सकती है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक निगवेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि अलग-अलग मामलों में समाज के अंदर भय और डर का माहौल बनाने पर पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम कुंवरपुरा निवासी अशोक तिवारी पुत्र विनोद तिवारी, महेंद्र पुत्र चतुर सिंह, माताप्रसाद उर्फ मुकेश तिवारी पुत्र सीताराम, रानू खान पुत्र इमामबख्श एवं यागवेंद्र उर्फ बबलू पुत्र किशोरी शरण के विरुद्ध मिनी गुंडा एक्ट की कार्यवाही की गई है।

विभिन्न मांगों को लेकर निषाद समाज के लोगों ने दिया ज्ञापन

कोंच(जालौन)- विमुक्त जनजाति दिवस के अवसर पर निर्बल इंडियन शोषित हमारा आम दल पार्टी के कार्यकर्ताओं एवं निषाद वंश से जुड़े लोगों ने सोमवार को तहसील कार्यालय पहुंचकर विभिन्न मांगों को लेकर प्रधानमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन एसडीएम अभिनव कुमार को सौंपा। ज्ञापन में कहा कि निषाद वंश की विभिन्न उपजातियां अंग्रेजी शासन के दौरान क्रिमिनल ट्राइब्स एक्ट 1871 से प्रभावित हुई थीं। इस कानून को 31 अगस्त 1952 को निरस्त किए जाने के बाद इन समुदायों को विमुक्त जनजाति यानी डीएनटी के रूप में पहचान मिली। इसी ऐतिहासिक दिन को समाज द्वारा विमुक्ति दिवस के रूप में मनाया जाता है। ज्ञापन में मांग की कि जातिगत जनगणना में केवट, मल्लाह, निषाद, बिंद, मंझवार, कश्यप, तुरैहा, माझी और रैकवार आदि पर्यायवाची जातियों को 'मंझवार' कॉलम में दर्ज करते हुए डीटी अंकित किया जाए। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश में निषाद वंश की सभी उपजातियों को अनुसूचित जाति की सूची में शामिल किया जाए। ज्ञापन में कहा गया कि विमुक्त जनजाति समुदाय को शिक्षा, रोजगार, राजनीति और पेंशन के क्षेत्र में विशेष सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं ताकि समाज के लोगों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जा सके।

सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति हुए घायल, सीएचसी नारायणपुर में हुआ उपचार

नारायणपुर, जामताड़ा, झारखंडः- नारायणपुर करमदाहा मुख्य मार्ग पर थाना क्षेत्र के लोधरिया नदी के समीप शनिवार सुबह साढ़े 11 बजे हुई सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घटना के बाद घायल का उपचार सीएचसी नारायणपुर में हुआ। यहां घायल का प्राथमिक उपचार करने के बाद स्थिती को गंभीर देखते हुए बेहतर इलाज के लिए धनबाद रेफर कर दिया गया है। मिली जानकारी के अनुसार करमाटांड थाना क्षेत्र के हतबंधा गांव के मदन पंडित (48) करमदहा मंदिर में पूजा कर बाइक से अपने घर लौट रहे थे, इसी क्रम में मार्ग पर नारायणपुर थाना क्षेत्र के लोधरिया नदी के समीप बाइक चालक का संतुलन बिगड़ने के कारण बाइक से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए।

कैबिनेट मंत्री तरुणप्रीत सिंह सौंद ने खन्ना हल्के की 1,147 'सत्कार सखियों' का किया सम्मान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खन्ना, लुधियाना- रक्षाबंधन के पवित्र त्योहार के अवसर पर पंजाब सरकार द्वारा 'मुख्यमंत्री माताओं-बहनों-बेटियों सत्कार योजना' के तहत सत्कार सखियों को राशि जारी किए जाने के मद्देनजर रामगढ़िया भवन, खन्ना में 'सखियों का मान-सम्मान' समारोह आयोजित किया गया। समारोह के दौरान कैबिनेट मंत्री तरुणप्रीत सिंह सौंद ने खन्ना हलके की 1,147 सत्कार सखियों का सम्मान करते हुए उनके सामाजिक योगदान, समर्पण और सेवा भावना की सराहना की। इस अवसर पर बड़ी संख्या में एकत्रित सत्कार सखियों ने कैबिनेट मंत्री तरुणप्रीत सिंह सौंद को राखियां बांधकर रक्षाबंधन का पवित्र त्योहार मनाया। इस मौके पर मंत्री सौंद ने कहा कि माताओं, बहनों और बेटियों की ओर से मिला प्यार और सम्मान बहुत बड़ी सौगात है। उन्होंने कहा कि इस प्यार का कर्ज सात जन्मों में भी नहीं चुकाया जा सकता। कैबिनेट मंत्री सौंद ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार महिलाओं को आर्थिक सहायता के साथ-साथ सम्मान, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता प्रदान करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। इसी दिशा में 'मुख्यमंत्री माताओं-बहनों-बेटियों सत्कार योजना' शुरू की गई है। रक्षाबंधन के अवसर पर इस योजना के तहत सत्कार सखियों को राशि जारी की गई, जिससे पंजाब की 75 लाख से अधिक महिलाओं को लाभ मिला है। उन्होंने कहा कि सत्कार सखियों ने सरकार की इस महत्वपूर्ण पहल को गांवों और शहरों में घर-घर तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने महिलाओं को योजना संबंधी जानकारी देने, पात्र लाभार्थियों की पहचान करने और रजिस्ट्रेशन के लिए प्रेरित करने का सराहनीय कार्य किया है। सौंद ने कहा कि सत्कार सखियां केवल सरकारी योजना को लोगों तक पहुंचाने का माध्यम नहीं हैं, बल्कि वे महिलाओं को उनके अधिकारों और सरकारी सुविधाओं के प्रति जागरूक करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि इन सखियों की मेहनत के कारण बड़ी संख्या में माताओं और बेटियों को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है। अंत में कैबिनेट मंत्री सौंद ने सभी सत्कार सखियों को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं देते हुए उनके समर्पण और सेवा भावना के लिए विशेष रूप से धन्यवाद किया। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पंजाब सरकार महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा, आर्थिक मजबूती और सशक्तिकरण के लिए अपने प्रयास लगातार जारी रखेगी।

खेलां वतन पंजाब दियां सीजन-4 के लिए डीसी ने जारी किया क्यूआर कोड

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नवांशहर- पंजाब सरकार के महत्वपूर्ण खेल अभियान 'खेलां वतन पंजाब दियां, सीजन-4' को जिले में सुचारू रूप से आयोजित करने और खिलाड़ियों की रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया को आसान बनाने के उद्देश्य से डिप्टी कमिश्नर गुलप्रीत सिंह औलख ने अपने कार्यालय में खिलाड़ियों की भागीदारी एवं रजिस्ट्रेशन के लिए तैयार किए गए विशेष त्तक्र कोड स्कैनर पोस्टर का औपचारिक उद्घाटन कर इसे जारी किया। इस अवसर पर सहायक कमिश्नर (जनरल) रमनजीत भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने भी QR कोड स्कैनर के माध्यम से रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त की। डिप्टी कमिश्नर ने कहा कि 'खेलां वतन पंजाब दियां' पंजाब सरकार की एक महत्वपूर्ण खेल पहल है, जिसका मुख्य उद्देश्य बच्चों और युवाओं को अधिक से अधिक खेलों से जोड़ना तथा उन्हें खेल के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए उचित मंच उपलब्ध करवाना है। उन्होंने जिले के सभी स्कूलों, शिक्षा विभाग से संबंधित अधिकारियों, कोचों और अन्य संबंधित विभागों से अपील की कि सीजन-4 में अधिक से अधिक बच्चों और खिलाड़ियों की भागीदारी सुनिश्चित की जाए तथा उन्हें हर संभव सहयोग प्रदान किया जाए। उन्होंने कहा कि बच्चों को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करना, उनकी प्रतिभा को निखारना और अधिक से अधिक खिलाड़ियों को खेल मैदान से जोड़ना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। इसलिए सभी संबंधित अधिकारी और संस्थाएं इस अभियान को सफल बनाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाएं। इस अवसर पर संबंधित अधिकारियों ने 'खेलां वतन पंजाब दियां, सीजन-4' में अधिक से अधिक खिलाड़ियों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए हर संभव सहयोग देने का भरोसा दिलाया।

साइकिल खरीद में घोटाले को लेकर आम आदमी पार्टी का दिल्ली सचिवालय के पास प्रदर्शन

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के स्कूलों में छात्राओं को बांटी जा रहीं साइकिलों की खरीद में कथित घोटाले का आरोप लगाकर आम आदमी पार्टी ने सोमवार को दिल्ली सचिवालय के पास प्रदर्शन किया। पार्टी के दिल्ली प्रदेश स्तर के नेताओं ने कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और मामले की जांच कराने की मांग की। प्रदर्शनकारी सचिवालय के गेट के पास जा रहे थे इससे पहले ही फ्लाईओवर के पास पुलिस से बैरिकेड लगाकर उन्हें रोक लिया। इस प्रदर्शनकारियों ने वहीं सड़क पर बैठकर धरना दिया और दिल्ली सरकार के खिलाफ नारे लगाए। प्रदर्शन के दौरान आप नेताओं ने आरोप लगाया कि दिल्ली सरकार 6,957 रुपये प्रति की दर से साइकिल खरीद कर रही है, जबकि इसी तरह की साइकिल बाजार में करीब 4,200 रुपये में उपलब्ध है। आप नेताओं ने खरीदी जा रही साइकिलों की गुणवत्ता पर भी सवाल उठाए।आप ने कहा कि सरकार इस मामले पर चुप है और अब तक न तो किसी जांच के आदेश दिए गए हैं। आप नेताओं का आरोप है कि सरकारी खरीद में कीमत और गुणवत्ता, दोनों को लेकर गंभीर सवाल हैं।

मिशन क्लीन पंजाबः मेयर ने शुरू किया मेगा सफाई अभियान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लुधियाना- मेयर प्रिंसिपल इंद्रजीत कौर और नगर निगम कमिश्नर ओजस्वी अलंकार ने रविवार को 'मिशन क्लीन पंजाब' के दूसरे चरण के तहत शहर में मेगा सफाई अभियान की शुरुआत की। सफाई अभियान की शुरुआत पखोवाल रोड स्थित नेहरू सिद्धांत केंद्र के बाहर से की गई। इस अभियान के दौरान आसपास के कई क्षेत्रों को भी कवर किया गया। मेयर प्रिंसिपल इंद्रजीत कौर ने कहा कि यह अभियान मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान और स्थानीय निकाय मंत्री हरजोत सिंह बैंस के नेतृत्व में शुरू किया गया है। उन्होंने कहा कि शहर की सफाई नगर निगम की प्रमुख प्राथमिकता है और सभी क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। अभियान के दौरान पार्षद गुरप्रीत बब्बल, चेतन थापर, नगर निगम स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विपल मल्होत्रा सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। मेयर इंद्रजीत कौर और नगर निगम कमिश्नर अलंकार ने नगर निगम की विभिन्न शाखाओं को शहरभर में उचित सफाई सुनिश्चित करने के लिए आपसी समन्वय से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मेयर इंद्रजीत कौर और नगर निगम कमिश्नर अलंकार ने कहा कि आने वाले दिनों में शहर के विभिन्न हिस्सों में सफाई अभियान चलाए जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि जमीनी स्तर पर स्थिति का जायजा लेने के लिए अचानक निरीक्षण भी किए जाएंगे। मेयर इंद्रजीत कौर और नगर निगम कमिश्नर अलंकार ने शहरवासियों से नगर निगम का सहयोग करने तथा शहर को स्वच्छ और हरा-भरा रखने में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की। उन्होंने लोगों से खुले में कूड़ा न फेंकने और शहर में सफाई एवं स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए नगर निगम के प्रयासों में सहयोग करने की अपील की।

मतदाता की प्रशंसा से बीएलओ मीना कुमारी के समर्पित कार्य को मिली पहचान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चंडीगढ़। जमीनी स्तर पर चुनाव अधिकारियों द्वारा किए जा रहे समर्पित कार्य की सराहना करते हुए पंजाब की मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) अनिंदिता मित्रा, आईएएस ने एक मतदाता द्वारा लिखे गए प्रशंसा पत्र को साझा किया है। इस पत्र में एसएएस विधानसभा क्षेत्र के मतदान केंद्र संख्या 127 की बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) मीना कुमारी के कार्य, समर्पण और व्यवहार की विशेष रूप से सराहना की गई है। मतदाता कर्नल एस.एस. संधू ने अपने प्रशंसा पत्र में मीना कुमारी की मेहनत, समर्पण और उत्कृष्ट पेशेवर रवैये की सराहना की। उन्होंने चुनावी प्रक्रिया के दौरान अपनी जिम्मेदारियों को कुशलतापूर्वक निभाने के साथ ही मतदाताओं के साथ उनके अच्छे व्यवहार की भी प्रशंसा की। मतदाता की ओर से मिली इस सराहना को साझा करते हुए पंजाब की मुख्य निर्वाचन अधिकारी अनिंदिता मित्रा ने प्रसन्नता और आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मतदाताओं की ओर से मिलने वाला इस तरह का सकारात्मक फीडबैक पूरी चुनावी मशीनरी के लिए प्रोत्साहन का महत्वपूर्ण स्रोत है। इससे जमीनी स्तर पर कार्य कर रहे चुनाव अधिकारियों का उत्साह बढ़ता है और वे अपनी जिम्मेदारियों को और अधिक प्रतिबद्धता के साथ निभाने के लिए प्रेरित होते हैं। अनिंदिता मित्रा ने कहा, 'एक मतदाता की सराहना के लिए आभारी हूं। हमारे समर्पित चुनाव अधिकारियों द्वारा इस बड़े पैमाने की चुनावी प्रक्रिया को दक्षता, सहजता और प्रतिबद्धता के साथ संचालित करने के लिए की गई दिल से सराहना उत्साह बढ़ाने वाली है। 'उन्होंने चुनावी प्रक्रिया में जनता के विश्वास के महत्व पर भी जोर दिया।

उन्होंने कहा, 'आपका विश्वास हमें बेहतर सेवा देने के लिए प्रेरित करता है। 'मतदाता की ओर से की गई यह सराहना बूथ लेवल अधिकारियों और अन्य जमीनी स्तर के चुनाव कर्मचारियों के लिए महत्वपूर्ण मनोबल बढ़ाने वाली है। ये अधिकारी चुनावी प्रक्रिया को सुचारू, प्रभावी और मतदाता-केंद्रित तरीके से संपन्न कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। मतदाताओं से सीधे संपर्क में रहने वाले इन अधिकारियों की जिम्मेदारी चुनावी प्रक्रिया को जमीनी स्तर पर बेहतर ढंग से लागू करने की होती है। मीना कुमारी की सराहना यह भी दर्शाती है कि नागरिकों के साथ सीधे काम करने वाले चुनाव अधिकारियों का व्यवहार, जिम्मेदारी और पेशेवर रवैया चुनाव प्रणाली में जनता के विश्वास को और मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जब मतदाता चुनावी प्रक्रिया के दौरान अधिकारियों के सहयोग और व्यवहार से संतुष्ट होते हैं और अपनी प्रतिक्रिया साझा करते हैं, तो इससे चुनावी व्यवस्था में पारदर्शिता और भरोसे की भावना को बढ़ावा मिलता है। बड़े पैमाने पर चल रही चुनावी प्रक्रिया में जुटे अधिकारियों के लिए किसी मतदाता की ओर से मिलने वाली प्रशंसा उनके प्रयासों की महत्वपूर्ण और सार्थक स्वीकृति है। इस तरह की सकारात्मक प्रतिक्रिया न केवल संबंधित अधिकारी के कार्य को पहचान देती है, बल्कि चुनावी प्रक्रिया से जुड़े अन्य कर्मचारियों को भी पूरी निष्ठा, जिम्मेदारी और समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित करती है।

विधायक नीना मित्तल ने 'मिशन क्लीन पंजाब' के तहत सफाई मुहिम की अगुवाई की

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

राजपुरा। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार द्वारा शुरू की गई 'मिशन क्लीन पंजाब' मुहिम के तहत नगर कौंसिल राजपुरा की ओर से शहर में 10 दिवसीय विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है। हलका विधायक नीना मित्तल ने राजपुरा में इस अभियान की अगुवाई करते हुए बताया कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान और स्थानीय सरकार मंत्री हरजोत सिंह बैंस के दिशा-निर्देशों के तहत सफाई की यह विशेष मुहिम 8 सितंबर तक जारी रहेगी। इस अवसर पर उनके साथ अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर (शहरी विकास) नवरीत कौर सेखों भी मौजूद रहीं। नीना मित्तल ने शहरवासियों से अपील की कि वे इस विशेष सफाई अभियान का हिस्सा बनें और शहर को साफ-सुथरा रखने में अपना सहयोग दें। उन्होंने कहा कि शहर को स्वच्छ, सुंदर और कूड़ा-मुक्त बनाना केवल सरकार या नगर कौंसिल की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसमें प्रत्येक नागरिक की भागीदारी बेहद जरूरी है। लोगों के सक्रिय सहयोग से ही 'मिशन क्लीन पंजाब' के उद्देश्यों को सफलतापूर्वक साकार किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि विशेष सफाई अभियान के दौरान भोगला रोड से मुक्त चौक तक नालियों और सड़क के किनारों की सफाई की गई। इसके अलावा गगन चौक से मुक्त चौक तक सड़क के डिवाइडरों की सफाई की गई तथा डिवाइडरों के सौंदर्यीकरण का कार्य भी शुरू किया गया। अभियान के दौरान शहर के विभिन्न हिस्सों में सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने तथा सार्वजनिक स्थानों को स्वच्छ रखने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। कार्य साधक अधिकारी अवतार शेखड़ी ने कहा कि विधायक नीना मित्तल और अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर (शहरी विकास) नवरीत कौर सेखों के नेतृत्व में नगर कौंसिल की ओर से यह विशेष सफाई अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य शहर की सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाना तथा लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना है। इस मुहिम में लविश मित्तल, नगर कौंसिल अध्यक्ष रितेश बांसल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष देस राज, वरिष्ठ अध्यक्ष नगर कल्पना कुकरेजा, कार्य साधक अधिकारी अवतार शेखड़ी, सुपरिंटेंडेंट सैनिटेशन राजेश कुमार, सेनेटरी इंस्पेक्टर विकास चौधरी, पार्षद रमणजीत सिंह टिवाणा, राजेश कुमार बावा, नगर कौंसिल के सफाई कर्मचारी तथा शहर के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

पानी भरने को लेकर हुए विवाद में घायल

कोंच(जालौन)- पानी भरने को लेकर हुए विवाद और मारपीट की दो अलग-अलग घटनाओं में एक बुजुर्ग व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया जबकि एक अन्य महिला ने घर में घुसकर मारपीट करने का आरोप लगाया है। उक्त दोनों पीड़ितों ने कोतवाली पुलिस को शिकायती पत्र देकर कार्यवाही किए जाने की मांग की है।कस्बे के पटेलनगर निवासी बुजुर्ग रघुवीर शरण वर्मा पुत्र बदलू प्रसाद ने पुलिस को दिए शिकायती पत्र में बताया कि रविवार देर रात 11 बजे वह अपने घर के दरवाजे पर सरकारी हैंडपंप से पानी भर रहा था तभी मोहल्ले का ही एक व्यक्ति मौके पर आया और गाली गलौच कर लोहे की रॉड उसके सिर पर मार दी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं घटना को लेकर पुलिस ने घायल रघुवीर को चिकित्सकीय परीक्षण के लिए सीएचसी भेजकर जांच शुरू कर दी है। दूसरी घटना में ग्राम घमूरी निवासी महिला गीता देवी पत्नी भगवान सिंह ने पुलिस को दिए शिकायती पत्र में बताया कि उसके घर के पास लगे सरकारी हैंडपंप में मोहल्ले के ही कुछ ग्रामीणों ने अपनी समरसेबिल डाल रखी है जिससे अन्य ग्रामीण पानी नहीं भर पा रहे हैं।

मूलभूत समस्याओं से परेशान ब्यौना रियासत के ग्रामीणों ने दिया शिकायती पत्र

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- ग्रामीण इलाकों में मूलभूत सुविधाओं से लेकर ग्रामीणों की तकदीर और गांवों की तस्वीर बदलने के नाम पर लाखों करोड़ों रुपए खर्च करने का दंभ भरने वाली सरकार को तहसील कोंच और नदीगांव ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम ब्यौना रियासत के बाशिंदों ने आईना दिखाने का काम किया है। इस गांव के ग्रामीणों ने श्मशान घाट न होने और तमाम मूलभूत परेशानियों को लेकर एसडीएम को शिकायती पत्र देकर कार्यवाही किए जाने की मांग की है। सोमवार को ग्राम पंचायत खैराबर के मजरा गांव ब्यौना रियासत के करीब दर्जन भर ग्रामीणों ने एसडीएम अभिनव कुमार को दिए अपने शिकायती पत्र में बताया कि गांव में अभी तक श्मशान घाट नहीं बन सका है जिससे किसी ग्रामीण की मृत्यु हो जाने पर शव के अंतिम संस्कार के लिए पक्के रोड से करीब 12 किमी दूर ग्राम पंचायत खैराबर में बने श्मशान घाट जाना पड़ता है, बारिश के मौसम में स्थिति विकट हो जाती है। ग्रामीणों ने बताया कि बीती 27 अगस्त को तेज बारिश में एक ग्रामीण की मृत्यु हो जाने पर बमुश्किल खैराबर जाकर उसका अंतिम संस्कार किया जा सका। उसी दिन दूरभाष पर शिकायत दर्ज कराई गई थी लेकिन अभी तक गांव में श्मशान घाट बनाए जाने के लिए किसी प्रकार की कोई कार्यवाही शुरू नहीं की गई है। ग्रामीणों ने इसके अलावा गांव में जलभराव, जर्जर रास्ते, खराब सरकारी हैंडपंप, गंदगी आदि की समस्या शिकायती पत्र में बताई है। ग्रामीणों ने गांव में श्मशान घाट बनवाए जाने और मूलभूत व्यवस्थाएं ठीक कराए जाने की मांग एसडीएम से की है। एसडीएम ने शिकायती पत्र के आधार पर मामले में उचित कार्रवाई का आश्वासन ग्रामीणों को दिलाया है।